प्रयागराज, रविवार 04 मई 2025 से शनिवार 10 मई 2025 तक
वर्ष-14 अंक-18
पृष्ठ- 8, मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

2025 महाकुम्भ
14 वर्ष
संघर्ष कि यात्रा

28.04.2025

29.04.2025

30.04.2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

01.05.2025

02.05.2025

03.05.2025

रिटायर्ड अफसर व पत्नी का कैसे पकड़ा गया क़ातिल महीने में दो बड़ी वारदात को पुलिस ने सुलझाया

('आधुनिक समाचार नेटवर्क') प्रयागराज। शहर के नैनी की एडिए कॉलोनी का मकान नंबर एलआईसी 16, समय 28 अप्रैल, दोपहर 1.30 बजे एफसीआई से रिटायर्ड अफसर और उनकी पत्नी को उनका घर बनाने वाले राजमिस्त्री ने ही मार डाला था। सीसीटीवी में दिखने के बाद पुलिस ने राजमिस्त्री श्याम बाबू को गिरफ्तार कर कर लिया। बीते एक महीने में शहर में दो बड़ी वारदात हो जाती हैं दोनों हत्या कांड पुलिस के लिए चुनौती बन जाती हैं पर पुलिस की कार्यकुशलता व दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे बदमाशों की कोई चपलता काम नहीं आई. तो समझिये कड़ी दर कड़ी पहला दिन सोमवार जब दोपहर मारे गए अरुण श्रीवास्तव जी के घर किराये पे रहने वाला 10वी का छात्र सुनील गेट लॉक देखता है तो सशंकित होकर आवाज देने लगता हैं कुछ और भी पडोसी एकत्रित होते हैं 5 बजे जब सुनील अपने कमरे से निकला तो देखा कि मेन गेट बाहर से लॉक है। इसके बाद वह अरुण श्रीवास्तव वाले हिस्से में गया। वहां भी दोनों कमरों में बाहर से ताला बंद था। सुनील ने मेन गेट खुलवाने के लिए शोर मचाया। इस पर आसपास के लोग अरुण के घर के बाहर पहुंचे। मेन गेट पर ताला लगे होने की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस को अरुण की लाश और उनकी पत्नी मीना घायल अवस्था में मिलीं। बाद में अस्पताल में मीना की भी मौत हो गई। दूसरा दिन मंगलवार पुलिस ने बिना देरी किये सर्विलांस सीसीटीवी खंगालना शुरू किया में दिख रहे शख्स से मिलते-जुलते हुलिए के करछना से राजकुमार विश्वकर्मा को उठाया है। उसके पास से एक झोला भी मिला है। जिसकी बिजली की दुकान है। पुलिस अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। उसके घर की तलाशी भी हुई। हालांकि तब तक साफ नहीं हुआ था कि वारदात

उसी ने की थी। वहीं दूसरी तरफ करछना घाट पर मंगलवार शाम दंपती का अंतिम संस्कार कर दिया गया। अरुण के घर में दाखिल होने के बाद सबसे पहले आंगन है। फिर सामने की तरफ कमरे बने हुए हैं। पुलिस जब घर के अंदर पहुंची तो आंगन में अरुण की लाश पड़ी थी। वह शर्ट और पेंट पहने हुए थे। पूरे आंगन में खून फैला था। पुलिस को अंदर 3 कमरों में हर जगह ब्लड स्पॉट मिले। एक कमरे में बेड पर पत्नी मीना की लाश पड़ी थी। स्पॉट देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि कातिल ने पहले अरुण को मारा है। उनके सिर पर गहरा घाव थे, सीने, गर्दन, और कंधे पर सात घाव मिले। मीना के सिर पर ज्यादा चोट लगी थी। सिर में गड्ढा हो गया था। उनके सिर में चार और गर्दन पर एक वार किया गया है। बाकी पैर-हाथ में छिलने के निशान है, जो भागते वक्त गिरने में लगे होंगे। इतना तो साफ है कि अरुण और मीना ने आखिरी सांस तक कातिल से संघर्ष किया। कह सकते हैं कातिल कोल्ड ब्लडेड हत्यारा जैसा था क्योंकि की जिस तरह हत्या के बाद बिना हड़बड़ाए उसने बाल्टी में अपने हाथ धुले जिस हथियार से हत्या किया उसे भी धुला और बाहर निकलते समय गेट लॉक करके बाहर निकला उससे एक बार जांच अधिकारी भी सोचने पे विवश हो गए की क्या यह हत्या इसका पहला कृत्य है ? क्योंकि हड़बड़ी का न होना और मौका-ए-वारदात पर इतना सहज रहना भी सहज नहीं हैं बहरहाल मौके पे आधुनिक समाचार ने तफतीश के समय देखा की जमीन पूरी तरह से लाल रंग से रिंधा था दीवारों पर जगह जगह खून के थक्के व् चिपके थे. कातिल ने पहले पत्नी और और फिर बीच बचाओ करने आये पति को मारा। कातिल श्याम को लगने लगा कि मैं पकड़ा जाऊंगा। खुद को संभालते हुए उसने हथौड़ा ढूंढा, जो बेड के नीचे चला गया था। इसलिए निकालने में थोड़ा वक्त लग गया। लेकिन, मीना इस दौरान बाहर की तरफ भाग नहीं पाई। इसलिए कमरे के अंदर जाकर दरवाजा बंद करने का प्रयास किया। लेकिन, श्याम ने धक्का देकर दरवाजा खोल दिया। इसके बाद वह मीना पर टूट पड़ा। उन पर ताबड़तोड़ वार किए और मार डाला। इसके बाद उनकी लाश पर भी एक चादर डाल दी। इसके बाद वह फर्स्ट फ्लोर के बरामदे में आया। चूंकि वह इस घर में आता-जाता रहता था, इसलिए उसको पूरी भौगोलिक स्थिति पहले से पता थी। उसने नल के पानी से अपना हथौड़ा धोया, खुद को साफ किया। फिर वह सीढ़ियों से उतरता हुआ नीचे आ गया। घर में ही रखा एक ताला मेन गेट में लगाकर चला गया। पेशे से राजमिस्त्री श्याम बाबू अब पुलिस की कस्टडी में है। तीसरा दिन कातिल राजमिस्त्री श्याम बाबू ने यह पूरी कहानी पुलिस को सुनाई है। डीसीपी विवेक चंद्र यमुनापार ने बताया- श्याम के शरीर पर कई चोटें मिलीं, जो मीना देवी के साथ हुए संघर्ष के दौरान आई होंगी। उसने बताया कि करीब 15-16 मिनट तक मीना के साथ उसका संघर्ष हुआ। वह कहते हैं- दो कत्ल करने के बाद श्याम बाबू ने घर के अंदर रखी अलमारी का लॉकर खोला, लेकिन कुछ लूटा नहीं। सिर्फ अरुण और मीना के मोबाइल अपने साथ ले गया। हालांकि पहले सीसीटीवी के आधार मिलते जुलते इलेक्ट्रिशियन राजकुमार विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया गया था पे प्रथमदृश्या में फैले सामान से लग रहा था घटना लूट के लिए अंजाम दिया गया लगा था पर कातिल की सहजता से जांच अधिकारी ये भी मान कर चल रहे थे की बिखरे सामान कहीं भ्रमित करने के लिए तो कातिल ने नहीं रचा हैं। नैनी पुलिस व् आलाधिकारी परत दर परत केस की गहराई में जाने लगे. जिसके बाद लोगो के बयान को दर्ज़ किया गया। मृतक अरुण जी के घर किराये पे रहने वाला दसवीं के छात्र 'सुनील' से भी अहम् जानकारी मिली फिर पुलिस न्र सबके बयान और सभी सीसीटीवी को खंगाल के मिलान किया तब पहली बार कातिल पुलिस को सीसीटीवी में दिखा तो अरुण के मकान में तीसरे फ्लोर पर रहने वाले छात्र सुनील ने उसकी पहचान की. सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो एडीए मोड़ पर ऑटो में बैठता दिखाई दिया. पुलिस जब ऑटो वाले तक पहुंची, तो उसने राजकुमार का हुलिया पहचान लिया और बताया कि वह उसके ऑटो में बैठकर करछना से एडीए मोड़ तक आया था.उधर अरुण श्रीवास्तव के घर के सामने रहने वाले चंदन दास बताते हैं कि सुबह दस बजे के करीब जब वह अपनी कार धो रहे थे तो अरुण उनके पास रुके थे। हंसते हुए पूछा कि आज कहीं जाने का प्रोग्राम है, बातचीत के दौरान कहा था कि मुझे अपनी कार से घुमा दो। चंदन दास कहते हैं कि अरुण और मीना बहुत ही हंसमुख थे। दोनों लोग मेरे माता-पिता तुल्य थे। उनकी हत्या से बहुत दुखी हूं। उनकी किसी से दुश्मनी नहीं थी। उन्होंने कहा- अरुण का मकान तीन मंजिला बना है। इस समय तीसरी मंजिल पर काम चल रहा है। इस वजह से पूरे घर में केवल मजदूर आते-जाते हैं।

पाकिस्तान के कब्जे में बीएसएफ जवान, प्रेग्नेंट पत्नी बोली- चुप नहीं रहूंगी, पति को वापस लाए सरकार

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकी हमले के अगले दिन 23 अप्रैल को पाकिस्तानी रेंजर्स ने दो फोटो जारी कीं। दावा किया कि उन्होंने एक बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार साव को पकड़ा है। पहली फोटो में जवान पेड़ के नीचे खड़ा है और उसकी राइफल, पानी की बोतल, बैग जमीन पर पड़ा है। दूसरी फोटो में जवान की आंखों पर पट्टी बंधी है। पूर्णम पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के रहने वाले हैं। गांव का नाम रिसड़ा है। पूर्णम की रिहाई के लिए बीएसएफ तीन बार फ्लैग मीटिंग बुला चुकी है, लेकिन पाकिस्तान ने कोई रिस्पॉन्स नहीं दिया। एक मीडिया हाउस से बात करते हुए पूर्णम की पत्नी रजनी ने कहा, 'मैं हमेशा के लिए बीएसएफ इंतजार नहीं कर सकती। इतना वक्त बीत गया, लेकिन मैंने कुछ नहीं कहा। अगर मुझे मदद नहीं मिली, तो मैं दिल्ली जाऊंगी और पीएमओ से जवाब मांगूंगी। पूर्णम के परिवार में मां देवंती देवी, पिता भोलानाथ, पत्नी रजनी, भाई श्याम सुंदर हैं। पूर्णम को बीएसएफ जॉइन किए 17 साल हो गए, लेकिन पहली बार परिवार डरा हुआ है। इसकी वजह पहलगाम हमले के बाद बना माहौल और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ी तल्खी है। उनके भाई श्याम बताते हैं. 'मेरे एक दोस्त का फोन आया था। उसने कहा कि टीवी पर पूर्णम की खबर चल रही है। मैंने टीवी ऑन की, तो देखा कि उसे पाकिस्तान के रेंजर्स ने पकड़ लिया है। हम बहुत घबरा गए। बीएसएफ या सरकार की तरफ से कोई बात नहीं की गई। अगले दिन हमारे समाज के अध्यक्ष विजय मिश्रा ने सांसद कल्याण बनर्जी से बात की। कल्याण बनर्जी ने

मुझे कॉल किया। उन्होंने कहा कि पूर्णम को भारत लाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से बात की है।श्याम आगे कहते हैं, 'मैंने भाई की फोटो देखी, तो बहुत दुख हुआ। उसके हाथ बंधे हुए थे। आंखों पर पट्टी थी। इसी हालत में उसे पाकिस्तान ले गए। पहले तो लगा कि उसे मार दिया होगा, लेकिन भगवान के आशीर्वाद से वो जिंदा है। 'मैंने उसके दोस्त से बात की थी। उसने बताया कि पूर्णम ड्यूटी पर था। उसकी तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए वो आराम करने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठ गया। वहीं उसकी नींद लग गई। तभी पाकिस्तानी रेंजर आए और उसकी राइफल छीन ली। उसे अपने साथ ले गए।' 'पहलगाम में जो हुआ, उससे मैं बहुत परेशान था। पूरे देश को इसका दुख है। उम्मीद नहीं थी कि मेरे भाई के साथ ऐसा हो जाएगा। हमें बताया गया है कि रिहाई के लिए बातचीत चल रही है। केंद्र और राज्य सरकार कोशिश कर रही हैं। उम्मीद है कि वो सुरक्षित वापस आएगा। पूर्णम की पत्नी रजनी पति की रिहाई के लिए सरकार और बीएसएफ से अपील कर रही हैं। अफसरों से बात करने के लिए फिरोजपुर और दिल्ली जाने की तैयारी कर रही हैं। हमने उनसे बात करने की कोशिश की। वे कैमरे पर बात नहीं करना चाहती थीं। ऑफ कैमरा बताती हैं, 'मैंने उनसे (पूर्णम) आखिरी बार मंगलवार को रात 1 बजे बात की थी। बुधवार सुबह करीब 6 बजे उन्हें पाकिस्तानी रेंजर्स ने पकड़ लिया। मैं भारत सरकार से अपील करती हूं कि उन्हें सुरक्षित वापस लाए। पूर्णम के भतीजे राहुल बताते हैं, 'चाचा आखिरी बार होली पर घर आए थे। 31 मार्च को पठानकोट लौट गए थे। उन्होंने बहुत कम उम्र से काम करना शुरू कर दिया था। परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर है। पिता ई-रिक्शा चलाते हैं। चाचा की खबर सुनने के बाद से सदमे में हैं।'

पाकिस्तानी मंत्री की परमाणु हमले की धमकी,भारत ने एंटी शिप मिसाइलें दागीं

नई दिल्ली। पाकिस्तान की

मांग है कि पहलगाम हमले की जांच में चीन और रूस को भी शामिल किया जाए। वहां के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक इंटरव्यू में कहा, 'इंटरनेशनल टीम जांच करे कि मोदी सच बोल रहे हैं या झूठ।' पाकिस्तान के रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने परमाणु हमले की धमकी देते हुए कहा, 'पाकिस्तान के परमाणु हथियार सजाने के लिए नहीं रखे हैं। शाहीन, गोरी और गजनवी जैसी 130 मिसाइल भारत के लिए रखी गई हैं। वहीं इंडियन नेवी ने अरब सागर में एंटी शिप फायरिंग ड्रिल की। नेवी ने कहा कि वह दिन-रात देश की रक्षा के लिए तैयार है। वहीं नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम आतंकी हमले मामले में जम्मू में केस दर्ज किया। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने चश्मदीदों से पूछताछ शुरू कर दी है। बीते 3 दिन में 537 पाकिस्तानी नागरिक अटारी बॉर्डर से वापस गए हैं, 850 भारतीय लौटे हैं। बीते दिन 237 पाकिस्तानी अपने देश लौटे, जबकि 116 भारतीय नागरिक वापस आए। कश्मीर के किश्तवाड़ में आर्मी यूनिफॉर्म रखने, सिलने-बेचने पर रोक लगा दी गई है। सुरक्षाबलों ने कश्मीर घाटी में पिछले तीन दिनों में 10 आतंकियों के घर ब्लास्ट से उड़ा दिए। पहलगाम हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें असम के विपक्षी पार्टी ए.आई.यू.डी.एफ के विधायक, एक पत्रकार, वकील, 2 रिटायर्ड टीचर और 23 स्टूडेंट शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा में हुई हैं। असम से सबसे ज्यादा 16 लोग अरेस्ट हुए हैं।

एक मई से हुए ये बदलाव

नई दिल्ली। नया महीना यानी मई अपने साथ कई बदलाव लेकर आया है। आज से अमूल का दूध 2 रुपए महंगा हो गया है। वहीं एटीएम फ्री लिमिट के बाद पैसा निकालने पर ज्यादा चार्ज देना होगा। इसके अलावा अब वेटिंग टिकट पर स्लीपर और एसी कोच में सफर नहीं कर सकेंगे। आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर रु17 तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत रु14.50 घटकर रु1747 हो गई। पहले ये रु1762 में मिल रहा था। कोलकाता में यह रु17 घटकर रु1851.50 में मिल रहा है, पहले इसके दाम रु1868.50 थे। मदर डेयरी और वेरका ब्रांड के बाद अमूल ने भी देशभर में दूध के दाम में 2 रुपए लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। नई कीमतें आज यानी गुरुवार, 01 मई से लागू हो गई हैं। अमूल स्टैंडर्ड, अमूल बफैलो मिल्क, अमूल गोल्ड, अमूल स्लिम एंड ट्रिम, अमूल चाय मजा, अमूल ताजा और अमूल काऊ मिल्क की कीमतों में 2 रुपए की बढ़ोतरी हुई है।भारतीय रिजर्व बैंक ने आज से एटीएम विड्रॉल चार्ज को रिवाइज किया है। फ्री मंथली लिमिट समाप्त होने के बाद, ग्राहकों को अब एटीएम पर प्रति लेनदेन रु23 का भुगतान करना होगा। पहले प्रति लेनदेन पर 21 रुपए का चार्ज लगता था। यह शुल्क 2022 में लागू किया गया था। फ्री लिमिट के बाद हर एक कैश विड्रॉल पर रु23 का चार्ज लिया जाएगा हर महीने अपने बैंक के एटीएम पर 5 फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन्स, मेट्रो शहरों में दूसरे बैंक के एटीएम पर 3 फ्री ट्रांजैक्शन्स नॉन-मेट्रो शहरों में दूसरे बैंक के एटीएम पर 5 फ्री ट्रांजैक्शन्स फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट में कोई बदलाव नहीं , भारत में सभी बैंकों के सेविंग अकाउंट होल्डर्स के लिए लागू। भारतीय रेलवे के नए नियम के अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को अब स्लीपर या एसी कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। जिन यात्रियों के टिकट वेटिंग लिस्ट में हैं, वे अब केवल जनरल कोच में ही यात्रा कर सकेंगे। अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट पर एसी या स्लीपर कोच में यात्रा करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर जुर्माना लगेगा।

हरियाणा में सुअर कहने पर मां-बेटी से गैंगरेपःबालों से पकड़ घसीटकर ले गए; आवाज सुन पहुंची बच्ची चिल्लाई तो गला घोंटकर मार डाला

हिसार। हरियाणा के जींद में महिला ने शराब के नशे में झगड़ रहे व्यक्ति को सुअर कहा तो उसने 3 साथियों के साथ मिलकर पहले महिला का गैंगरेप किया। फिर उसकी 5 साल की बेटी को भी उठाकर ले गए और उसका भी गैंगरेप किया। इस दौरान बच्ची चिल्लाई तो आरोपियों ने मुंह और गला दबाकर उसकी

हत्या कर दी। वारदात के बाद बच्ची के शव को परिजनों ने दफना दिया था, लेकिन मां की शिकायत पर उसे निकाला गया और पोस्टमॉर्टम करवाया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची से गैंगरेप की पुष्टि हुई। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। जींद सिटी पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जिसके बाद नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया, जबकि बाकी तीनों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपियों की पहचान 46 वर्षीय हमीद खान, 18 वर्षीय बीरू, शिवा और 13 वर्षीय किशोर के रूप में हुई है। महिला ने कहासुनी में सुअर कहाः पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 21 अप्रैल की रात को वह चारों शराब पी रहे थे। नशे की हालत में वह महिला की झुग्गी के पास पहुंच गए तो उसके साथ उनकी कहासुनी हो गई। तब महिला का पति किसी काम से बाहर गया हुआ था। महिला ने हमीद खान को सुअर कह दिया। आरोपी गैंगरेप कियाः इससे हमीद गुस्से में आ गया। वह तीनों दोस्तों के साथ मिलकर महिला को बाल पकड़कर घसीटते हुए रेलवे लाइन के नजदीक कूड़े के ढेर की तरफ ले गया। जहां हमीद ने महिला का रेप किया। उससे भी गैंगरेप कियाः इस दौरान भी उसकी आवाज सुनकर महिला की 5 साल की बच्ची भी उनके पास आ गई। यह देख आरोपियों ने उसे भी कंबल में दबोच लिया। जिसके बाद आरोपी हमीद के तीनों साथियों ने बच्ची के साथ बारी-बारी से रेप किया।बच्ची चिल्लाई तो मुंह और गला दबायाः बच्ची चिल्लाई और छटपटाई तो शिवा और उसके साथियों ने उसका मुंह व गले को जोर से दबाए रखा। इससे उसकी मौत हो गई। बच्ची की हत्या के बाद आरोपियों ने उसकी मां के साथ भी बारी-बारी से रेप किया। जब महिला बेसुध हो गई तो उसे कूड़े के ढेर पर छोड़कर वहां से फरार हो गए।

सोशल मीडिया औरओटीटी पर अश्लील कंटेंट बैन हो,सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज, मांग- नेशनल कंटेंट कंट्रोल अथॉरिटी भी बनाई जाए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को ओवर द टॉप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करेगा। इसमें केंद्र सरकार को अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग की रोक लगाने के लिए सही कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। याचिका में नेशनल कंटेंट कंट्रोल अथॉरिटी बनाने की मांग और इसके लिए गाइडलाइन निर्धारित करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि सोशल मीडिया साइट्स बिना किसी फिल्टर के अश्लील कंटेंट परोस रहे हैं। कई ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी के एलिमेंट्स भी हैं। ऐसे कंटेंट युवाओं, बच्चों और यहां तक कि बड़ों के दिमाग को भी गंदा करती है। इससे विकृत और अननेचुरल सेक्स टेंडेंसी को बढ़ावा मिलता है, जिससे क्राइम रेट बढ़ता है।

आगे कहा गया, 'बेरोकटोक अश्लील कंटेंट सार्वजनिक सुरक्षा में खतरा पैदा कर सकता है। अगर इसपर पाबंदियां नहीं लगाई गईं तो सामाजिक मूल्यों और लोगों के मेंटल हेल्थ पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। समय की मांग है कि सरकार सार्वजनिक नैतिकता की रक्षा करने के अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन करे। सरकार को अश्लील कंटेंट से प्रभावित होने वाली आबादी की रक्षा करनी चाहिए, ताकि डिजिटल स्पेस विकृत व्यवहार का जन्म स्थल न बने।' याचिका में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने की मांग भी की गई है। जिसमें व एक्सपर्ट्स शामिल हों, जो ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंटेंट पब्लिश या स्ट्रीमिंग की निगरानी और सर्टिफिकेशन के लिए सेंसर बोर्ड की तर्ज पर तब तक काम करे। यह कमेटी तब तक बनी रहे, जब तक कि इसे रेग्युलेट करने के लिए कानून नहीं बन जाता। इस बीच, केंद्र सरकार मौजूदा आईटी एक्ट की जगह डिजिटल इंडिया बिल लाने की योजना बना रही है। इस नए कानून का उद्देश्य सोशल मीडिया पर अश्लीलता को रोकना है। यूट्यूबर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को विनियमित करना है। सरकार इस विधेयक पर 15 महीने से काम कर रही है और इसमें टेलीकम्युनिकेशन, आईटी और मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए विशिष्ट नियम शामिल होंगे।

हिमंता बोले-गोगोई की पत्नी को पाकिस्तानी एनजीओ सैलरी दे रहा, कांग्रेस सांसद ने कहा- आरोप गलत हुए तो इस्तीफा देंगे

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी भारत में रहते हुए पाकिस्तान स्थित एक एनजीओ से वेतन लेती हैं। उनकी पत्नी और बच्चे भारतीय नागरिक नहीं हैं। साथ ही 'एक्स' पोस्ट में गोगोई से सवाल

पूछा- क्या आप 15 दिनों के लिए पाकिस्तान गए थे। जवाब में गोगोई ने कहा- अगर मेरे और मेरी पत्नी के खिलाफ दुश्मन देश का एजेंट होने के आरोप साबित नहीं होते हैं तो क्या आप इस्तीफा देंगे। साथ ही सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री अपनी पत्नी और बच्चों के बारे में सवालों के लिए तैयार हैं। सीएम हिंमता ने जवाब देते कहा- मैं, मेरी पत्नी और पूरा परिवार भारतीय नागरिक है। कभी पाकिस्तान नहीं गए। हम पाकिस्तान से सैलरी लेने के बारे में सोच भी नहीं सकते। 10 सितंबर 2025 तक गोगोई और उनके पाकिस्तान से जुड़े संबंधों के सबूत सार्वजनिक किए जाएंगे। दरअसल, सीएम हिंमता और गोगाई के बीच व्यक्तिगत विवाद की शुरुआत असम में अवैध कोयला खनन की जांच को लेकर हुई। गौरव गोगोई ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने असम के अवैध कोयला साम्राज्य का पर्दाफाश किया है। दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय ने 1.58 करोड़ रुपए नकद बरामद हुए और फर्जी बिलिंग हो रही है। असम में रोजाना 1200 टन अवैध कोयला निकाला जा रहा है।

बिजली गिरने से यूपी-बिहार में 4 की मौत, 21 राज्यों में तेज बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट, 5 राज्यों में हीटवेव की चेतावनी

लखनऊ। उत्तरप्रदेश और बिहार में सोमवार को बिजली गिरने से 4 लोगों

की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक बच्ची और फतेहपुर में किसान की मौत हुई। वहीं, बिहार के पटना और हाजीपुर में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग ने आज भी देश के 21 राज्यों में तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। वहीं, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में हीटवेव का अलर्ट है। राजस्थान में लगातार दूसरे दिन तापमान में बढ़ोतरी होगी। बाड़मेर में रविवार को सबसे ज्यादा तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इधर, दिल्ली में रविवार को तापमान में थोड़ी गिरावट आई, लेकिन यहां का टेम्परेचर 41.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने पंजाब में अगले पांच दिन लू का यलो अलर्ट जारी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' रेडियो शो में लोगों से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मोबाइल फोन एप्लिकेशन 'सचेत' का इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह उन्हें प्राकृतिक आपदा में फंसने से बचाने में मदद कर सकता है। यह ऐप आपदा की रियल टाइम की जियो-टैग्ड वॉर्निंग और देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन, सुनामी, जंगल की आग, हिमस्खलन, तूफान, बिजली जैसी आपदाओं में 'सचेत ऐप' आपको हर तरह से सूचित और सुरक्षित रखने की कोशिश करता है। इस ऐप के जरिए मौसम विभाग से जुड़े अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। 29 अप्रैल यानि कल केरल, कर्नाटक, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट है। वहीं 30 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश में हीटवेव का अलर्ट है, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़ में तेज गर्मी पड़ेगी। ओडिशा, केरल में भारी बारिश हो सकती है। जबकि कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आंधी, बारिश और बिजली गिरने के आसार हैं।1 मई- पंजाब, राजस्थान, गुजरात में हीटवेव का अलर्ट है। कर्नाटक, केरल, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश का अलर्ट है।

बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी में धूमधाम से मनाया गया श्रमिक दिवस

प्रयागराज। बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी में श्रमिक दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर डॉ. शमिता ने कर्मचारियों को उपहार और वस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें देखकर उपस्थित सभी कर्मचारी भावविभोर हो गए और कई की आंखों से आंसू छलक पड़े। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों की कड़ी मेहनत और उनके योगदान को सम्मान देना था।प्रधानाचार्या सिस्टर डॉ. शमिता ने अपने प्रेरणादायक भाषण में कहा कि किसी भी संस्था या कार्यस्थल की नींव उसके श्रमिक ही होते हैं, और हमें सदैव उनका सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रीति मिश्रा और टेरेसा सिंह ने किया। खेल प्रतियोगिताओं का सफल संचालन दीपक कुमार और मोहम्मद साबिर द्वारा किया गया। उपहार वितरण की जिम्मेदारी सुनील गुप्ता और अतिभा वर्मा ने निभाई। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्या सिस्टर ग्रेसी, शिक्षिका सिध्यानिका सिंह, पूनम सिंह, बिपिन गुप्ता, जॉनसन समेत समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

युपी रोजगार मेला 2025 लिस्ट,14 मई तक यूपी में लग रहे हैं बंपर रोजगार मेले

प्रयागराज। मई शुरू हो गया है, लेकिन अगर अभी तक आपकी नौकरी की तलाश खत्म नहीं हुई है, तो आपके लिए बढ़िया खबर है। उत्तर प्रदेश में 14 मई तक प्रयागराज, आजमगढ़, वाराणसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा समेत विभिन्न जगहों पर जॉब फेयर लगेंगे। आप इनमें निर्धारित तारीख और समय के मुताबिक पहुंचकर शामिल हो सकते हैं। रोजगार संगम की आधिकारिक वेबसाइट rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी किए जा सकते हैं।1 मई को लखनऊ में रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। यहां सिक्योरिटी गार्ड सिक्योरिटी सुपरवाइजर के 500 पदों के लिए अभ्यर्थियों को चयनित किया जाएगा। लोकेशन ब्लॉक ऑफिसर, चिनहट लखनऊ है। 2 मई को अलीगढ़ में भी जॉब फेयर लगेगा। 18 से 30 वर्ष तक के अभ्यर्थी इसमें शामिल हो सकते हैं। वेन्यू एसएसएलडी वार्णोय, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मोहकम, बाबा, पनेठी, एटा रोड, अलीगढ़ है।यूपी के आगरा में 5 मई को क्षेत्रीय कार्यालय ऑफिसर साई का टकिया, क्रॉसिंग एम.जी रोड आगरा में जॉब फेयर लगेगा। इसमें जॉब फेयर में उम्मीदवार बिल्कुल निशुल्क भाग सकते हैं। एज लिमिट 18 से अधिकतम 28-35 वर्ष तक है। चयनित उम्मीदवारों को 6,000 से 14000 रुपये सैलरी मिलेगी।यूपी के प्रयागराज में भी 6 मई को जॉब फेयर आयोजित किया जाएगा।अभ्यर्थी सेल्स ऑफिसर मार्केटिंग ऑफिसर के पद पर नौकरी के लिए इस मेले में शामिल हो सकते हैं। वेतन 15,500 रुपये प्रति माह तक होगा।

कैबिनेट मंत्री नंदी की अध्यक्षता में उद्यमियों की समस्याओं के समाधान हेतु समाधान दिवस का किया गया आयोजन

नई दिल्ली। कैबिनेट मंत्री ने उद्यमियों की समस्याओं को सुनकर शीघ्रता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराये

जाने के निर्देश दिए, कैबिनेट मंत्री के कर-कमलों के द्वारा निदेशक बिसलेरी को बोतल प्लान्ट की स्थापना हेतु 12.96 एकड़ भूमि का आवंटन पत्र सहित अन्य उद्यमियों को भी स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये.निवेश मित्र पोर्टल को उद्यमियों के लिए और सहज व सरल बनाने के दिए निर्देश। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए मिल रहा अनुकूल माहौल-मंत्री मंत्री औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, उत्तर प्रदेश नन्द गोपाल गुप्ता नंदी की अध्यक्षता में उद्यमियों की समस्याओं के समाधान हेतु समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ केबिनेट मंत्री के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।केबिनेट मंत्री ने समाधान दिवस में आए एक-एक उद्यमियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का उद्यमियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि हम पूरी तरह आपके लिए तत्पर हैं, हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि आपकी समस्याओं का शीघ्रता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होगा। समाधान दिवस में औद्योगिक क्षेत्र नैनी के सरस्वती हाईटेक सिटी में बिसलेरी बोतल प्लान्ट की स्थापना हेतु 12.96 एकड़ भूमि का आवंटन पत्र केबिनेट मंत्री के कर-कमलों से निदेशक बिसलेरी को प्रदान किया गया है, जिसकी लागत लगभग 270 करोड़ रूपये है और प्लांट के क्रियाशील हो जाने पर लगभग 450 लोगो को रोजगार प्राप्त होगा। इसी क्रम में मा0 मंत्री जी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ जनपद बांदा के भूखण्ड सं0 बी-4 ममता गुप्ता, ई-15 रिन्कू गुप्ता, ई-19 मनोज कुमार एवं ई-20 राम कृपाल सिंह की ईकाईयों को उत्पादन प्रमाण पत्र निर्गत, औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ जनपद बांदा के भूखण्ड सं0 डी-8 अमित कुमार

एवं एफ-12 सौम्या पाण्डेय के भूखण्डों का कब्जा प्रमाण पत्र निर्गत, औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ जनपद बांदा के भूखण्ड सं0 डी-9 मेसर्स गीतांक इण्डिया वेन्चर्स, डी-17 विनोद कुमार त्रिपाठी, डी-18 विनोद कुमार त्रिपाठी एवं जी-2 रतन गोपाल गुप्ता के भूखण्डों को लीजडीह निष्पादित किया गया है। इसी क्रम में समाधान दिवस में सरस्वती हाईटेक सिटी परियोजना नैनी, प्रयागराज के आवासीय भूखण्ड संख्या बी-526 अजित कुमार सिंह, बी-631 प्रीति सिंह एवं सी-222 कृष्ण बिहारी तथा औद्योगिक क्षेत्र नैनी के जी-2 मेसर्स सेन्ट परसेन्ट फूड प्रोडक्टस प्रा0लि0 का भवन मानचित्र स्वीकृत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों को सम्बोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना, संवाद स्थापित करना और नीति सुधारों की दिशा में उद्योगों की सहभागिता को मजबूत बनाना है। मंत्री ने उद्यमियों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं एवं मांगों का समाधान सुनिश्चित कराया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को उद्यमियों से सम्बंधित प्रकरणों में शीघ्रता के साथ कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश में उद्योगों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास एवं प्रदेश की आर्थिक उन्नति के लिए पूर्ण रूप से उद्यमियों के साथ है। उद्योगों एवं औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में किसी भी स्तर पर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि जिस भी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही की शिकायत आएगी, उसके खिलाफ त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की जाएगी। उद्यमियों ने केबिनेट मंत्री को बताया कि निवेश पोर्टल पर कई विषयों की विस्तृत जानकारी नहीं दी जाती है, जिसकी वजह से उद्यमी जो भी भुगतान कर रहे हैं, उसके पूरे मद की जानकारी उन्हें नहीं हो पाती है, जिस पर मंत्री नंदी ने निवेश पोर्टल पर विस्तृत जानकारी अपडेट किए जाने और निवेश मित्र पोर्टल को उद्यमियों के लिए और सहज व सरल बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी चर्चित गौड़, प्रधान महाप्रबन्धक अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव त्यागी, निदेशक बिसलेरी वनकटा श्रीधर, प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र मनीष कुमार लाखा, अध्यक्ष पूर्वी उत्तर प्रदेश चेम्बर आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री विनय कुमार टण्डन, अध्यक्ष नैनी औद्योगिक संगठन राजीव नैय्यर, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक संगठन अरविंद राय, अध्यक्ष लघु उद्योग संजय जैन, अध्यक्ष चैम्बर कॉमर्स विनय टण्डन, चैम्बर आफ कामर्स इण्डस्ट्रीज नैनी मोहित नैय्यर सहित बड़ी संख्या उद्यमीगण व अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

प्रयागराज डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन,विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन प्रयागराज द्वारा 26 और

27 अप्रैल 2025 को मेजर रणजीत सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, के.पी. कम्युनिटी सेंटर, जॉर्ज टाउन, प्रयागराज में डिस्ट्रिक्ट क्लासिकल चेस टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन में जिले भर के युवा और वरिष्ठ शतरंज खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैचों का आयोजन नवीनतम फिडे शतरंज नियमों के अनुसार स्विस प्रणाली के तहत किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह 27 अप्रैल को आयोजित किया गया, जिसमें श्री आर.पी. केसरीवानी, प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अध्यक्ष, आर्य वैदिक धर्म सभा ने विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए। श्री कुँवर पंकज, अपर जिला अधिकारी, प्रयागराज ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए युवाओं को प्रेरणादायक शब्दों से संबोधित किया। इस आयोजन का सफल समन्वय श्री एन.डी. सिंह, सचिव, डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन प्रयागराज, तथा श्री रोहित केसरीवानी, आयोजन सचिव के नेतृत्व में, पूरे संघ की मजबूत टीम के सहयोग से किया गया।क्लासिकल चेस टूर्नामेंट परिणाम इस प्रकार अंडर-11 बालक वर्ग अक्षय कुमार,अयांश शुक्ला, सात्विक आनंद, अंडर-15 बालिका वर्ग ऋद्धिशा राज, ओषिका,अंजलि मिश्रा, अंडर-15 बालक वर्ग याकूब हुसैन, हसन जावेद, ओजस आनंद, ओपन श्रेणी में सात्विक श्रीवास्तव, प्रिया यादव,दैविक कुमार, ओम वर्मा,यशार्थ, आदित्य कांत ओझा, दिनेश सिन्हा, ज़ैन अब्दुल्ला, उस्मान सिद्दीकी,शुभ वर्मा, डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन सभी खिलाड़ियों, अभिभावकों और अधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त करता है, जिनकी सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन भव्य सफलता प्राप्त कर सका। संघ भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रयागराज में शतरंज को बढ़ावा देने के लिए तत्पर रहेगा।

ग्रामीणों को अब पेयजल के लिए नहीं भटकना होगा, सरकार सभी वर्गों का कर रही विकास पेयजल की समस्या कर रहे दूर

सोनभद्र। सदर विकास खंड ग्राम

पंचायत हरहुआ तालाब पर ब्लॉक द्वारा वाटर पंप की स्थापना का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा क्षेत्रीय अध्यक्ष और सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत थे। लोकार्पण के पश्चात ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने कहा कि इस वाटर पंप की स्थापना से ग्राम पंचायत के निवासियों को पानी की समस्या से निजात मिलेगी। इस तरह की परियोजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की सुविधा प्रदान करने के लिए शुरू की गई हैं। इस परियोजना के पूरा होने से ग्रामीणों को घर बैठे स्वच्छ पेयजल मिलेगा, जिससे उनकी पानी की समस्या दूर होगी और स्वास्थ्य में सुधार होगा। ब्लाक प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह की परियोजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। डबल इंजन की सरकार भी तेजी से ग्रामीण क्षेत्रों का विकास कर रही है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने वाटर पंप की स्थापना के लिए ब्लॉक प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि यह परियोजना ग्राम पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करेगी।लोकार्पण कार्यक्रम में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरुण सिंह, राजेश मुखर, सिद्धनाथ मिश्रा, अरुण कुमार, आदित्य कुमार, छोटेलाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके अलावा ठेकेदार राजन गुप्ता और पूजा करने वाले सिद्धनाथ मिश्रा , प्रिंस पटेल ,सोनी खान, आलोक रावत, मनोज कनौजिया और गप्पू जायसवाल भी मौजूद थे।

आधे दर्जन घरों में हाई बोल्टेज से समस्त चालू विद्युत उपकरण जला, किसानों ने अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण खण्ड दिया पत्र

सोनभद्र। सदर तहसील क्षेत्र में बीते दो दिन पूर्व एल.टी. लाईन में हाई बोल्टेज आने से आधे दर्जन घरों के विद्युत उपकरण जला वही पीड़ितों ने संबंधित मामले में अधिशासी अभियंता को पत्र देकर कराया अवगत।किसान मदन मोहन मिश्रा दयाशंकर चुन्नीलाल सहित और लोगों ने बताया कि प्रार्थी उपरोक्त नाम व पते का निवासी है। प्रार्थी का कनेक्शन का प्रार्थी कनेक्शनधारी है। प्रार्थी का कनेक्शन स्वीकृत है। पिछले 27.04.2025 को समय शाम को 7.00 बजे से 8.00 बजे के मध्य प्रार्थी के घर में हाईवोल्टेज प्रवाहित हो गया जिसके चलते प्रार्थी के घर में लगे विद्युत उपकरण टी.वी. सी.सी.टी.वी.कैमरा, डी.बी.आर,पंखा, कूलर व ट्यूबलाईट और अन्य बहुत से उपकरण जल कर नष्ट हो गया, जिसमें प्रार्थी की लगभग 60 से 70 हजार रुपये की क्षति हो गयी। प्रार्थी के अलावा प्रार्थी के मोहल्ले में अन्य कई लोगो के घरो मे भी इसी तरह की क्षति हो गयी है। जिसकी भरपाई विद्युत विभाग द्वारा क्षतिपूर्ति किये जाने हेतु विद्युत कर्मचारी/अहलकारानो को उचित आदेश दिया जाना न्यायहित में आवश्यक है।वह उपभोक्ताओ ने बताया कि प्रार्थी के घर के उपरोक्त सभी सामानों की क्षतिपूर्ति कराये जाने हेतु विद्युत विभाग के अहलकारानो से दिलाये जाने हेतु उचित आदेश देने की कृपा करें।

एशियन योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के मंच से जिले के आयोजक हुए सम्मानित

देव मणि शुक्ल नोएडा। द्वितीय एशियन योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के आयोजन में अहम

योगदान देने के लिए गौतमबुद्ध योगासन एसोसिएशन की टीम को इंदिरा गांधी स्टेडियम दिल्ली में सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल ने आयोजन स्थल प्रमुख अमित सिंह को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस चैंपियनशिप में विभिन्न देशों के योगासन खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया और योग के विभिन्न आसनों की प्रदर्शनी प्रस्तुत की। अमित सिंह को यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और आयोजन के दौरान दी गई नेतृत्व क्षमता के लिए दिया गया। उन्होंने चैंपियनशिप के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सुनिश्चित किया कि सभी प्रतियोगिताएं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हों। उनके नेतृत्व में आयोजन स्थल पर सुरक्षा, व्यवस्थाओं और प्रतिभागियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा गया, जिससे आयोजन में भाग लेने वाले सभी एथलीटों और दर्शकों को शानदार अनुभव मिला। इसके अलावा बेहतर सामंजस्य बैठाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने के लिए अमर चौहान और सपोर्टिंग स्टाफ के रूप में चंद्रमणि शर्मा को वर्ल्ड योगासन एसोसिएशन के महासचिव डॉक्टर जयदीप आर्य ने पुरस्कृत किया इस अवसर पर रामलाल ने कहा कि योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और योग की दुनिया भर में प्रभावशाली पहचान भी स्थापित करती है। उन्होंने आयोजकों और सभी प्रतिभागियों की सराहना की और भविष्य में ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन के महत्व पर बल दिया। अमित सिंह को यह सम्मान मिलना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है, और उन्होंने भविष्य में और बेहतर आयोजन में सक्रियता निभाने का भरोसा आयोजकों को दिया।

छात्रों ने देश के प्रति 'मौलिक कर्तव्य' पर पक्ष-विपक्ष पर की चर्चा

सोनभद्र।'प्रकाश जीनियस

पब्लिक इंग्लिश स्कूल' में मंगलवार को वर्तमान समय की राजनैतिक परिदृश्य को देखते हुए हर भारतीयों का अपने देश के प्रति 'मौलिक कर्तव्य' पर पक्ष-विपक्ष का विचार प्रस्तुत करने के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के 'रानी लक्ष्मीबाई हाउस', 'शिवाजी हाउस', 'टैगोर हाउस' के छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिए और अपने-अपने विचारों को प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में शिवाजी हाउस के छात्र-छात्रा विजेता रहें, जिसमें 'पूर्विका, पीहू, विनायक श्रीवास्तव, आर बी जैन'आदि थे। इन छात्र-छात्राओं ने तर्क देते हुए अपने विचारों को प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रबंधक 'राजेंद्र प्रसाद जैन' ने वाद-विवाद प्रतियोगिता की काफी सराहना की और भविष्य में बच्चों को मौलिक कर्तव्य का पालन करने के लिए मंत्र दिए। इस अवसर पर संतोष कुमार पांडे, अंबर उपाध्याय, सुरेंद्र यादव, मनोज दुबे, दीपक श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, आकांक्षा तिवारी आदि शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित रहे।

डायरेक्टर प्रोड्यूसर ऐक्टर डॉ पियाली रॉय का म्युज़िक एल्बम 'मेरे नैना' मुंबई मे हुआ लॉन्च

नोएडा। अरुण वसावद फिल्म्स,

इकोड्रीम्स प्रोडक्शन यूएसए, रॉय टाकीज इंटरटेनमेंट यूएसए द्वारा प्रेजेंट म्युज़िक एल्बम 'मेरे नैना' को मुंबई के व्यंजन बैकवेट हॉल मे भव्य रूप से लॉन्च किया गया। इसकी डायरेक्टर प्रोड्यूसर ऐक्टर और सिंगर डॉ पियाली रॉय हैं। हॉलिवुड बॉलीवुड डायरेक्टर प्रोड्यूसर रीमा कपानी का भी भरपूर सहयोग रहा। यह म्युज़िक वीडियो प्लेनेट 9 प्रोडक्शन चैनल पर रिलीज हुआ है जिसे काफी अच्छा रेस्पांस मिल रहा है। एक दिन में 55 हजार से अधिक लोगों ने देख लिया है और श्रोताओं के बीच यह गीत धूम मचा रहा है। इसकी डायरेक्टर प्रोड्यूसर ऐक्टर डॉ पियाली रॉय ने बहुत मेहनत से यह सांग बनाया है जो दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोर रहा है।इस प्रेस कांफ्रेंस में जो लोग वीडियो कॉल से जुड़े हुए थे उनके नाम हैं प्रीति सिंह, राहुल बजाज, बॉबी जमाल, रश्मि शर्मा, मधु सेठी, राजश्री और सीमा गुप्ता।

निःशुल्क पापकार्न मशीन प्राप्त करने के लिए करें आवेदन

रायबरेली। जिला ग्रामोउद्योग अधिकारी संतोष कुमार गौतम ने बताया है कि विभाग द्वारा भुर्जी समाज के कारीगरों हेतु पापकार्न मेकिंग का वित्तीय वर्ष 2025-26 में निःशुल्क वितरण किया जाना है, मशीनों के वितरण हेतु परामपरागत कारीगरों, स्वरोजगार में रुचि रखने वाले कारीगरों को विभाग द्वारा पूर्व में गठित चयन समिति के माध्यम से चयन किया जायेगा। इस योजनान्तर्गत भुर्जी समाज के पापकार्न बनाने वाले कारीगर उद्योग में रुचि रखने वाले ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र 15 मई 2025 तक बोर्ड की वेबसाइट https://UPKVIB.GOV.IN की आनलाईन सेवाओ के अन्तर्गत 'आनलाईन टूल्स-किट्स एवं आवंटन' पर आनलाईन कर सकते है, अथवा जिला ग्रामोघोग कार्यालय पुरानी तहसील रायबरेली में आकर जमा कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के मो0-7408410810 एवं आनन्द कुमार कनिष्ठ सहायक के मो0-8318013131 पर सम्पर्क कर सकते है।

माता के जागरण में झूमे भक्त, हुआ भव्य आयोजन

देवी जागरण का हुआ भव्य आयोजन, माता के भक्तिमय भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

सोनभद्र। लोकमंगल कामनाओं के लिए सोमवार की देर रात्रि समाज

को मंत्रमुग्ध कर दिया।वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ यजमान राजकुमार अग्रवाल पत्नी रोशनी अग्रवाल द्वारा विधि विधान के साथ पूजन अर्चन कर किया। इसके बाद मंच संचालन कर रहे सुरज गुप्ता ने गणेश वंदना के गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद गायकों ने हनुमान भजन मैं रंग लिया तन मन लाल लाल श्री राम के लिएष्ठचलो बुलावा आया है माता रानी ने बुलाया है, ,आ मां आ तुझे दिल ने पुकारा एवं मां मुरादे मां भवानी की दिव्य आरती के साथ माता का जागरण संपन्न हुआ।इस अवसर पर मुख्य रूप से इंद्रदेव सिंह, अजीत सिंह भंडारी, रविंद्र केसरी, सुशील पाठक, अशोक गुप्ता, घनश्याम सिंघल, पवन जैन, श्रीकांत दुबे, शिशु तिवारी, सुनील श्रीवास्तव, अमित, सुमित, नमित, रोहन, शानू, रिंकू, वैशाली, सीमा, नेहा, कुहू सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

महिला कॉंग्रेस ने ऊषा चौबे को राष्ट्रीय पर्यवेक्षक किया नियुक्त बिहार प्रदेश के नालंदा जिले की मिली जिम्मेदारी

सोनभद्र।अखिल भारतीय महिला कॉंग्रेस ने ऊषा चौबे को राष्ट्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, उन्हें बिहार प्रदेश के नालंदा जिले की कमान सौपी गई है बताते चले की ऊषा

चौबे इसके पहले उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस सेवा दल मे प्रदेश महासचिव, शहर कॉंग्रेस मे सचिव, सहित कई पदो पर रहते हुए कार्य कर चुकी है महिला की बात कॉंग्रेस के साथ अभियान की शुरूवात की जाएगी, जिसमें महिलाओं से महंगाई, दवाई, कमाई, पढ़ाई, सुरक्षा और पलायन के मुद्दे पर महिलाओं के साथ चर्चा की जाएंगी हर विधानसभा और ब्लाकों मे छोटी छोटी बैठके कराई जाएंगी और संगठनात्मक मजबूती के साथ ही बिहार चुनाव मे भी कॉंग्रेस पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी, इसको लेकर पार्टी हाईकमान ने संगठन के साथ साथ महिलाओं से संवाद के जरिये उनसे जुड़ने को लेकर रोडमैप तैयार कर चुकी है श्री चौबे ने कहा की महिला कॉंग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा, बिहार प्रभारी प्रीति उपाध्याय, यूपी महिला कॉंग्रेस अध्यक्ष शहला अहरारी की तरफ से जो जिम्मेदारी सौपी गई है उसे बखूबी निभाऊगी। उनके इस मनोनयन से कॉंग्रेस जनों से खुसी जाहिर की है और उन्हें बधाईयाँ दी है।

आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा ने निकाला जुलूस किया प्रदर्शन

सोनभद्र। आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश के आवाहन पर, गुरुवार को आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा कर्मचारी संघ जो संयुक्त मोर्चे का प्रमुख घटक है जिले पर लोडी से पैदल मार्च करते हुए अपनी वर्षों से लम्बित बेहद जायज मांगों को लेकर जिला / ब्लॉक अध्यक्ष प्रतिमा के नेतृत्व में आँगनबाड़ी कर्मचारीयों ने एजुकेटर भर्ती, ऑनलाइन काम के विरोध मे तथा वर्षों से लंबित मांगों के लिए धरना प्रदर्शन कर जिलाधिकारी/ उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सोपा वहीं संगठन की जिला/ब्लॉक अध्यक्ष प्रतिमान ने कहा कि में प्रदेश सरकार का ध्यान दिनों दिन बढ़ती मंहगाई में आर्थिक दुर्दशा, जीवन-यापन में मुश्किल, बिना पेंशन रिटायरमेंट की बदहाली तथा बिना पर्याप्त व जरूरी संसाधनों के आंगनबाड़ी सेण्टरों में गैरजरूरी डिजीटल कार्य जबरन थोपे जाने की लाचारी व मानसिक तनाव की ओर ध्यान दिलाना चाहती हूं।जनहित की अति महत्वपूर्ण समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस) की आँगनबाड़ी कर्मचारी रीढ़ तथा मूल जमीनी कार्यकर्ता है, इसको शुरू हुए इस वर्ष 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं।वही सरकारी क्षेत्र में सरकार द्वारा नियुक्त होने, सभी कार्य सरकारी करने, सेवा भी बारहमासी, चिरस्थाई अर्थात बिना ब्रेक केन्द्र व राज्य दोनों सरकारों की सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करने के बाद भी केन्द्र तथा राज्यों की सरकारें आँगनबाड़ी कर्मचारियों को अपना स्थाई सरकारी कर्मचारी नहीं मानती। वे दोनों मिलकर कुछ चंद रुपये 'मानदेय' के रूप में देकर उन्हें 'स्वैच्छिक कार्यकर्ता का तमगा देती है। उन्हें न्यूनतम वेतन तो दूर एक कुशल मजदूर का वेतन भी नहीं दिया जाता।खेद का विषय है कि सुप्रीम कोर्ट के उन्हें ग्रेच्युटी का तथा माननीय गुजरात हाई कोर्ट के सरकारी कार्मिक के दर्जे के हकदार होने के आदेश को भी सरकार नहीं मान रही। इस महत्वपूर्ण विभाग में चपरासी से लेकर निदेशक तक सभी सरकारी है सिर्फ योजना की ये जमीनी व मूल कार्य-कर्ता अर्थात आंगनबाड़ी कर्मचारी ही बंधुआ मजदूरों जैसी गुलामों की तरह नारकीय स्थितियों में कार्य करने को मजबूर हैं। खेद का विषय है कि आंगनबाड़ी कर्मचारियो की सेवा शर्तो, मानदेय में सुधार करने की बजाय प्रदेश सरकार आउट सोर्सिंग से संविदा पर 'एजुकेटर' नियुक्त करने घर आमादा है जो वास्तव में इस योजन के निजीकरण की शुरुवात तथा आँगनबाडी की मूल सेवाओं में से प्रमुख 3-6 वर्ष के बच्चों की स्कूल पूर्व शिक्षा के उनके महत्वपूर्ण कार्य का घोर अतिक्रमण है।वहीं संगठन की सचिव ने कहा कि यह स्थिति बेहद निराशाजनक व अन्याय पूर्ण है। दुःख का विषय है कि जिन महिला कर्मचारियों ने बहुत ही विपरीत सामाजिक परिस्थितियों व कठिनाइयों का सामना करते हुऐ अपने जीवन के 30-40 वर्ष, समाज के सबसे कमजोर, गरीब, शोषित-पीड़ित, वंचित तबके की गर्भवती-धात्री महिलाओं बच्चों की सेवा में व्यतीत किये, देश-प्रदेश को पोलियो मुक्त किया, कोरोना महामारी में जीवन जोखिम में डालकर गरीब-बीमार लोगों की सेवा कर फ्रंट लाइन वर्कर का तमगा पाया, उन्हें आज उत्तर प्रदेश जिसे अब 'राम राज्य' कहा जाता है, में बिना कोई फंड, पेंशन, एक मुश्त धनराशि आँखों में आंसू -लिये विदा किया जा रहा है।

तिरंगे की शान में कोई भी बलिदान देने को तैयार अधिवक्ता समाज, संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधान मंत्री को लिखा पत्र

सोनभद्र। तिरंगे की शान में देश

का अधिवक्ता कोई भी बलिदान देने को हर क्षण तैयार है। माननीय प्रधान मंत्री आप जब चाहें इसके लिए अधिवक्ता समाज का आह्वान कर सकते हैं उक्त बातें संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने प्रधान मंत्री मोदी को भेजे गए पत्र लिखा है। श्री मिश्र ने मोदी जी को भेजे गए पत्र में लिखा है कि आजादी की लड़ाई में भी देश को आजाद कराने में अधिवक्ताओं ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था और आज भी जरूरत पड़ने पर भारत का एक एक अधिवक्ता देश की अस्मिता और देश की सुरक्षा के लिए अपना बलिदान देने को तैयार हैं। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा है कि आपसे अनुरोध है कि आप जब चाहें अधिवक्ता समाज का आह्वान करे और अधिवक्ताओं को हथियार चलाने की और युद्ध कौशल की ट्रेनिंग देकर भारत के दुश्मनों से दो दो हाथ करने के लिए अधिवक्ताओं को देश के सरहद पर भेज सकते हैं। माननीय प्रधान मंत्री आप भारत के दुश्मनों को इस बार ऐसा सबक सिखाएं कि उसकी आने वाली पीढ़ियां सदियों तक इसे याद रखे और फिर कभी दुबारा भारत पर किसी भी प्रकार का हमला करने से पहले हजार बार सोचे और इसके लिए आपके साथ देश का हर अधिवक्ता हंसते हंसते देश पर बलिदान होने को तैयार है ये में आपको आश्वस्त करता हूं। श्री मिश्र ने प्रधान मंत्री को लिखे पत्र की प्रतिलिपि देश के माननीय गृह मंत्री अमित शाह एवम माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी भेजा है।

जयंत चौधरी ने पूर्वांचल में खेला बड़ा दांवःश्रीकांत त्रिपाठी, श्रीकांत त्रिपाठी को राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र की दी कमान

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव

लड़कर केन्द्र सरकार में स्थान बनाने के बाद राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी उत्तर प्रदेश में मजबूत संगठनात्मक ढांचा तैयार करने में लग गए हैं।उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने पत्र जारी कर बताया कि राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र का जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी को मनोनीत किया गया है। बता दें कि पिछले तीन दशक से सोनभद्र सहित पूर्वांचल क्षेत्र के जनपदों में पूर्वांचल नव निर्माण मंच एवं पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के माध्यम से श्रीकांत त्रिपाठी किसानों और कामगारों की आवाज बुलंद करते आये हैं। साल 1995 में अपनी ग्राम पंचायत से बीडीसी निर्वाचित होने के बाद श्रीकांत त्रिपाठी ने बीडीसी एसोसिएशन की स्थापना करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा आंदोलन कर तत्कालीन भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल कसने और भ्रष्ट अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई करवाने को लेकर चर्चा में आये थे। तब से लेकर अब तक विभिन्न सामाजिक संगठनों में रहकर सामाजिक सरोकार जनहित की बात करते हैं।राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ0 जयंत सिंह का यह पूर्वांचल में पार्टी विस्तार के लिए बड़ा दांव माना जा रहा है। सोनभद्र में लोकदल के कार्यकर्ताओं में श्रीकांत त्रिपाठी को जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर खुशी का माहौल है। मिडिया प्रभारी विकास पाण्डेय ने बताया कि दो मई को नव नियुक्त जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी के लखनऊ से सोनभद्र प्रथम आगमन पर सोनभद्र की सीमा में भव्य स्वागत की तैयारी में लोकदल एवं पूर्वांचल नव निर्माण मंच के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के नेता गिरीश पाण्डेय ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी को फोन पर बात कर बधाई दी। गिरीश पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल श्रीकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में मजबूत तो होगा ही, सोनभद्र सहित पूर्वांचल के जनपदों के किसान कामगारों की आवाज लग्न और दिल्ली में श्रीकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में गुंजेगी।

अध्यक्ष ने प्रतिबंन्धित पॉलिथीन का उपयोग न करने को दिलाई शपथ

सोनभद्र। शासन के निर्देशानुसार प्रतिबंन्धित पॉलिथीन का उपयोग पूर्णत्या प्रतिबन्धित कर दिया गया है जिसके कम में गुरुवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिसद सोनभद्र द्वारा मेरा प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी अभियान के अन्तर्गत नागरिको व नगर पालिका के सदस्यगण को झोला वितरण का कार्यकम नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सभाकक्ष में किया गया।उक्त अवसर पर अध्यक्ष द्वारा उपस्थित लोगों से अपील की गयी कि प्रतिबंन्धित पॉलिथीन का उपयोग न करे यह हमारे स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए नुकसान देय है।उक्त कार्यक्रम में सदस्यगण मनोज चौबे, राकेश कुमार, भैयालाल, विरेन्द्र सिंह, अशोक कुमार हीरावती देवी व नजबुन निशा अजीत सिंह ,सुजीत, विमलेश,संत सोनी कर्मचारी उपस्थित रहे।

साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र द्वारा जय ज्योति इण्टर मीटिएट कॉलेज चुर्क में आयोजित की गयी, साइबर जागरूकता कार्यशाला

सोनभद्र। पुलिस महानिरीक्षक कानून/ व्यवस्था, उ0प्र0 के पत्र के अनुपालन में तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र,श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में साइबर अपराध के प्रति चलाये जा रहे विशेष जागरूकता अभियान के तहत आज दिनांक 29.04.2025 को प्रभारी साइबर क्राइम पुलिस थाना निरीक्षक सदानन्द राय मय टीम उ0नि0 मनोज कुमार सिंह, का0आ0 विकास मौर्या, का0 अखिलेश कुमार, का0 जीतेन्द्र कुमार, का0 शैलेश विक्रम, म0का0 लक्ष्मी सिंह साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र द्वारा जय ज्योति इण्टर मीडिएट कालेज चुर्क स्थित समस्त स्टाफ, छात्राएं एवं अन्य सदस्यगण के मध्य साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में कालेज के अध्यापक एवं अन्य स्टाफ के साथ-साथ कालेज के छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। प्रभारी साइबर क्राइम पुलिस थाना द्वारा साइबर अपराध व इनसे बचाव के तरीको पर विस्तृत चर्चा किया गया। का0आ0 विकास मौर्या द्वारा मोबाइल चोरी की शिकायत दर्ज करने, साइबर अपराध की वित्तीय शिकायत एवं सोशल शिकायत दर्ज करने एवं

साइबर अपराध के शिकार न होने के तरीकों पर विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। वही का0 जीतेन्द्र कुमार तथा का0 शैलेश विक्रम द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, व्हास्टअप, इंस्टाग्राम आदि पर होने वाले साइबर अपराध के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। म0का0 लक्ष्मी सिंह तथा का0 अखिलेश कुमार द्वारा अज्ञात विडियो कॉल के द्वारा साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, सेक्सट्राॅर्शन जैसे अन्य गंभीर साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। साथ ही साथ साइबर अपराध सम्बन्धी शिकायतों के लिये हेल्पलाइन नं0-1930 अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करने के बारे में बताया गया।

बाल गृह बालिका में दी जाने वाली सुविधाओं का लिये जायजा,बाल गृह बालिका में शासन द्वारा निर्धारित सभी सुविधाएं करायी जाये उपलब्ध-जिलाधिकारी

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0

सिंह ने आज बाल गृह बालिका राबर्ट्सगंज का औचक निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बाल गृह बालिका में आवासित बालिकाओं से सीधा संवाद कर संस्था द्वारा द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिये, इस दौरान जिलाधिकारी ने संस्था अधीक्षिका को निर्देशित करते हुए कहा कि संस्था में आवासित बालिकाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित कराया जाये और निर्धारित मीनू के अनुसार उन्हें नाश्ता, भोजन उपलब्ध कराया जाये, आवासित बालिकाओं की काउंसिलिंग भी समय-समय पर की जाये, जो बालिका घर जाने के इच्छुक हैं, उन्हें बाल कल्याण समिति के माध्यम से नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए अभिभावक से संवाद कर उन्हें घर भेजने की कार्यवाही भी की जाये, संरक्षण अधिकारी द्वारा नियमित रूप से बाल गृह बालिका केन्द्र का निरीक्षण किया जाये और उससे सम्बन्धित रिपोर्ट प्रेषित किया जाये, इस दौरान जिलाधिकारी ने बालिका केन्द्र के उपस्थिति पंजिका का भी निरीक्षण किये, निरीक्षण में काउंसलर रीना सिंह, अनुपस्थित थे, जिनका स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये गये। इस मौके पर प्रोबेशन अधिकारी श्रीमती इन्द्रावती देवी, जिला दिव्यांगजन एवं सशक्तिकरण अधिकारी सुश्री विद्या देवी, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, बाल गृह बालिक के अधीक्षिका श्रीमती नीलम सिंह, बाल कल्याण अधिकारी रिन्कू यादव, अर्थ चिकित्सक श्रीमती कविता चतुर्वेदी भी मौके पर उपस्थित रहें।

कैंप लगाकर 80 प्रतिशत लोकल बेरोजगारों की हो भर्ती: रोशन लाल यादव, कलेक्ट्रेट पहुंच सोसंवा कार्यकर्ताओं ने तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम न्यायिक को सौंपा

सोनभद्र। सोनांचल संघर्ष वाहिनी(सोसंवा) कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर एनसीएल खड़िया कोयला परियोजना में काम कर रही निजी कंपनी कलिंगा के विरुद्ध तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम न्यायिक रमेश चंद्र यादव को सौंपा। सोनांचल संघर्ष वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रोशन लाल यादव ने कहा कि भर्ती के नाम पर धड़ल्ले से वेरोजगार युवाओं का दोहन किया जा रहा है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए चाहे जितना बड़ा आंदोलन क्यों न करना पड़े किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निजी कंपनी में एक हजार के ऊपर संविदा हेलफर और ड्राइवरों की भर्ती में संगठित संरक्षण प्राप्त तथा कथित गिरोह के द्वारा यहां के विस्थापित, प्रभावित और लोकल बेरोजगारों की भर्ती के नाम पर धड़ल्ले से युवाओं का दोहन किया जा रहा है। भर्ती घोटाले की जांच हो और संगठित गिरोह द्वारा अभी तक कराई गई भर्ती को निरस्त कर भर्ती की स्पष्ट गाइड लाइन बनाकर तीन दिन

खुला कैंप लगाकर एक हजार में 80प्रतिशत विस्थापित, प्रभावित और लोकल बेरोजगारों की भर्ती सुनिश्चित की जाए, अन्यथा अब यह आंदोलन जल्द उर्जांचल जन आंदोलन के रूप में बदल जाएगा। श्री यादव ने एनआईटी के समझौते के आधार पर एनसीएल मुख्यालय सिंगरौली के चीफ जनरल मैनेजर द्वारा 10 जुलाई 2006 को स्पष्ट आदेश पारित किया गया है कि संविदा की समस्त भर्ती की 80 प्रतिशत विस्थापित, प्रभावित व लोकल बेरोजगारों की ही भर्ती सुनिश्चित हो। बावजूद इसके आदेश की अनदेखी कर चंद संगठित लोगों व एनसीएल खड़िया प्रबंधन की मिलीभगत से बाहरी लोगों की भर्ती सुविधा शुल्क लेकर बेरोकटोक की जा रही है। कहा कि अगर की भर्ती को निरस्त कर मामले की जांच कराई जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी और उर्जांचल में बेरोजगारों की भर्ती का खेल खेल रहे संगठित लोग जल्द बेनकाब होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से सोसंवा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण मोहन यादव, राष्ट्रीय महासचिव पुष्पेंद्र चौधरी, रामचंद्र सिंह,सत्यप्रकाश यादव,अरुण कुमार सोनू,रामकेश पाल,फिरोज खान,सलमान खान, अन्नू खान, बब्बू खान, वीरेंद्र कुमार, दीपक कुमार गिरी, संतोष सोनी आदि शामिल रहे।

पेगासस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकारःकहा- देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी जानकारी सड़क पर चर्चा के लिए नहीं

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मंगलवार को कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा। बेंच ने कहा- व्यक्तिगत आशंकाओं का समाधान किया जा सकता है, लेकिन टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सड़कों पर चर्चा के लिए नहीं हो सकती। इस बात की जांच करनी होगी कि जानकारी किस हद तक साझा की जा सकती है। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। 2021 में एक पोर्टल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि केंद्र सरकार ने 2017 से 2019 के दौरान करीब 300 भारतीयों की पेगासस स्पाइवेयर के जरिए जासूसी की। इनमें पत्रकार, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, विपक्ष के नेता और बिजनेसमैन शामिल थे। अगस्त 2021 में मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने अक्टूबर 2021 में जांच के लिए रिटायर्ड जस्टिस आरवी रवींद्रन की अध्यक्षता में कमेटी बनाई। अगस्त 2022 में इसकी रिपोर्ट आई। इसमें कहा गया कि 29 फोन की जांच की गई, उनमें पेगासस का कोई सबूत नहीं मिला, लेकिन उनमें से 5 में मैलवेयर पाया गया। याचिकाकर्ता के वकील श्याम दीवान ने 22 अप्रैल को मामला सुप्रीम कोर्ट में उठाया था। उन्होंने सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई रिपोर्ट को बिना किसी संशोधन के सार्वजनिक करने के निर्देश देने की मांग की। उन्होंने कहा कि 2021 में बनाए गए टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सभी को देने का निर्देश दिया गया था, लेकिन ऐसी कोई रिपोर्ट शेयर नहीं की गई। पेगासस मामले में पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता की ओर से पेश वकील कपिल

सिब्बल ने कहा कि वॉट्सएप ने खुद ही खुलासा किया है कि हैकिंग हुई थी। उस समय सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ने भी हैकिंग होने के संकेत नहीं दिए थे। यहां तक ??कि एक्सपर्ट्स ने भी ऐसा नहीं कहा था। अब आपके पास वॉट्सएप से मिला सबूत है। हम उसे सार्वजनिक करेंगे। पेगासस जांच रिपोर्ट का संशोधित हिस्सा उन लोगों को मिलना चाहिए, जिनकी जासूसी हुई है। हालांकि केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ स्पाइवेयर का इस्तेमाल करने में कुछ भी गलत नहीं है और उन्हें निजता का अधिकार नहीं दिया जा सकता। भारत ने 2017 में इजराइल से खरीदा था पेगासस भारत सरकार ने 2017 में इजराइली कंपनी ग्रुप से जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस खरीदा था। इस सॉफ्टवेयर को 2 अरब डॉलर (करीब 15 हजार करोड़ रुपए) की डिफेंस डील में खरीदा गया था। इसी डील में भारत ने एक मिसाइल सिस्टम और कुछ हथियार भी खरीदे थे। इस बात का खुलासा अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में किया था। पेगासस सबसे पहले 2016 में सुर्खियों में आया था। यूएई के मानवाधिकार कार्यकर्ता अहमद मंसूर को अनजान नंबर से कई एसएमएस मिले थे, जिसमें कई लिंक भेजी गई थीं। अहमद को जब इन मैसेज को लेकर संदेह हुआ तो उन्होंने साइबर एक्सपर्ट्स से इन मैसेजेस की जांच करवाई। जांच में खुलासा हुआ कि अहमद अगर मैसेज में भेजी लिंक पर क्लिक करते तो उनके फोन में पेगासस डाउनलोड हो जाता। 2 अक्टूबर 2018 को सऊदी अरब के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या हो गई थी। इस हत्याकांड की जांच में भी पेगासस का नाम सामने आया था। जांच एजेंसियों ने शक जताया था कि जमाल खशोगी की हत्या से पहले उनकी जासूसी की गई थी। 2019 में भी पेगासस सुर्खियों में था। तब वॉट्सऐप ने कहा था कि पेगासस के जरिए करीब 1400 पत्रकारों और मानव अधिकार कार्यकर्ताओं के वॉट्सऐप की जानकारी उनके फोन से हैक की गई थी। इस मामले को कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में जोर-शोर से उठाया था और सरकार पर कई आरोप भी लगाए थे। इसके अलावा मैक्सिको सरकार पर भी इस स्पाइवेयर को गैरकानूनी तरीके से इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं। 2021 में दुनियाभर के 17 न्यूज ऑर्गनाइजेशन के एक ग्रुप ने बड़े पैमाने पर डेटा लीक की जांच की और 50,000 फोन नंबरों की एक सूची सामने लेकर आई। इसमें दावा किया गया कि पेगासस सॉफ्टवेयर के जरिए इन नंबरों की जासूसी की गई थी। इसमें 300 से ज्यादा भारतीय फोन नंबर थे। भारत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा, तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी और कई पत्रकार और कार्यकर्ताओं के नाम लिस्ट में शामिल थे। इस खुलासे के बाद विपक्ष ने मोदी सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला था।

क्या केरल में शशि थरूर बनेंगे बीजेपी का सबसे बड़ा चेहरा? पीएम मोदी ने खुलेआम कर दिया 'इजहार'

तिरुवनंतपुरमः कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर केरल में बीजेपी के सबसे

बड़ा चेहरा बनेंगे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल दौरे के दौरान पिछले कुछ घंटों में जो कुछ हुआ है। उसने इस बात की संभावना बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने विझिंजम पोर्ट के उद्घाटन के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी न सिर्फ शशि थरूर का जिक्र किया, बल्कि मंच पर मौजूद 15 लोगों में सिर्फ शशि थरूर से ही हाथ मिलाया। पीएम मोदी जब मंच पर पहुंचे तो सभी ने उनका हाथ जोड़कर अभिवादन किया। थरूर ने भी यही किया लेकिन पीएम मोदी ने उनकी तरफ हाथ बढ़ाया और हाथ मिलने के बाद आगे बढ़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस विझिंजम पोर्ट को उद्घाटन किया उसे गौतम अडानी की कंपनी ने बनाया है। कंपनी ने 5 दिसंबर 2015 को काम शुरू किया था।दिल्ली से केरल पहुंचे थे शशि थरूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि समारोह में इंडिया एलायंस के मजबूत स्तंभ सीएम पिनराई विजयन और शशि थरूर की मौजूदगी से कुछ लोगों की दिक्कत होगी। कांग्रेस का नाम लिए बगैर पीएम ने कहा कि आज का यह इवेंट कई लोगों को नींद हराम कर देगा। उनका इशारा साफ था कि लेफ्ट की इकलौती सरकार के मुखिया उनके कार्यक्रम के मंच पर हैं तो वहीं कांग्रेस सांसद भी साथ में हैं। पिछले काफी समय से शशि थरूर के बीजेपी के नजदीक होने की अटकलें लग रही है। कार्यक्रम में जहां पीएम मोदी ने शशि थरूर को तवज्जो दी तो वहीं इसकी शुरुआत एक दिन पहले खुद कांग्रेस सांसद ने की थी।शशि थरूर ने पीएम के केरल पहुंचने पर तिरुवंतपुरम पहुंचकर उनका स्वागत किया था। शशि थरूर ने लिखा था कि मैं दिल्ली एयरपोर्ट पर लेट हो गया था लेकिन फिर भी तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर समय से पहुंचकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी न सिर्फ शशि थरूर से हाथ मिलाया बल्कि उसी मंच से कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया अलायंस पर भी प्रहार किया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जहां मैसेज जाना था चला गया है। सीएम पिनरई विजयन ने कुछ समझ नहीं पाए तो उन्होंने बगल में बैठे अपने सहयोगी से पूछा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शशि थरूर के बीच गर्मजोशी ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या केरल में थरूर बीजेपी का सबसे बड़ा चेहरा बनेंगे? पिछले लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने केरल में एक सीट जीती थी। यूडीएफ को 18 और एलडीएफ को 1 सीट मिली थी। बीजेपी ने राज्य में अप्रत्याशित तरीके से 19.24 प्रतिशत वोट अर्जित किए थे। केरल में बीजेपी की कमान पूर्व मंत्री राजीव चंद्रशेखर की दी है। दिलचस्प बात यह है कि जब पीएम मोदी ने कार्यक्रम में शशि थरूर से हाथ मिलाया तो उस वक्त पर राजीव चंद्रशेखर भी वहां मौजूद थे। लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने शशि थरूर के खिलाफ राजीव चंद्रशेखर को उतारा था, हालांकि थरूर लगातार चौथी बार जीतने में सफल रहे थे। वह 16 हजार वोटों से चुनाव जीते थे।

खाटू श्याम जी में 'दीया' जैसी फैला गईं रोशनी, डिप्टी सीएम की अब हर तरफ हो रही चर्चा

सीकर। राजस्थान की राजनीति में सादगी और शालीनता का एक प्रेरणादायी उदाहरण पेश करते हुए राज्य की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी गुरुवार देर शाम खाटूश्यामजी मंदिर पहुंचीं। लेकिन यहां उनका अंदाज किसी वीआईपी जैसा नहीं, बल्कि एक आम श्रद्धालु की तरह था। बिना किसी तामझाम के दीया कुमारी ने मंदिर में दर्शन के लिए आम भक्तों के साथ खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया, और फिर श्याम बाबा के दरबार में शीश नवाया।दरअसल, राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने एक ऐसा कदम उठाया जिसने वीआईपी कल्चर को चुनौती दे दी। जहां आमतौर पर बड़े नेता और हस्तियां मंदिरों में विशेष दर्शन का लाभ उठाते हैं, वहीं दीया कुमारी ने खाटूश्याम मंदिर में एक आम श्रद्धालु की तरह दर्शन किए। उनकी इस सहजता और विनम्रता ने लोगों का दिल जीत लिया और सोशल मीडिया पर तारीफों का बाजार गर्म हो गया।इस दृश्य ने न केवल वहां मौजूद श्रद्धालुओं को चौंकाया बल्कि सोशल मीडिया पर भी इस सादगी भरे अंदाज ने लोगों का दिल जीत लिया। अब कई लोग कह रहे हैं कि दर्शन करने हैं तो दीया कुमारी जैसे करो, बिना किसी विशेषाधिकार का उपयोग किए। गौरतलब है कि अमावस्या के बाद खाटूश्याम मंदिर में विशेष श्रृंगार और सेवा पूजा के चलते बीस घंटे तक पट बंद रहे थे। जब गुरुवार शाम पट

जानसू ट्विन टनल का कार्य अंतिम चरण में, हिमालयी चुनौती के बीच रेलवे का कारनामा

देवप्रयाग। उत्तराखंड के देवप्रयाग में बन रही देश की सबसे लंबी परिवहन सुरंग जानसू ट्विन टनल-8 अब लगभग तैयार है। यह 14.57 किलोमीटर लंबी सुरंग ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना का अहम हिस्सा है। यह टनल अपनी जटिलता और हिमालयी भूगोल की चुनौतियों के कारण भारतीय रेलवे की सबसे कठिन परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है। एक बड़े धमाके के बाद विस्फोटकों ने क्वार्टजाइटिक फिलाइट चट्टान में एक साफ 1.5 मीटर का छेद किया। इसके साथ ही टनल परियोजना की आखिरी बाधा को दूर करने का कार्य शुरू किया गया है। इस साफ की गई जगह में पांच इलेक्ट्रिक रूम में से एक का निर्माण होगा। इससे सुरंग के अंदर रोशनी, पंखे और अन्य बिजली के उपकरणों को बिजली दी जाएगी।सुरंग बनाने के लिए कठोर चट्टानों को खोदने के लिए फैक्ट्री साइज 2200 टन वजनी टनल बोरिंग मशीन का उपयोग किया गया है। हिमालय की चुनौती को दूर करने के लिए तीन प्रकार की तकनीकों का उपयोग किया गया है। इस कारण जानसू रेलवे टनल टी-8 का निर्माण भारतीय रेलवे की ओर से अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक रहा है। परियोजना में लगे कर्मियों को इसके आखिरी चरण में पहुंचने की खुशी दिख रही है। ये इस कठिन कार्य के पूरा होने को बड़ी सफलता मान रहे हैं।बिहार के ब्लास्टर विवेक कुमार और उनकी टीम सुरंग के भीतर इलेक्ट्रिक रूम के निर्माण के लिए स्थान बनाने में जुटे हैं। इसके लिए विस्फोट किया जा रहा है। यह सुरंग न केवल लाइट्स और वेंटिलेशन के लिए पूरी तरह इलेक्ट्रिक सिस्टम से लैस होगी, बल्कि इसके भीतर सुरक्षा के उच्चतम मानक भी अपनाए जा रहे हैं। यह पहली बार है, जब भारतीय रेलवे ने हिमालयी क्षेत्र में सुरंग निर्माण के लिए विशाल टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल किया है।यह मशीन 2200 टन भार की होती है। टनल बोरिंग मशीन 180 मीटर लंबी और 9.1 मीटर व्यास की है। इसे जर्मनी से 17 शिपमेंट्स में

भारत लाया गया। गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से 100 से अधिक ट्रकों के जरिए देवप्रयाग तक पहुंचाया गया। सुरंग के 10.4 किलोमीटर हिस्से को टीबीएम से और 4.11 किलोमीटर हिस्से को न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड से खोदा गया।परियोजना में तीन नई तकनीकों टनल सिस्मिक प्रेडिक्शन, टॉर्क बॉक्स और वॉइड मेजरमेंट का भी इस्तेमाल हुआ, जिससे निर्माण की सटीकता और सुरक्षा सुनिश्चित की गई।इन तकनीकों ने हिमालयी चुनौतियों से निपटने में बड़ी भूमिका निभाई।रेल विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष प्रदीप गौर के अनुसार, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन चार धाम यात्रा को सुगम बनाएगी। चीन सीमा के लिए रणनीतिक दृष्टि से भी यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका को देखते हुए पूरी रेललाइन का अधिकांश हिस्सा सुरंगों के अंदर से गुजरता है, जिससे यह एक ऑल-वेदर ट्रांसपोर्ट विकल्प बनता है।ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन परियोजना की लागत लगातार बढ़ी है। योजना का प्रारंभिक अनुमान 16,216 करोड़ रुपये जताया गया था। अब लागत 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। इस परियोजना के तहत रेललाइन 125 किलोमीटर में बिछाई जानी है। इसमें से 104 किलोमीटर रेललाइन सुरंगों से होकर गुजरेगी। इस परियोजना में स्टेशनों की संख्या 12 रखी गई है।ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन का फायदा देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, चमोली जिले को मिलेगा। इस रेललाइन के निर्माण से यात्रा समय 7 घंटे से घटकर 2 घंटे होने की संभावना जताई जा रही है।16 अप्रैल 2025 को सुरंग का 'ब्रेकथ्रू' पूरा हुआ, जिसमें केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उपस्थित रहे। संयोगवश, 16 अप्रैल 1853 को भारत में पहली रेल भी चलाई गई थी। परियोजना स्थल पर इस समय लगभग 2500 मजदूर काम कर रहे हैं। भारी मशीनों, रिमोट-नियंत्रित उपकरणों और ई-रिक्शा के माध्यम से सुरंग के भीतर कार्य किया जा रहा है।

बिहार एनडीए में सीट बंटवारे पर मंथन स्टार्ट! उम्मीदवारों के चयन से पहले अपनाई जाएगी 'खास सियासी' प्रक्रिया

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों ने बिहार में आगामी चुनावों के लिए साझेदारों के बीच बांटी जाने वाली सीटों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मामले की विस्तृत जानकारी रखने वाले दो नेताओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि कि उम्मीदवारों की जीत की संभावना के आधार पर साझेदारों के बीच सीटों की अदला-बदली पर भी विचार किया जा सकता है। सहयोगी दलों में इस बात पर व्यापक सहमति है कि मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार चुनाव का चेहरा होंगे।जेडीयू, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (एचएएम), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा हैं, जो संयुक्त रूप से अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव लड़ेंगे। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, सीटों की पहचान की प्रक्रिया उम्मीदवारों के चयन से पहले होगी और सभी सहयोगियों से परामर्श किया जाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि हमने इस बात पर भी चर्चा

की है कि एनडीए की सीटों की संख्या 2020 में 125 से कैसे बढ़ाई जाए।सूत्रों से मिल रहे इनपुट के अनुसार नेताओं का कहना है कि एक विकल्प जिस पर विचार किया जाएगा, वह है सहयोगी दलों के बीच सीटों की अदला-बदली करना, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कुल मिलाकर स्ट्राइक रेट और संख्या बढ़े। उदाहरण के लिए, एक सीट जो परंपरागत रूप से हमारी (भाजपा) है, लेकिन हम पिछले दो चुनावों में इसे नहीं जीत पाए हैं, उसे उस सहयोगी को दिया जा सकता है जिसके जीतने की संभावना अधिक है। अन्य सहयोगी दलों के पास मौजूद सीटों के लिए भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।हालांकि, नेता ने जोर देकर कहा कि सीट आवंटन तय करने में जीतने की संभावना प्रमुख कारक होगी। 2020 में, जेडीयू ने 115 सीटों पर चुनाव लड़कर 43 सीटें जीतीं; भाजपा ने 110 में से 71 सीटें जीतीं; एलजेपी (आरवी) ने 137 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई (इसके कई उम्मीदवार जेडीयू के खिलाफ सीटों पर लड़े); एचएएम ने सात सीटों पर चुनाव लड़कर चार सीटें जीतीं। आरएलएसपी उस समय एनडीए का हिस्सा नहीं थी, और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने 11 सीटों पर चुनाव लड़कर चार सीटें जीतीं।

बेटी हुई तो उसे अस्पताल में छोड़ने लगे मां-बाप, डॉक्टर ने एक पोस्ट की और 7 हजार लोग गोद लेने आ गए आगे

नई दिल्ली। आजकल माता-पिता के लिए बेटी और बेटों के बीच कोई अंतर नहीं रह गया है। लोग चाहते हैं कि बच?चों के रूप में उनके पास बेटियां हों। एक तरफ लोगों में बेटियों की चाहत बढ़ रही है, वहीं इस बीच एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जो दर्शाता है कि

आज भी कुछ लोग बेटियों को बोझ मानते हैं।गायनाकोलॉजिस्ट डॉ. सुषमा मोगरी ने अपने इंस्टाग्राम पर दिल को झकझोर देने वाला किस्सा पोस्ट किया है। वीडियो में उनकी गोद में एक प्यारी सी बच्ची है, जिसने हाल ही में जन्म लिया है। यह बच्ची अपने माता-पिता की तीसरी बेटी है, इसलिए लेकर घरवाले नाराज हैं। जिस देश की राष्ट्रपति महिला हो, उस देश में बच्चियों के साथ ऐसा रवैया शर्मसार करने वाला है। आइए डॉक्टर से जानते हैं पूरी कहानी। महिला को इससे पहले दो और बेटी हैं, जिनमें से एक की मौत हो गई थी। ऐसे में यह उनके परिवार में तीसरी बेटी है। बच्ची के पैदा होने पर न ही घर में खुशियां मनाई गईं और न ही बच्ची के पिता उसे देखने हॉस्पिटल आए। यहां तक की घरवालों ने इस मासूम को हॉस्पिटल में ही छोड़ने के लिए कह दिया। डॉक्टर ने यहां हार नहीं मानी और इस पर एक वीडियो बनाया। इस वीडियो को 35 लाख लोगों ने सोशल मीडिया पर देखा। हजारों लोगों ने इसे लाइक किया है। कहानी सुनने के बाद उनके पास लगातार फोन कॉल्स आ रहे हैं। लोग न केवल डॉक्टर की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि घरवालों की इस हरकत को शर्मनाक बता रहे हैं।इस पोस्ट को देखने के बाद 7 हजार से ज्यादा लोगों ने बच्ची को गोद लेने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, डॉक्टर ने बेबी गोद लेने के लिए क्या करें, ये सोचने की जगह या फिर रुचि दिखाने वाले लोगों की ओर बात को आगे बढ़ाने के स्थान पर बच्ची के घरवालों को बुलाया। उन्होंने, उन्हें बताया कि लोग इस बच्ची को अडॉप्ट करना चाहते हैं। ये सुनकर उन लोगों को यकीन ही नहीं हुआ।डॉक्टर ने आगे बताया कि यह सब जानकर घरवालों को अपने फैसले पर पछतावा हुआ। उनकी आंखें आंसुओं से भर गईं और वे पूरे प्यार और सम्मान के साथ बच्ची को अपने साथ घर ले जाने के लिए तैयार हो गए।इस पोस्ट पर यूजर्स ने कमेंट्स करके डॉक्टर को धन्यवाद दिया है। वहीं कुछ लोग कह रहे हैं, कि ऐसे बच्ची को उन्हें नहीं सौंपना चाहिए था। क्योंकि उन्होंने गलती नहीं गुनाह किया था। वहीं कुछ ने कहा कि इस बच?ची को अच्छे माता-पिता की जरूरत है।

बिहार एनडीए में सीट बंटवारे पर मंथन स्टार्ट! उम्मीदवारों के चयन से पहले अपनाई जाएगी 'खास सियासी' प्रक्रिया

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों ने बिहार में

आगामी चुनावों के लिए साझेदारों के बीच बांटी जाने वाली सीटों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मामले की विस्तृत जानकारी रखने वाले दो नेताओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि कि उम्मीदवारों की जीत की संभावना के आधार पर साझेदारों के बीच सीटों की अदला-बदली पर भी विचार किया जा सकता है। सहयोगी दलों में इस बात पर व्यापक सहमति है कि मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार चुनाव का चेहरा होंगे।जेडीयू, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (एचएएम), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा हैं, जो संयुक्त रूप से अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव लड़ेंगे। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, सीटों की पहचान की प्रक्रिया उम्मीदवारों के चयन से पहले होगी और सभी सहयोगियों से परामर्श किया जाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि हमने इस बात पर भी चर्चा की है कि एनडीए की सीटों की संख्या 2020 में 125 से कैसे बढ़ाई जाए।सूत्रों से मिल रहे इनपुट के अनुसार नेताओं का कहना है कि एक विकल्प जिस पर विचार किया जाएगा, वह है सहयोगी दलों के बीच सीटों की अदला-बदली करना, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कुल मिलाकर स्ट्राइक रेट और संख्या बढ़े। उदाहरण के लिए, एक सीट जो परंपरागत रूप से हमारी (भाजपा) है, लेकिन हम पिछले दो चुनावों में इसे नहीं जीत पाए हैं, उसे उस सहयोगी को दिया जा सकता है।

महाकुंभ से वायरल हुए एक हाथ खड़े बाबा ने खरीदी ब्रांड न्यू स्कॉर्पियो? इंटरनेट पर रील देख कंफ्यूज हुए लोग!

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान इंटरनेट पर कई सारे साधु-संतों के वीडियो वायरल हुए थे। जिसमें एक हाथ खड़े बाबा का वीडियो भी शामिल था। जिसमें वह उनसे सवाल करने वाले बंदे की चिमटे से पिटाई करते नजर आए थे। हाल ही में इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे लेकर यह दावा किया जा रहा है कि ये एक हाथ खड़े बाबा का है। 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 के बीच संपन्न हुए महाकुंभ में दुनियाभर से लोग डुबकी लगाने आए थे। इस महापर्व पर साधु-संतों का भी जमावड़ा लगा था। जिसमें 'एक हाथ खड़े बाबा' भी सोशल मीडिया पर काफी फेमस हो गए थे। उनके द्वारा उल्टे सवाल करने वालों को मारे गए चिमटे के वीडियो भी इंटरनेट पर जमकर वायरल हुए थे। उनसे मिलने आए लोगों से बातचीत करते हुए बाबा ने बताया था कि वह '4 महाकुंभ में जा चुके हैं और बचपन से ही संन्यासी है।' लेकिन इसके बाद बंदे ने उनसे 'भजन' को लेकर सवाल किया तो वह भड़क गए और उसपर चिमटे से पिटाई कर दी। 'एक हाथ खड़े बाबा' के बारे में बताया जाता है वे मध्य

प्रदेश के महाकाल गिरि से है, जिन्हें कड़े बाबा के नाम से जाना जाता है और उनके नाखून सात-आठ सेंटीमीटर तक बढ़ चुके हैं।इस वीडियो में रिपोर्टर के सवालों पर भड़क कर 'एक हाथ खड़े बाबा' उसे पीटते हुए अपने पंडाल से बाहर निकाल देते हैं। जब यह वीडियो उस समय वायरल हुआ था, तब भी लोगों का कहना था कि बाबाओं से सावधानी रहकर ही सवाल पूछने चाहिए।शेयर की गई इस रील को लेकर यह दावा किया जा रहा है कि 'एक हाथ खड़े बाबा' ने ब्रांड न्यू स्कॉर्पियो खरीदी है और वह खुद इसे चला रहे हैं। लेकिन महाकुंभ से बाबा को पहचानने वाले लोग इस क्लिप को लेकर सवाल भी उठा रहे हैं। क्योंकि दोनों ही वीडियोज में बाबा के लुक्स अलग-अलग नजर आते हैं। जहां महाकुंभ के टाइम उन्होंने बाल हुए थे और दाढ़ी कम रखी थी।वहीं इस क्लिप में नजर आ रहे बाबा की बीयर्ड भी ज्यादा है और बाल भी कटे हुए है। हालांकि, लुक में इतने बदलाव करना कोई असंभव बात नहीं है। लेकिन बाबा के दाढ़ी बढ़ा लेने के कारण, उन्हें पहचानना मुश्किल है। फिर भी दोनों के लुक में एक समानता यह नजर आती है कि दोनों का ही एक हाथ खड़ा है। अब यूजर्स भी इस पर कमेंट सेक्शन में जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। इंटरनेट पर वायरल इस वीडियो को लेकर यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि क्या ये वहीं बाबा है, जो महाकुंभ से वायरल हुए थे या फिर कोई और? लेकिन

धनबाद से गिरफ्तार 4 संदिग्ध निकले आतंकी आईएसआई समेत दूसरे टैरर ग्रुप के लिए स्लीपर सेल कर रहे थे तैयार, एन.आई.ए की टीम करेगी पूछताछ

नई दिल्ली। धनबाद के वासेपुर से गिरफ्तार 4 संदिग्ध आतंकवादी संगठन के सदस्य निकले हैं। झारखंड एटीएस ने चारों संदिग्धों को शनिवार को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार संदिग्धों में गुलफाम हसन, आयान जावेद, शहजाद और शबनम परवीन थे।

एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये सभी आतंकी संगठन हिज्ब-उत-ताहिर, अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट, आईएसआई और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के लिए स्लीपर सेल तैयार कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि ये सभी सोशल मीडिया की मदद से युवाओं को गुमराह कर रहे थे। पूछताछ के बाद चारों को जेल भेज दिया गया है।एन.आई.ए की जांच में यह खुलासा हो चुका है कि हिज्ब-उत-तहरीर मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, और आंध्र प्रदेश में तेजी से स्लीपर सेल तैयार कर रहा है। अब झारखंड के धनबाद में भी इस संगठन से जुड़े संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। संभावना है कि इस मामले में एन.आई.ए की एंट्री हो सकती है। धनबाद से गिरफ्तार चारो संदिग्ध युवा हैं। सभी की उम्र 30 साल से कम है।पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार आयान और शबनम कंप्यूटर के एक्सपर्ट हैं। ये दोनों स्लीपर सेल को हैंडल करने की जिम्मेदारी थी। एटीएस ने उनसे पेन ड्राइव, कंप्यूटर का हार्ड डिस्क, मोबाइल समेत कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किया है।धनबाद में भी स्लीपर सेल बनाने की तैयारी कर रहे थे। उनकी योजना थी कि स्लीपर सेल के माध्यम से विभिन्न इलाकों में हमलों को अंजाम दिया जाए और अशांति फैलाई जाए। माना जा रहा है कि रांची, लोहरदगा के बाद धनबाद के युवाओं को जोड़ने की तैयारी थी। जांच एजेंसियां रांची के चान्हो और लोहरदगा से आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी कर चुकी है। लोहरदगा के मिल्लत कॉलोनी से फैजान अंसारी नाम के युवक को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। फैजान आई.एस.आई.एस संपर्क में आकर प्रभावित हो गया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) से जुड़े डॉ. इश्तियाक को बरियातू और चान्हो से मदरसा संचालक को गिरफ्तार किया था।ये भी युवाओं को संगठन से जोड़ कर उन्हें राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए हथियार प्रशिक्षण देने की योजना बना रहे थे।

एंबुलेंस में मौज काट रही थी विदेशी, सायरन बजाकर लगाती रही रेस, जब तहखाना खुला तो

मुजफ्फरपुर। बीमार की जगह एंबुलेंस में छिपा था बीमार करने वाला सामान। छत के गुप्त तहखाने को खोलते ही उत्पाद टीम की होश उड़ गए। बिहार के मुजफ्फरपुर में उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कांटी थाना क्षेत्र से एक एंबुलेंस की छत के गुप्त तहखाने से लाखों की विदेशी शराब जब्त की है। कांटी थाना क्षेत्र के सादतपुर का पूरा मामला है। जहां से उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की।मुजफ्फरपुर में एक एंबुलेंस से लाखों रुपए के विदेशी शराब की खेप को जब्त किया गया। साथ ही एम्बुलेंस के चालक को भी गिरफ्तार किया गया। पूरे मामले को लेकर उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया की गुप्त सूचना के आधार पर कांटी थाना क्षेत्र के सादतपुर में छापेमारी कर एक एंबुलेंस के छत में बने गुप्त तहखाना से विदेशी शराब की खेप बरामद किया गया। मौके से एंबुलेंस ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस के मुताबिक पकड़े गए एंबुलेंस चालक ने पूछताछ के दौरान बताया कि वो पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से विदेशी शराब की खेप को लेकर मुजफ्फरपुर पहुंचा था।

जाति जनगणना वाला दांव चलकर बीजेपी ने कैसे कर दिया 'खेला', 5 तरह से राजनीतिक गुणा गणित के बाद लिया फैसला

नई दिल्लीः बीजेपी ने एक बार फिर अपनी राजनीतिक चतुराई का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना करवाने की घोषणा की है। यह फैसला सिर्फ आंकड़ें जुटाने के लिए नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से सामाजिक इंजीनियरिंग, चुनावी रणनीति और वैचारिक संतुलन का भी समीकरण बिठाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब देश की राजनीति में 'मंडल-कमंडल' की बहस को फिर से हवा देने की कोशिश हो रही थी। ऐसे में यह समझना चुनावी और राजनीतिक रणनीति को देखते हुए बहुत जरूरी है कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र की एनडीए सरकार ने यह कदम अचानक किन 5 प्रमुख वजहों से लिया है और कैसे यह उसके लिए एक 'गेमचेंजर' साबित हो सकता है। 2014 में नरेंद्र मोदी के पहले लोकसभा चुनाव से लेकर 2019 तक उनके कार्यकाल के दूसरे चुनाव तक बीजेपी ने ओबीसी, अति-पिछड़ी जातियों और अनूसूचित जातियों को जोड़कर एक मजबूत सामाजिक समीकरण खड़ा किया था। लेकिन, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का यह वोट बैंक बिखर गया और इन वर्गों का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की ओर झुक गया, जिससे बीजेपी के 400 पार वाला सपना चकनाचूर हो गया। बीजेपी और एनडीए को इसके चलते खासकर यूपी,राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे बड़े राज्यों में तगड़ा झटका लगा। ऐसे में जाति जनगणना वाला दांव इन जातियों की उन उपेक्षित भावनाओं पर मरहम लगाने का प्रयास है।बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओबीसी होने वाले तथ्य को

अबतक विपक्ष के पिछड़े वाले दांव को कुंद करने के लिए इस्तेमाल करती रही है। जब बिहार में जातिगत सर्वे करवाया गया था, तब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी जेडीयू एनडीए में नहीं थे। अलबत्ता तब भी बीजेपी ने आधिकारिक रूप से उस जातिगत सर्वे का समर्थन किया था। अब मोदी सरकार देशभर में जाति जनगणना का दांव चलकर प्रधानमंत्री और बिहार के सीएम नीतीश के पिछड़ा पृष्टभूमि को और मजबूती से भुनाने की कोशिश कर रही है। वैसे भी मोदी सरकार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के अपने फैसले का हमेशा जिक्र करती रही है। अब इस फैसले से उसका काम और आसान हो सकता है कि असल में पीएम मोदी खुद पिछड़े समाज से तो हैं ही, वह ओबीसी समाज के मसीहा के तौर पर भी काम कर रहे हैं।बीजेपी को मालूम पड़ चुका था कि अगर केंद्र जाति जनगणना को लेकर सुस्त रहा, तो विपक्ष शासित राज्य सरकारें इसे अपने-अपने ढंग से लागू करके सामाजिक समीकरणों को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश सकती हैं। तेलंगाना पहले ही इस दिशा में सक्रिय हो चुका है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार भी अपने दांव लगाने की कोशिशों में जुटी है और झारखंड में भी 'सरना कोड' की मांग जोर पकड़ रही है। ऐसे में केंद्र की ओर से इसे राष्ट्रीय स्तर पर करवाने का एलान करके, बीजेपी सरकार ने विपक्ष की राजनीति पर बढ़त बनाने वाली चाल चल दी है।2014 में जब से मोदी सरकार आई है, उसकी अनेकों कल्याणकारी योजनाएं, सामाजिक ताने-बाने को भी मजबूत करने के लिए बनाई गई हैं। ईडब्ल्यूएस कोटा और विश्वकर्मा योजना इसका सबसे बेहतरी उदाहरण है। इसी तरह से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए भी अनेकों योजनाएं चल रही हैं, जिनके माध्यम से इन वर्गों के उत्थान का भी काम हो रहा है, वहीं इसके माध्यम से सरकार इन वर्गों के बीच पहुंच भी पहुंची है। लेकिन, जाति जनगणना के माध्यम से पार्टी जातियों में बंटे भारतीय समाज को सीधे तौर पर साधने की कोशिश कर रही है, जिसे अब सहेज कर रखना उसके लिए बहुत बड़ी चुनौती बन चुकी थी। क्योंकि, उज्जवला योजना, जनधन योजना जैसी अनेकों ऐसी योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से भाजपा सरकार ने खुद को समाज के विशेष वर्गों के नजदीक पहुंचाया है, लेकिन अब उसमें भी जातियों के आधार पर दिक्कतें बढ़ने लगी थीं, जिसके लिए नया कार्ड चलना जरूरी लग रहा था।बीजेपी की राजनीति लंबे समय से हिंदुत्व के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सिर्फ धार्मिक ध्रुवीकरण अब पार्टी के लिए पर्याप्त नहीं है।

सम्पादकीय

कश्मीर का पहला मुस्लिम शासक कौन था, घाटी में कैसे फैला इस्लाम

आज से करीब 700 साल पहले। कश्मीर में सहदेव नाम का एक हिंदू राजा था। उसे न तो प्रजा की फिक्र थी और न ही शासन चलाने में दिलचस्पी। सहदेव के नाम पर उसके प्रधानमंत्री और सेनापति रामचंद्र शासन चलाते। रामचंद्र की बेहद सुंदर और जहीन बेटी कोटा भी इसमें उनकी मदद करती। एक दिन कश्मीर में तिब्बत का एक राजकुमार रिंचन पहुंचा। उसके साथ सैकड़ों हथियारबंद सैनिक थे। रिंचन ने रामचंद्र को बताया कि गृहयुद्ध में उसके पिता मारे जा चुके हैं। वो जोजिला दर्रे के रास्ते जान बचाकर यहां पहुंचा है। रामचंद्र ने रिंचन को पनाह दे दी। मशहूर कश्मीरी इतिहासकार पृथ्वीनाथ कौल बामजई अपनी किताब 'ए हिस्ट्री ऑफ कश्मीर' में लिखते हैं कि इसी दौरान 1320 ईस्वी में जुल्चू नाम के मंगोल सेनापति ने कश्मीर पर हमला कर दिया। राजा सहदेव बिना लड़े ही किश्तवाड़ भाग गया। जुल्चू ने 8 महीने तक कश्मीर में खूब उत्पात मचाया। लौटते वक्त दिवासर परगना की चोटी के पास बर्फीले तूफान में सेना समेत दफन हो गया। अब कश्मीर पर सीधे सहदेव के प्रधानमंत्री रहे रामचंद्र का शासन हो गया। तिब्बती शरणार्थी राजकुमार रिंचन ने मौका पाकर विद्रोह कर दिया और रामचंद्र की हत्या करवा दी और कश्मीर की गद्दी पर बैठ गया। उसने रामचंद्र की बेटी कोटा से शादी का प्रस्ताव रखा, लेकिन वो पिता के हत्यारे से शादी को तैयार नहीं थी।बहुत मनुहार के बाद आखिरकार कोटा, रिंचन की रानी बनने को राजी हो गई। रिंचन खुद को बौद्ध लामा मानता था, रानी कोटा चाहती थी कि वो हिंदू बन जाए। हालांकि, उसने इस्लाम धर्म अपनाया और इस तरह कश्मीर को पहला मुस्लिम शासक मिला।हिंदू माइथोलॉजी के नीलमत पुराण के मुताबिक कश्मीर घाटी पहले सतीसर नाम की एक विशाल झील थी, जिसमें जलोद्भव नाम का राक्षस रहता था। ब्रह्मा के पोते कश्यप ऋषि ने वराह-मुला की पहाड़ी का एक हिस्सा काटकर कर झील सुखा दी और जलोद्भव मारा गया। कश्यप ने वहां के रहने वाले नागों को इंसानों को भी साथ में रहने देने का आदेश दिया। इन्हीं ऋषि कश्यप के नाम पर कश्यप-पुरा बसा, जिसे अब कश्मीर के नाम से जाना जाता है।वहीं सूफी लेखक ख्वाजा आजम ने 1747 में 'वाकयात-ए-कश्मीर' में कश्यप ऋषि की जगह काशेफ जिन्न को रखकर इस कहानी का इस्लामी स्वरूप पेश किया। इन्हीं आजम के बेटे बदुद्दीन ने तो कश्मीर को सीधे आदम-हौव्वा की कहानी से जोड़ दिया। उनके मुताबिक कश्मीर में रहने वालों को खुद हजरत मूसा ने इबादत करना सिखाया। मूसा की मौत भी कश्मीर में हुई और उनका मकबरा भी वहीं है।इसके अलावा प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग के मुताबिक कश्मीर एक झील थी, जिसमें नाग रहते थे। एक बार बुद्ध ने कहा था कि मेरी मृत्यु के बाद एक मध्यांतिक नाम का बौद्ध यहां लोगों को बसाकर एक राज्य की स्थापना करेगा। बुद्ध की मृत्यु के 50 साल बाद मध्यांतिक नाम का शिष्य कश्मीर गया और उसने झील सुखा दी। मध्यांतिक ने यहां कई बौद्ध मठों की स्थापना की।कश्मीर का पहला ऐतिहासिक साक्ष्य 1960 के दशक में बुर्जहोम की खुदाई में मिलता है। यह साइट श्रीनगर से करीब 8 किलोमीटर दूर है।खुदाई करने वाली टीम के निदेशक टी.एन. खजांची कहते हैं कि उस वक्त किसी संगठित धर्म का कोई सबूत नहीं मिलता। इन वैज्ञानिक खोजों ने कश्मीर के जन्म की कश्यप, काशेफ और मध्यांतिक की कहानी पर सवाल खड़े कर दिए।कश्मीर पर अलग-अलग वंश के बौद्ध और हिंदू राजाओं का शासन रहा। इनमें ललितादित्य का जिक्र बेहद जरूरी है। 724 से लेकर 761 ईस्वी तक उनके शासन को कश्मीर का स्वर्णयुग माना जाता है। ललितादित्य ने 14 वर्ष तक सैन्य अभियान चलाया और अफगानिस्तान, पंजाब, बिहार, बंगाल और ओडिशा तक जीत हासिल की। अमेरिका की विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर आंद्रे विंक अपनी किताब अल-हिंद में लिखते हैं कि ललितादित्य ने चीन के शिनजियांग प्रांत का भी बड़ा हिस्सा जीत लिया था। राजतरंगिणी में कल्हण लिखते हैं कि ललितादित्य ने पुल, मठ, नहरें और पनचक्की बनवाईं। उस दौरान कई नए शहर भी बसाए गए। उन्होंने नरहरि की एक विशाल प्रतिमा बनवाई, जो चुम्बकों की मदद से हवा में रहती थी। एक 54 हाथ लंबा विष्णु स्तंभ बनवाया। इसके अलावा भव्य मार्तंड मंदिर का निर्माण भी ललितादित्य ने ही कराया था।ललितादित्य के समय कश्मीर का पहला संपर्क अरब मुसलमानों से हुआ। हालांकि किसी के लिए भी कश्मीर में घुसपैठ आसान नहीं थी। यहां तक पहुंचने का रास्ता दुर्गम था। करीब 250 साल बाद महमूद गजनी (महमूद गजनवी) ने कश्मीर पर हमले की ठानी। महमूद गजनी भारत पर हमला करने वाला पहला तुर्क था। उसने 1000 ईस्वी से 1027 ईस्वी के बीच भारत पर 17 बार हमला किया। उसका मकसद लूट करना था, जिसमें वो कामयाब भी हुआ। कश्मीर पर भी उसकी नजर पड़ी। 1015 ईस्वी में उसने पहली बार तोसा-मैदान दर्रे के रास्ते कश्मीर पर हमला किया। उस वक्त कश्मीर में संग्राम राजा का शासन था। गजनी की सेना दुर्गम रास्तों में भटक गई और बाढ़ में भी फंस गई। जबरदस्त प्रतिरोध भी हुआ और गजनी को खाली हाथ लौटना पड़ा। उसका काफी नुकसान हुआ।उसने 1021 ईस्वी में फिर कश्मीर पर हमला किया। 1 महीने तक लगातार कोशिश करने के बाद भी वो लौहकोट की किलाबंदी नहीं भेद सका। घाटी में बर्फबारी शुरू होने वाली थी। गजनी समझ गया कि कश्मीर को जीतना मुश्किल है। वो लौटा और फिर कभी कश्मीर की तरफ मुड़कर नहीं आया। इसके बाद के कश्मीरी राजा कमजोर होते रहे। वो अपने भोग-विलास में इस कदर मसरूफ रहे कि उन्हें अपना राजदंड और मुकुट भी विदेशी व्यापारी के यहां गिरवी रखना पड़ा।उत्पल वंश के राजा हर्षदेव ने 1089 से 1111 ईस्वी तक कश्मीर पर शासन किया। इस दौरान फिजूलखर्ची और अय्याशी से वो कंगाल हो गया। माना जाता है कि वो इस्लाम से इस कदर प्रभावित हुआ कि मूर्ति पूजा छोड़ दी। उसने कश्मीर में मौजूद मूर्तियों, हिंदू मंदिरों और बौद्ध मठों को भी ध्वस्त कराना शुरू कर दिया। इस काम के लिए 'देवोत्पतन नायक' नाम का विशेष पद बनाया। हर्षदेव ने मंदिरों के खजानों को लूट लिया। भगवान और देवियों की सोने और चांदी की मूर्तियों को पिघलाना शुरू कर दिया। तुर्कों को सेनानायक तक बना दिया। हर्षदेव के समकालीन इतिहासकार कल्हण ने उन्हें 'तुरुष्क' यानी 'तुर्क' कहा। वेनिस के व्यापारी मार्को पोलो के यात्रा-संस्मरणों से पता चलता है कि तेरहवीं सदी के अंत तक कश्मीर में मुसलमानों की बस्ती बन चुकी थी। ज्यादातर बाशिंदे कसाई का काम करते थे। हर्षदेव के बाद कश्मीर के लगभग सभी राजाओं के यहां तुर्क सैनिकों के प्रमाण मिलते हैं।शाहमीर वंश का सबसे विवादित शासक सुल्तान सिकंदर था। वो 1389 में गद्दी पर बैठा। कश्मीरी विद्वान प्रेमनाथ बजाज उसके शासन को कश्मीर के इतिहास का काला धब्बा मानते हैं। सिकंदर के शासन में प्रमुख ईरानी सूफी संत सैय्यद अली हमदानी के बेटे सैय्यद मुहम्मद हमदानी कश्मीर आए। सुल्तान ने उनके लिए खानकाह का निर्माण कराया। इतिहासकार जोनराज लिखते हैं कि सुल्तान सिकंदर धर्म के नशे में चूर था। उसने सुहाभट्ट नाम के ब्राह्मण को अपना मुख्य सलाहकार बनाया। सूफी संत सैय्यद हमदानी ने सुहाभट्ट को मुस्लिम बनाकर मलिक सैफुद्दीन नाम दिया और उसकी बेटी से निकाह कर लिया। सुहाभट्ट उर्फ सैफुद्दीन के सुझाव पर सुल्तान ने कश्मीर के सभी ब्राह्मणों और विद्वानों को मुसलमान बनाने का आदेश दिया। इस्लाम न अपनाने वालों से घाटी छोड़कर जाने को कहा गया। उसके शासन में मंदिर तोड़ने का अभियान चला। सोने-चांदी की मूर्तियां शाही टकसाल में गलाकर सिक्कों में बदल दी गईं। 1420 ईस्वी में सुल्तान सिकंदर का बेटा जैनुल आबदीन गद्दी पर बैठा। वो अपने पिता की धार्मिक कट्टरता से बिल्कुल उलट था। उसने मंदिरों को फिर से बनवाया। कश्मीर से निकाले गए ब्राह्मणों की वापसी की कोशिश की। जजिया कर हटा दिया। गोहत्या पर रोक लगा दी। जैनुल आबदीन कश्मीरी, फारसी, संस्कृत और अरबी का विद्वान था।

किसी काम में कितना निवेश किया है? जवाब सिर्फ आपके पास है

एक सफल क्रिकेटर तैयार करने में कितनी लागत आती है? यकीन मानें, हममें से कोई भी इसकी सही लागत नहीं बता सकता। सबसे पहला निवेश तो माता-पिता का होता है, जो अपने काम से अनुपस्थित रहने के लिए दफ्तर में कई अर्जियां देते हैं, ताकि अपने बच्चे को क्रिकेट जैसे खेल में बेस्ट कोचिंग दिलवाने के लिए मुंबई के शिवाजी पार्क जैसी किसी जगह पर लेकर जाएं। इसके बाद, वह उभरता हुआ क्रिकेटर महीनों से लेकर सालों तक उसी खेल का अभ्यास करता है। और दिन के 24 घंटों में कई दफा उसके मन में चलता रहता है कि उसे खेल में बेस्ट बनना है। फिर जब बच्चा अंडर 13 या अंडर 15 में पहुंचता है, तो पैरेंट्स उसे विभिन्न टूर्नामेंट्स में खिलाने के लिए देश के कई राज्यों में लेकर जाते हैं, ताकि चयनकर्ताओं की नजर उस पर पड़े। मैं यहां उस संघर्ष की बात नहीं कर रहा हूं जो अंतिम ग्यारह में चुने जाने और अपने देश और टीम के लिए जीतने की मानसिकता के साथ खेलने के लिए करना पड़ता है। लेकिन जब वही खिलाड़ी पैसा कमाने लगता है, तो बाहरी लोग तुरंत उसकी कमाई के बारे में बहुत बात करने लगते हैं, जैसे कि यहां तक पहुंचने के लिए उसने कोई निवेश ही नहीं किया हो। उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं होता कि सफलता से पहले उसने न जाने कितनी असफलताओं का सामना किया होगा। फार्मा सेक्टर में काम कर रहे अपने एक दोस्त के साथ, रविवार की शाम को मैं इन मुद्दों पर चर्चा कर रहा था। और इस मुद्दे पर भी बात हुई कि कैसे सेरिडॉन टेबलेट बनाने वाली कंपनी 'रोश' पर अमेरिकी गैर-लाभकारी संस्था नॉलेज इकोलॉजी इंटरनेशनल (केईआई) ने आरोप लगाया है कि उसने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) की दवा बनाने के बाद इससे सौ गुना से भी ज्यादा मुनाफा कमा लिया है।जब रोश ने क्लिनिकल ट्रायल की लागत की जानकारी साझा करने से मना कर दिया, तो केईआई ने शोध लागत का अनुमान लगाया और कहा कि ये 50 मिलियन डॉलर हो सकती है। इस गैर-लाभकारी संस्था ने दावा किया कि 2021 से 2024 के बीच रोश ने 'रिस्डिप्लम' नामक दवा की बिक्री से 5.8 अरब डॉलर कमाए, जो अनुमानित लागत का 115 गुना ज्यादा है। इस संस्था के आकलन पर रोश ने जवाब दिया है, 'केवल कुछ प्रोजेक्ट्स लैब से निकलकर असली दुनिया तक पहुंच पाते हैं और हमें असफल प्रोजेक्ट्स की लागत भी उठानी पड़ती है, जबकि आपका अनुमान सिर्फ सफल प्रोजेक्ट की ही बात कर रहा है।' यह उल्लेखनीय है कि साल 2003 से, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी फाउंडेशन (एसएमएएफ) ने इस बीमारी की दवा विकसित करने में 100 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। आज के मेरे कॉलम में इस उदाहरण को लेने के दो कारण हैं। 1970 के दशक के उत्तरार्ध में मैंने मुंबई में रोश के साथ सात साल तक काम किया और उनकी दवाओं की गुणवत्ता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। मैंने जितनी भी जिम्मेदारियां लीं, उन कामों में गुणवत्ता के सीखे हुए तमाम पहलुओं को शामिल करने की कोशिश की। दूसरा, मुझे रोश द्वारा पेश किए गए तर्क का एक हिस्सा पसंद आया, (सभी नहीं) जो ऊपर उल्लिखित है। कोई भी कभी नहीं जान पाएगा कि एक नई दवा खोजने के पीछे कितनी सारी चीजें होती हैं। दवा बनाना, किसी छह साल के बच्चे को क्रिकेट खेलने के लिए तैयार करने से बिल्कुल भी अलग नहीं है, जहां वह एक जुनून के साथ क्रिकेट खेले और रोज टेलीविजन पर आए, जैसे कि इन दिनों चल रहे आईपीएल में हो रहा है। दवा निर्माण में एक और दिक्कत यह है कि शोध करते समय कई असफलताएं हाथ लगती हैं। और यह प्रक्रिया का हिस्सा है। वन में कुछ भी हासिल करने के लिए, पैसों (आपके या आपके माता-पिता के या कॉर्पोरेट के) के अलावा समय का निवेश करना होता है, साथ ही दिमाग भी इसमें जगह घेरता है, साथ ही साथ इस काम में शरीर की पूरी ऊर्जा भी लगती है। फंडा यह है कि आपके और आपके माता-पिता के अलावा किसी को भी आपकी सफलता, फेम और उपलब्धियों के लिए चुकाई गई सही कीमत का अंदाजा नहीं होता। इसलिए, किसी भी चीज में आपके निवेश के हर कतरे का सम्मान करें, फिर चाहे वह डिग्री हो, कौशल हो या प्रसिद्धि।

हमारे लिए जरूरी है कि हम पाकिस्तान के ट्रैप में न फंसें

कश्मीर के मामले को कैसे हैंडल किया जाए, इस पर हर किसी के अपने-अपने विचार हो सकते हैं। एक समाधान यह था कि इस क्षेत्र को भारत के साथ और अधिक एकीकृत किया जाए, स्थानीय अर्थव्यवस्था में सुधार किया जाए, युवाओं के लिए अवसर पैदा किए जाएं और उम्मीद की जाए कि बेहतर जीवन की संभावनाओं के साथ वहां पर उग्रवाद खत्म हो जाएगा।2019 से यही प्रयास किया जा रहा था, जब अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया और कश्मीर को भारत के साथ और अधिक जोड़ने के लिए कई नीतियां बनाई गईं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि उस क्षेत्र में कुछ प्रगति हुई थी। पर्यटन बढ़ा था, निवेश बढ़ा था, बुनियादी ढांचे का विकास हुआ था। कश्मीर घाटी पिछले साल हुए दोनों चुनावों के दौरान भी काफी हद तक शांतिपूर्ण रही थी।लेकिन पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की घटना से पता चलता है कि देश के दुश्मन इस सबसे हताश थे और उन्हें इसमें खलल डालने का एक यही उपाय सूझा कि नृशंस हमला करके घाटी को फिर से लहूलुहान कर दिया जाए। और यही कारण है कि हमें इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया में सावधान रहना चाहिए। क्योंकि शत्रुओं ने हमसे एक निश्चित प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए ही ऐसा किया था और हमें सावधान रहना चाहिए कि हम उनके झांसे में न आएं।सबसे पहले तो हमें दुश्मन को समझना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा पहलगाम मामले में अपनी संलिप्तता से कई बार इनकार करने के बावजूद इस बात पर विश्वास करने के कई कारण हैं कि इसमें उसकी सेना का हाथ है। रिपोर्ट बताती हैं कि पाकिस्तानी फौज वहां की अवाम के बीच लोकप्रियता खो रही है।इसमें लोकप्रिय नेता इमरान खान की गिरफ्तारी का भी योगदान है। दूसरे, हमें यह भी समझना चाहिए कि जब ऐसा कोई हादसा होता है तो उस पर हमारी तात्कालिक प्रतिक्रिया भावनात्मक होती है। हम दुश्मन से प्रतिशोध लेना चाहते हैं और उन्हें इससे भी कड़ी चोट पहुंचाना चाहते हैं।लेकिन क्या हो अगर दुश्मन का इरादा भी यही हो? क्या हो अगर वो ठीक यही चाहते हों कि दोनों देशों के बीच संघर्ष को भड़का दिया जाए? पाकिस्तान की फौज का मनसूबा यह सुनिश्चित करना भी हो सकता है कि मंडरा रहे युद्ध के खतरे के साथ वो पाकिस्तान में और ज्यादा प्रभावी और प्रासंगिक हो जाए? आर-पार के युद्ध की स्थिति में किसी देश में उसकी सेना से ज्यादा महत्वपूर्ण भला और क्या हो सकता है?यही कारण है कि अगर हम भावनात्मक के बजाय तर्कसंगत प्रतिक्रिया करेंगे तो वह बेहतर होगा। तर्कसंगत प्रतिक्रिया ज्यादा तीखी और दीर्घकालिक होती है, हालांकि वह विशेष रूप से टीवी चैनलों के लिए कम मनोरंजक होती है।हम पहले ही अपने 26 लोगों को खो चुके हैं, हमें कई सौ या हजार लोगों को खोने की जरूरत नहीं है, जो कि दोनों तरफ से जंग छिड़ने पर अनिवार्य रूप से होगा। ऐसा करके हम पाकिस्तानी फौज के जाल में फंस जाएंगे और उसे मनचाहा महत्व देंगे। कश्मीर समस्या का समाधान फिर भी नहीं होगा।दूसरी तरफ, एक तर्कसंगत प्रतिक्रिया दूरगामी और व्यापक होगी। इसमें पाकिस्तान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने, उसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय लामबंदी करने सहित दूसरे तमाम तरीकों से पाकिस्तान का घेराव करना शामिल है। जैसे कि दुनिया को यह बताना कि पाकिस्तान का मिलिट्री एस्टैब्लिशमेंट कैसे विश्व-शांति के लिए खतरा है, कैसे वह उत्तर कोरिया की तरह है- परमाणु हथियारों से लैस, लेकिन खतरनाक और अलग-थलग, पाकिस्तान में बलूच आंदोलन जैसे अन्य विद्रोहियों का खुलेआम समर्थन करना, फौज के खिलाफ नैरेटिव को वहां के लोगों में मजबूत करना, और इसके साथ ही भारत की अपनी हिंदू-मुस्लिम एकता, कश्मीर की आर्थिक पुनरुद्धार योजनाओं पर पहले से भी ज्यादा जोर देना। दूसरे शब्दों में, वो सब करना जो पाकिस्तानी फौज हरगिज नहीं चाहती।क्या तर्कसंगत प्रतिक्रिया केवल शांतिपूर्ण प्रतिक्रिया होती है? जरूरी नहीं। भारत को कुछ टारगेटेड रिस्पॉन्स भी करना चाहिए, खास तौर पर पाक सेना के ठिकानों पर, ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे निशाने पर हमलावर हैं, आम लोग नहीं।

पहलगाम के बावजूद देश के पर्यटक कश्मीर जाना न छोड़ें

पहलगाम में आतंकी हमले को प्रायोजित करने वाले पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कूटनीतिक कार्रवाई जारी है, लेकिन हम नागरिकों का फर्ज है कि एक पर्यटन स्थल के तौर पर कश्मीर को न छोड़ें। ऐसा करने पर फायदा पाकिस्तान को ही होगा। अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद से ही पाकिस्तानी सेना और आईएसआई, जम्मू-कश्मीर की बढ़ती अर्थव्यवस्था को देखकर मायूस हो रहे हैं। इस केंद्र शासित प्रदेश का कर राजस्व 2019 में 7,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 21,000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। कश्मीर की इस समृद्धि में मुख्य योगदान पर्यटन का है। पिछले साल 35 लाख देशी-विदेशी पर्यटक कश्मीर पहुंचे थे। यह 2021 की तुलना में (लगभग 6.7 लाख) 500प्रतिशत ज्यादा है। इसमें भी पहलगाम पर्यटकों का पसंदीदा है। 2019 के बाद जैसे ही दिल्ली से पर्यटन बढ़ा, पहलगाम में दर्जनों कैफे, रेस्तरां और छोटे होटल खुल गए।कश्मीर में ज्यादातर पर्यटक छुट्टियों की शुरुआत श्रीनगर से करते हैं, फिर वे पहलगाम और गुलमर्ग जाते हैं। आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में घात लगाने से पहले एक हफ्ते तक श्रीनगर के होटलों में पर्यटकों की दिनचर्या पर नजर रखी थी, क्योंकि उन्हें पता था इस जगह पर कोई सुरक्षाकर्मी नहीं होगा। इस्लामाबाद ने कश्मीर में बढ़ते पर्यटन को गुस्से और हताशा के साथ देखा है। पाकिस्तानी सेना को लगा 370 के हटने को कश्मीरी लोगों के साथ विश्वासघात बताकर वह वहां अशांति फैला सकती है। लेकिन हुआ उलट। हुर्रियत अलगाववादियों में हड़कंप मच गया है। पत्थरबाजी बंद हो गई है। कश्मीरी युवाओं ने जम्मू-कश्मीर में निवेश के कारण खुले नए आर्थिक अवसरों को अपनाया है। व्यापारी परिवहन के नए इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से खुश हैं, जिससे अब उन्हें अपने उत्पादों को दिल्ली और अन्य जगहों पर बेचने में कई दिन नहीं, बल्कि चंद घंटे ही लगते हैं। नए हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर प्लांट ने कश्मीरी गांवों को रोशन कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) कई मायनों में अनोखी है। इसमें भारत का पहला केबल वाला रेल पुल और पहाड़ों पर एकमात्र ब्रॉड-गेज रेलवे ट्रैक शामिल है। इस मार्ग में सौ किलोमीटर से ज्यादा सुरंगों के साथ ही दर्जनों रेल पुल हैं, जिसमें दुनिया का सबसे ऊंचा पुल भी शामिल है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली से श्रीनगर तक रातभर में यात्रा की सुविधा देने वाला नया मार्ग जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देगा। इससे भी जरूरी बात यह कि इससे व्यापार, रोजगार सृजन, स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। घाटी में हर ट्रेन सड़क पर वाहनों की संख्या कम करने, हवा को साफ रखने और क्षेत्र के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की क्षमता रखती है। सेब से भरी एक कंटेनर ट्रेन न केवल देशभर के बाजारों में उपज ले जाएगी, बल्कि सड़क पर गाड़ियों की प्रदूषणकारी आवाजाही को भी कम करेगी। कश्मीर घाटी को शेष भारत से रेल द्वारा जोड़ने वाली यूएसबीआरएल शायद हाल के वर्षों में भारत की सबसे महत्वाकांक्षी और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है। श्रीनगर को दिल्ली से जोड़ने के अलावा जोजिला सुरंग सोनमर्ग को कारगिल के द्रास से जोड़ेगी, जिससे लद्दाख को हर मौसम में जुड़े रहने की सुविधा मिलेगी और यात्रा का समय घंटों से घटकर मात्र 15 मिनट रह जाएगा। पिछले साल जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार बनी। पीओके की परिस्थिति पूरी तरह उलट है। यहां कोई आर्थिक विकास, पर्यटन और लोकतंत्र नहीं है। 'वर्दीधारी आतंकवादी' कहे जाने वाले पाकिस्तान के कट्टरपंथी सेना प्रमुख असीम मुनीर के लिए बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान द्वारा हाल में किए गए हमले आखिरी झटके की तरह थे। भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने वाला है और पाकिस्तान का सदाबहार मित्र चीन भी नई दिल्ली के साथ आर्थिक संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है। 1999 में तख्तापलट में नवाज शरीफ को पद से हटाने से कुछ समय पहले मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री की अनुमति बिना कारगिल युद्ध शुरू कर दिया था, जिसके कारण पाकिस्तान को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। इमरान खान को जेल में रखने वाले मुनीर जानते हैं कि भारत के खिलाफ युद्ध जीतना असंभव है। लेकिन यह आर्थिक और सामाजिक संकट से जूझ रहे देश को एकजुट कर सकता है। अगले कुछ दिन बताएंगे कि मुनीर का गलत अनुमान पाकिस्तान को कितना नुकसान पहुंचाएगा। भारतीयों के लिए यह खास अवसर है, जब उन्हें कश्मीर में पर्यटक या उद्यमी के तौर पर जाना जारी रखना चाहिए। 30 वर्षों में पहली बार आम कश्मीरी मुसलमानों ने पहलगाम के पीड़ितों के साथ एकजुटता में घाटी बंद रखी है।

ग्रेजुएशन पसंद नहीं तो हाथों का कमाल दिखाएं!

अनिल और सुनील दो भाई हैं। सुनील, अनिल से 6 साल छोटा है। परिवार के सहयोग के लिए, अनिल कॉलेज नहीं गया और इलेक्ट्रिशियन बन गया। उसने और माता-पिता ने सुनील की ग्रेजुएशन में मदद की और उसे एक अच्छी नौकरी मिल गई। लेकिन कुछ समय पहले उसकी नौकरी चली गई, जबकि अनिल का इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्ट का बिजनेस काफी बढ़ गया। पिछले हफ्ते तक सुनील को कोई भी ऐसी नौकरी नहीं मिली, जिसमें पहले जितना वेतन हो। शनिवार को मेरी मुलाकात उसके पिता से हुई। उन्होंने कहा, 'मुझे शायद सुनील को कंप्यूटर की डिग्री लेने के लिए जोर नहीं देना चाहिए था। अगर मैंने उसे शौक के मुताबिक, इंटीरियर डिजाइनिंग सीखने दी होती, तो आज वो अनिल के बढ़ते बिजनेस में साथ दे पाता।'ऐसा सोचने वाले वे अकेले नहीं हैं। पहले माता-पिता, ग्रेजुएशन की डिग्री की तुलना में वोकेशनल यानी पेशेवर कोर्स को खास तवज्जो नहीं देते थे। लेकिन अब व्हाइट कॉलर जॉब के हिमायती पेरेंट्स मानने लगे हैं कि जो बच्चे हाथों का इस्तेमाल करने वाले किसी कौशल में महारत हासिल करेंगे, वे कभी बेरोजगार नहीं रहेंगे। ऐसे कौशलों की मांग इतनी ज्यादा है कि विकसित देशों के सार्वजनिक हाईस्कूल 'शॉप' कक्षाएं दे रहे हैं, जहां छात्रों को कंस्ट्रक्शन, मैन्युफैक्चरिंग और कारपेंटरी सिखाने वाले पेशेवर शैक्षणिक कोर्स मिल रहे हैं। अमेरिका में 2024-25 का ट्रेंड तो यही है।जो पेरेंट्स सोचते थे कि उनके बच्चे को डेस्क जॉब करनी चाहिए, वे अब पेशेवर शिक्षा की ओर जा रहे हैं क्योंकि इससे करियर के दो रास्ते खुल जाते हैं। या तो बच्चा सुनील की तरह कॉलेज जा सकता है या अनिल की तरह, सीधे काम शुरू कर सकता है। यह सोच अब मध्यमवर्गीय परिवारों में भी जगह बना रही है, जहां ग्रेजुएट होना गर्व का विषय माना जाता है। वे समझने लगे हैं कि तार्किक सोच आधारित नौकरियां कम हो रही हैं और वे नहीं चाहते कि उनका बच्चा डेस्क जॉब करे। आपको पता होगा कि दिल्ली में जन्मी अभिनेत्री कृति सेनन की मां चाहती थीं अगर कृति का एक्टिंग करियर नहीं चला, तो बैकअप प्लान के तौर पर वे इंजीनियरिंग पूरी कर लें। इसी तरह स्पिन के जादूगर अनिल कुंबले जानते थे कि खेल की दुनिया में करियर बहुत अनिश्चित होता है और एक चोट भी घातक हो सकती है। इसलिए बैकअप में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री गेमचेंजर साबित हुई। एक हालिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'विकल्प के तौर पर, मेरा इंजीनियर होना बहुत अच्छा था।

जब दर्द का मेल मानवता से होता है तो घाव भरने लगते हैं

एक युवा महिला अपनी मां के साथ एक गुड़िया लेकर होटल की लॉबी में आती है। वह लोरी गा रही होती है और गुड़िया को सचमुच का दूध पिलाती है। रिसेप्शन स्टाफ से मिलने पर वह नम आंखों से कहती है, गुड़िया कुछ पी नहीं रही है, अगर वो मर गई तो क्या होगा? मैं फिर से यह सब नहीं सह पाऊंगी। छह महीने पहले उसने अपने बच्चे को खो दिया था। दूध पिलाते समय बच्चे का दम घुट गया था। तब से वह रिकवर नहीं कर पाई है। वह गुड़िया ही उसकी हीलिंग का एक तरीका थी। उसके परिवार ने मानसिक उपचार के लिए उस होटल में चेक-इन किया था। राजलक्ष्मी नाम की एक मृदुभाषी हाउसकीपिंग स्टाफ उसके पास आती है और कहती है, मैंने भी सालों पहले अपने बच्चे को खो दिया था। मैं भी तुम्हारी तरह रोई थी। क्या तुम मुझे अपनी गुड़िया गोद लेने दोगी? मैं उसे दूध पिलाऊंगी, उसके लिए लोरी गाऊंगी... और हो सकता है, जब तुम इसके लिए तैयार होओ तो भगवान तुम्हारे लिए सचमुच का एक बच्चा भेज देंगे। युवती ने उसकी ओर देखा, रुकी और आंखों में आंसू लिए गुड़िया उसे थमा दी। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे पहले किसी ने उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया था। उस दिन राजलक्ष्मी ने उसके साथ घंटों बिताए- उससे बातें की, उसे खाना खिलाया, उसे शांत किया- और यह सब उसकी ड्यूटी के समय के बाद हुआ। उस दिन से युवती दिन में कई बार राजलक्ष्मी से मोबाइल पर बात करने लगी। लेकिन धीरे-धीरे उसके कॉल आना कम हुए और फिर पूरी तरह से बंद हो गए। छह महीने बाद, होटल को उस युवती की मां का एक पत्र मिला, जिसमें लिखा था- अब वह ठीक हो रही है, वो फिर से मुस्कराने लगी है और गर्भवती भी है। यह भगवान और राजलक्ष्मी की ओर से एक उपहार है। होटल के जीएम की आंखों में आंसू आ गए और उस दिन उन्होंने वह सबक सीखा, जो अपने लंबे करियर में इससे पहले कभी नहीं सीखा था- हॉस्पिटैलिटी पांच सितारों नहीं, पांच सेकंड के बारे में है। उन्होंने आतिथ्य और दयालुता का वास्तविक अर्थ समझा कि जब पीड़ा का मेल विशुद्ध मानवता से होता है, तो कुछ ठीक होने लगता है। चेन्नई के रेडिसन ब्लू जीआरटी होटल के बारे में सोशल मीडिया में वायरल हो रही यह कहानी मुझे हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ अपने तमाम अनुभवों की याद दिलाती है। यह 1980 के दशक में मेरी पहली विदेश यात्रा थी। मैं यूएई के दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा था। तब तक मैंने सुना था कि यूएई में सभी स्थानीय कॉल मुफ्त हैं। लेकिन मुझे नहीं पता था कि यूएई के सात अमीरातों के बीच कॉल करना निःशुल्क नहीं है। मैंने शारजाह में रहने वाले अपने परिचित को फोन किया और संपर्क हुआ नहीं। मैं परेशान हो गया। मेरे चेहरे पर हैरानी को देखते हुए दुबई हवाई अड्डे पर केरल के एक हाउसकीपिंग स्टाफ ने मुझसे पूछा कि क्या समस्या है। जब मैंने उन्हें बताया कि मैं कनेक्ट नहीं कर पा रहा हूं, तो उन्होंने कहा कि दूसरे अमीरात के लोगों के साथ निःशुल्क बात नहीं की जा सकती। जब मैंने कहा कि मेरे पास स्थानीय मुद्रा नहीं है, तो उन्होंने बिना कुछ सोचे अपना एप्रन निकाला, कमीज में अपना हाथ डाला जिसमें कुछ सिक्के रखे थे और मुझे दे दिए। मैंने पब्लिक बूथ में जाकर अपने परिचित को फोन लगाया और उनसे बात की। जब मैं उस हाउसकीपिंग स्टाफ को धन्यवाद देने के लिए लौटा, तो वे वहां से जा चुके थे। तब से मैं कई बार यूएई गया हूं और आज भी मेरी आंखें एयरपोर्ट में उन्हें ढूंढती रहती हैं। उनका चेहरा मेरी यादों में 1980 के दशक से ही ताजा है। एक और घटना 2017 के आसपास मुंबई के डीएन रोड मेट्रो स्टेशन पर हुई थी, जब एक हाउसकीपिंग स्टाफ एक विकलांग व्यक्ति को ट्रेन से उठाकर ऑटो स्टैंड तक ले गया था और उसके धन्यवाद कहने का भी इंतजार नहीं किया। चूंकि मैंने अपने मोबाइल पर उनकी तस्वीर खींच ली थी, इसलिए मेट्रो के सीईओ स्व. शुभोदय मुखर्जी को उनका नाम पुरस्कृत करने के लिए सुझाया था।

संसद को कोर्ट के विरोध में खड़ा करना गैरजरूरी टकराव

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक मिलनसार व्यक्ति हैं। कुछ साल पहले मैं कोलकाता में अपनी पुस्तक 'आदि शंकराचार्य : हिंदू धर्म के महानतम दार्शनिक' पर बोल रहा था और राज्यपाल के रूप में उन्हें वहां लगभग 15 मिनट के लिए उपस्थित होना था। लेकिन वे मेरे भाषण के अंत तक रुके। बाद में, जब हम दिल्ली में मिले, तो उन्होंने इस अवसर को जीवंत रूप से याद किया, और बहुत उत्साह से प्रशंसा की। उनके आतिथ्य और तत्पर-?विनोद ने मुझ पर एक अलग छाप छोड़ी। हालांकि, संवैधानिक मामलों में हमारी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद गौण होती हैं। देश के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए तो यही ज्यादा मायने रखता है कि वे संविधान की कैसी व्याख्या करते हैं, और इसके भीतर महत्वपूर्ण घटकों की कैसी भूमिका देखते हैं। उपराष्ट्रपति ने हाल ही में न केवल सर्वोच्च न्यायालय पर 'न्यायिक अतिक्रमण' का आरोप लगाया, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 142 को संसद की सर्वोच्चता के खिलाफ 'परमाणु मिसाइल' के रूप में इस्तेमाल करने की भी बात कही। ये कठोर शब्द हैं, अलबत्ता उनकी आलोचना-वृत्ति नई नहीं है। दिसंबर 2022 में पदभार संभालने के तुरंत बाद भी धनखड़ ने ऐतिहासिक केशवानंद भारती फैसले (1973) पर सवाल उठाकर बहस छेड़ दी थी, जिसने संविधान के 'मूल ढांचे' की रक्षा के लिए एससी के अधिकार को स्थापित किया था। उन्होंने इसे संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति को सीमित करने के रूप में देखा। धनखड़ ने तर्क दिया था कि इस न्यायिक 'इनोवेशन' का संविधान में कोई स्पष्ट आधार नहीं था और इसने संसदीय संप्रभुता को कमजोर किया है। तब भी उनकी टिप्पणियों को कई लोगों ने संविधान की व्याख्याता के रूप में न्यायपालिका की भूमिका के लिए एक अप्रत्यक्ष चुनौती की तरह देखा था। लेकिन उनकी नवीनतम आलोचना, जिसमें उन्होंने राज्य विधेयकों पर राष्ट्रपति के विवेकाधिकार में एससी के हस्तक्षेप पर निशाना साधा है- ने बात को तूल दे दिया है। इसके मूल में राज्यपालों पर एससी की वे टिप्पणियां हैं, जिनमें विशेष रूप से विपक्ष-शासित राज्यों में विधेयकों को दबाए रखने की बात कही गई थी। तमिलनाडु, केरल और पंजाब में तो राज्य सरकारों ने राज्यपालों पर 'केंद्र के एजेंट' के रूप में कार्य करने का आरोप लगाया, जो वर्षों तक विधेयकों में टालमटोल करते हैं। ऐसे में त्वरित निर्णय लेने पर सर्वोच्च न्यायालय का जोर संवैधानिक कार्यालयों को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए हथियार बनाने से रोकने के लिए आवश्यक सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। लेकिन इस न्यायिक निरीक्षण के प्रति धनखड़ का प्रतिरोध एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है। यह कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्य में विफल होते हैं, तो जवाबदेही कौन सुनिश्चित करेगा? संविधान स्वयं राज्यपालों या राष्ट्रपति को विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए कोई स्पष्ट समयसीमा प्रदान नहीं करता है। ऐसे परिदृश्य में, सत्ता के दुरुपयोग को रोकने के लिए न्यायिक व्याख्या जरूरी हो जाती है। राष्ट्रपति को निर्देश जारी करने का प्रश्न तो हास्यास्पद है, क्योंकि वे एक ऐसे संवैधानिक प्राधिकारी हैं, जो मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करते हैं। मेरे खयाल से, धनखड़ एक गलत व्याख्या कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने के लिए संसद के निर्विवाद संवैधानिक अधिकार पर सवाल नहीं उठा रहा है। सुप्रीम कोर्ट सिर्फ यह जांच रहा है कि क्या ऐसे कानून संविधान के अनुरूप हैं। यह सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार है। अगर ऐसा न हो तो कोई कार्यपालिका पर कोई रोकटोक नहीं होगी और वह बेलगाम हो सकती है। उदाहरण के लिए, लोकसभा में पूर्ण बहुमत और राज्यसभा में पर्याप्त संख्याबल की सहायता से कोई राजनीतिक दल भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने वाला कानून पारित कर सकता है। लेकिन तब भी सुप्रीम कोर्ट को इसे रद्द करने का अधिकार होगा, क्योंकि वह कानून संविधान के अनुच्छेद 25 का स्पष्ट रूप से उल्लंघन करने वाला होगा। अनुच्छेद 25 भारत के सभी व्यक्तियों को अपने धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, उसका अभ्यास और प्रचार करने का मौलिक अधिकार देता है, वहीं संविधान की प्रस्तावना सभी भारतीयों को 'विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और उपासना की स्वतंत्रता' भी प्रदान करता है। संसद को सुप्रीम कोर्ट के विरोध में खड़ा करके धनखड़ एक अनावश्यक टकराव पैदा कर रहे हैं, जिसे संविधान ने स्पष्ट रूप से शुरू में ही हल कर दिया था। यह संसदीय लोकतंत्र के कामकाज को खतरे में डाल सकता है।भारत का संविधान स्वयं राज्यपालों या राष्ट्रपति को विधेयकों पर कार्रवाई करने के

पहलगाम में जो हुआ, उसके पैटर्न को समझना जरूरी है

कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला उन तमाम पैटर्न का अनुसरण करता है, जो अतीत में भी देखे गए हैं और हमें इसका पूर्वानुमान लगा लेना चाहिए था। सवाल ये है कि ये पैटर्न क्या हैं? और हम इन हमलों को कैसे रोक सकते थे? सबसे पहले हमें यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि कश्मीर में उग्रवाद अब पहले की तरह नहीं बचा है। हालांकि किसी भी तरह के उग्रवाद के अंतिम दौर में कई महत्वपूर्ण बड़े हमले देखने को मिलते हैं। उदाहरण के लिए, पंजाब के सीएम बेअंत सिंह की हत्या पंजाब में उग्रवाद के लगभग खत्म हो जाने के बाद की गई थी। पहलगाम हमला भी इसी पैटर्न की पुष्टि करता है। दूसरा संकेत यह था कि पाकिस्तान की ओर से हाल के दिनों में यह दोहराया जा रहा था कि टूरिज्म कश्मीर के 'भारतीय-उपनिवेशीकरण' का एक साधन है। उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर के सांसद रूहुल्लाह मेहदी ने भी कुछ महीने पहले यही बात दोहराई थी। इसके परिणामस्वरूप खुफिया एजेंसियों को अंदेशा था कि कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा टूरिज्म के बुनियादी ढांचे को जरूर निशाना बनाया जाएगा। सनद रहे कि कश्मीर में होटलों की कीमतें दिल्ली या मुंबई की होटलों की तुलना में 400-500प्रतिशत अधिक हैं- जिससे भारी मात्रा में धन प्राप्त होता है। पहले कश्मीर की लगभग 55इ आबादी वहां चल रहे कॉनफ्लिक्ट पर निर्भर थी- या तो वह पाकिस्तानी धन से वित्तपोषित होती थी, या भारतीय सरकार के अनुदान से या किसी तरह सुरक्षा बलों को आपूर्ति पर निर्भर रहती थी। आज यह प्रतिशत नगण्य है, जिसका श्रेय मुख्य रूप से पर्यटन को जाता है। यदि पाकिस्तान वहां पर उग्रवाद को फिर से शुरू करना चाहता है तो उसके लिए पर्यटन को नष्ट करना महत्वपूर्ण था। लेकिन इसके लिए एक हमला पर्याप्त नहीं होगा- उसे इसके लिए निरंतर अभियान चलाना होगा। लेकिन 2025 में भारतीय सुरक्षा प्रतिक्रियाएं 2019 से पहले की तुलना में कहीं बेहतर हो चुकी हैं। तीसरा तथ्य यह है कि जब भी कोई अमेरिकी नेता भारत आता है तो कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए भारत में किसी तरह की अशांति फैलाई जाती है।

सनातन सिखाता है संतुलन, तालमेल, संयम से काम लें

विज्ञान का आधार खोज रहा है। और हमारे ऋषि-मुनियों का आधार ढूंढना रहा है। खोजी वो वस्तु जाती है, जो हमारे पास पहले थी नहीं। ढूंढना उस वस्तु को पड़ता है, जो पहले से हमारे पास है पर हम कहीं भूल गए। जैसे सनातन धर्म में सनातन का अर्थ है शाश्वत यानी जो हमेशा से है। लेकिन आजकल भ्रम के कारण इसका अर्थ अलग ले लिया जाता है। कुछ साल पहले अगर कोई जयश्री राम बोले तो माना जाता था ये एक विशेष राजनीतिक दल से जुड़े हैं। जबकि भगवान का नाम है। ऐसे ही आज सनातन को राजनीति का विषय न बनाया जाए। इसकी कल्पना बड़ी वैज्ञानिक है। इसमें मनुष्य के जीने के वो सारे नियम हैं, जिनकी खोज विज्ञान ने की। विज्ञान कहता है, हम खोजकर ही मानेंगे। जबकि सनातन में कहा है कि हमने पहले ही मान लिया है कि एक परमशक्ति है, आराम से ढूंढेंगे। सनातन सिखाता है जीवन में संतुलन, तालमेल और संयम से काम लें। सनातन आदर्श-वाक्य होना चाहिए, क्योंकि उसमें मनुष्य के भविष्य की सबसे सुंदर जीवनशैली समाई है।

'वेव्स 2025' का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन,शाहरुख, अक्षय, रणवीर-आलिया समेत कई सितारे हुए शामिल,अनुपम खेर बोले- ये काफी ऐतिहासिक पल है

नई दिल्ली। भारत की मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को ग्लोबल स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'वेव्स 2025' सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यह चार दिवसीय आयोजन मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में हो रहा है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस शिखर सम्मेलन में बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारे हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें शाहरुख खान, अनुपम खेर, आमिर खान और रणबीर कपूर जैसे नाम शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने इसे भारतीय मनोरंजन उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया है। मुंबई में आयोजित 'वेव्स 2025' -विश्व ऑडियो-विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई 1913, भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी। इसके निर्माता दादासाहब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्म जयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता पाई है। हर कहानी भारतीय संस्कृति की आवाज बनकर दुनिया के करोड़ों लोगों के दिलों में उतरी है।दिग्गज एक्टर अनुपम खेर इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, 'सांस्कृतिक दृष्टिकोण से यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक पल है।सिंगर शान ने कहा, 'मैं इस शिखर सम्मेलन के लिए रोमांचित और उत्साहित हूं। आज यहां विभिन्न राज्यों से कलाकार, कंटेंट क्रिएटर और सिंगर आए हैं। बेशक, हमारे दिलों में दुख है, लेकिन जैसा कि राज कपूर ने कहा था- 'शो चलना चाहिए।जैकी श्रॉफ ने कहा, 'यह दुनिया के लिए एकजुट होने का एक शानदार अवसर है। इसका आयोजन पीएम मोदी द्वारा किया जा रहा है। भारत में पाकिस्तानी एक्टर्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रतिबंध लगाए जाने पर जैकी ने कहा, 'मैं पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हर कोई इससे दुखी है। हम सरकारी नीति में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते और विवाद पैदा नहीं करना चाहते।अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, हेमा मालिनी, चिरंजीवी, मोहनलाल और मिथुन चक्रवर्ती जैसे बॉलीवुड के बड़े नाम 'लीजेंड्स एंड लेगेसीजः द स्टोरीज दैट शेप्ड इंडियाज सोल' नामक पैनल में स्पीकर होंगे। इस सेशन को अक्षय कुमार होस्ट करेंगे। 'वेव्स 2025' के बाकी सेशंस में आमिर खान, आलिया भट्ट, अनिल कपूर और विक्की कौशल जैसे एक्टर्स साथ ही एसएस राजामौली और एआर रहमान जैसे टॉप डायरेक्टर्स और मेकर्स भी शामिल होंगे।

बीच कॉन्सर्ट में भड़के सोनू निगम कहा- यही कारण है पहलगाम में जो हुआ

नई दिल्ली।सोनू निगम ने हाल ही में एक कॉलेज में परफॉर्मेंस दी थी। सिंगर अपना आइकॉनिक हिंदी गाने गा रहे थे, इसी बीच एक फैन जोर-जोर से चिल्लाते हुए कन्नड़-कन्नड़ बोलने लगा। ये सुनते ही सोनू निगम ने अपनी परफॉर्मेंस बीच में ही रोक दी और लड़के को जमकर फटकार लगाई। जहां एक तरफ देश में भाषा विवाद चल रहा है, वहां सोनू निगम का हाजिर जवाब लोगों को काफी पसंद आ रहा है। इतना ही नहीं सोनू निगम ने कॉन्सर्ट के बीच ही पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र कर डाला। फैन को फटकार लगाते हुए सोनू ने कहा, मुझे अच्छा नहीं लगा कि वहां पर एक लड़का, जिसकी उम्र उतनी नहीं होगी, जितने सालों से मैं कन्नड़ गाने गा रहा हूं। ये कितना रूड था कि वो भीड़ से चिल्ला रहा था- कन्नड़-कन्नड़। यही कारण है, पहलगाम में जो हुआ है न, यही कारण है, ये जो तुम कर रहे हो ये यहां पर।आगे सोनू निगम ने कहा, देखो तो कौन सामने खड़ा है। मुझे कन्नड़ लोग पसंद हैं। आय लव यू। मैं पूरी दुनिया में कहीं भी जाता हूं, चाहे ऑस्ट्रेलिया हो या इंडिया में किसी भी जगह जाऊं, 14 हजार की ऑडियंस होती है और उनमें से एक आवाज आती है, कन्नड़, तो मैं उनके लिए उस एक कन्नड़ के लिए भी कन्नड़ गाने गाता हूं। मैं आप लोगों की इतनी इज्जत करता हूं। ऐसा नहीं करना चाहिए आपको। मैंने जिंदगी में कई भाषाओं में गाने गाए हैं, लेकिन जो सबसे बेहतरीन गाना है वो कन्नड़ में गाया है। शोज तो हम लोग रोज करते हैं, लेकिन जब भी कर्नाटक में कहीं शो होता है तो हम बहुत इज्जत से आते हैं। क्योंकि आप लोगों ने हमें अपना परिवार माना है।हालांकि फैंस को डांट लगाने के बाद में सोनू निगम ने कन्नड़ भाषा में भी गाने गाए थे। ये पहली बार नहीं है जब सोनू निगम को मंच पर गुस्सा होते देखा गया है। इससे पहले भी साउथ में परफॉर्मेंस देते हुए कुछ स्टूडेंट हॉर्न बजाने लगे थे। ये देखकर सोनू ने परफॉर्मेंस बीच में ही रोक दी थी।

यश चोपड़ा के प्रपोजल पर मुमताज ने तोड़ी चुप्पी,बोलीं- उन्होंने कई बार शादी के लिए कहा लेकिन मैंने मना कर दिया

नई दिल्ली। वेटरन एक्ट्रेस मुमताज और यश चोपड़ा फिल्म 'आदमी और इंसान' में साथ काम किया था। कहा जाता है कि यश कभी मुमताज के प्यार में पागल थे और उनसे शादी करना चाहते थे। अब हाल ही में मुमताज ने यश चोपड़ा संग अपने रिश्ते पर बात की। उन्होंने कहा यश चोपड़ा अक्सर उनके घर आया करते थे और उन्हें बार-बार शादी के लिए प्रपोज भी किया करते थे। पत्रकार विक्की लालवानी के साथ बातचीत में मुमताज से पूछा गया कि क्या यह सच है कि यश चोपड़ा उन्हें पसंद करते थे और उनका पीछा करते थे। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'एक बार नहीं, बल्कि उन्होंने मुझसे शादी के लिए शायद हजार बार पूछा होगा। लेकिन मैं उनसे प्यार नहीं करती थी, तो मैं उनसे शादी कैसे कर सकती थी? मैं हजार बार कह रही हूं, ये थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर कह रही हूं। लेकिन उन्होंने कई बार मुझसे कहा कि ए मोटी, आई लव यू यार, मुझसे शादी कर लो।लेकिन देखिए, रिश्ते के साथ रिश्ता तभी बनता है जब आप उस इंसान से प्यार करते हों। आपको उस इंसान के करीब होना पसंद आता हो और इसके लिए आप दोनों के बीच केमिस्ट्री होनी चाहिए। अगर केमिस्ट्री ही नहीं है, तो आप एक शादीशुदा जोड़े की तरह कैसे रह सकते हैं? मेरे और उनके बीच वो केमिस्ट्री कभी नहीं थी।मुमताज ने कहा, मुझे यश चोपड़ा बतौर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर पसंद थे। लेकिन उनका रिश्ता कभी उस दायरे से आगे नहीं बढ़ा। एक इंसान के तौर पर वो सबसे बेहतरीन लोगों में से एक थे। सेट पर हमेशा लोगों को हंसाते रहते थे। जब उनका निधन हुआ, तो मैं फूट-फूट कर रोई थी।उस समय मैं लंदन में थी। उनके जाने से कुछ समय पहले ही उन्होंने मुझे फोन किया था और कहा था कि उनकी नई फिल्म जरूर देखूं। उन्होंने मुझसे कहा था कि वादा करो कि तुम ये फिल्म देखोगी। मैंने हां कहा था। लेकिन फिर वो चले गए। बहुत दुख हुआ, क्योंकि वो एक बहुत अच्छे इंसान थे।मुमताज ने आगे कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि वो इतनी जल्दी क्यों चले गए। मुझे नहीं पता कि उन्हें कौन-सी बीमारी थी। मुझे यकीन है कि उनके परिवार ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की होगी, लेकिन वो उन्हें नहीं बचा सके। एक पार्टी में उनकी बहू रानी मुखर्जी मुझसे मिलीं और कहने लगीं यश जी चाहते थे कि आप स्टूडियो आएं। आप कब आएंगी? मैं आपको पूरा स्टूडियो दिखाऊंगी। मैं वाकई में स्टूडियो देखना चाहती थी, क्योंकि वो उनकी आखिरी ख्वाहिश थी। लेकिन अब फोन करके टूर मांगना मुझे ठीक नहीं लगता।साल 2012 में यश चोपड़ा को डेंगू हुआ था, जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। लेकिन मल्टीपल ऑर्गन फेल होने की वजह से उनका निधन हो गया था। वो 80 साल के थे।

करीना कपूर ने किया पाकिस्तानी डिजाइनर के साथ डिनर,पहलगाम हमले के बाद हुई इस मुलाकात पर भड़के लोग

नई दिल्ली। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 भारतीय मारे गए। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने ली, जिसके बाद से ही भारतीयों में पाकिस्तान के प्रति आक्रोश है। फिल्म इंडस्ट्री के लोग भी पाकिस्तान का विरोध करते हुए बयान दे रहे हैं। इसी बीच करीना कपूर खान की एक तस्वीर वायरल हो गई, जिसमें वो पाकिस्तानी डिजाइनर के साथ डिनर करते दिख रही हैं। तस्वीर आते ही लोग करीना पर भड़क गए हैं। कुछ उन्हें गद्दार तक कह रहे हैं। ये भी बता दें कि हाल ही में फिल्म फेडरेशन ने ऐलान किया है कि किसी भी पाकिस्तानी कलाकार के साथ काम करने वाले शख्स पर देशद्रोह का केस किया जाएगा।तस्वीर में करीना कपूर जिनके कंधे में हाथ रखी हुई हैं, ये शख्स पाकिस्तानी डिजाइनर फराज मन्नान हैं। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद 27 अप्रैल को करीना कपूर दुबई गई थीं। दुबई में वो एक इवेंट का हिस्सा बनी थीं, जिसमें फराज भी शामिल हुए थे। फराज ने इस मुलाकात की तस्वीरें खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं, जो अब वायरल हो रही हैं। एक्स प्लेटफॉर्म पर एक यूजर ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा है, जहां एक तरफ भारत, पाकिस्तान से जंग कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ करीना कपूर पाकिस्तानी डिजाइनर के साथ दुबई में फोटोशूट करने में व्यस्त हैं। वो पहले भी उनके साथ काम कर चुकी हैं। पिछले साल करीना ने फिलिस्तीन को सपोर्ट किया था, लेकिन अब वो अपने देश के लिए खड़ी नहीं हो रही हैं। क्या सिर्फ आर्मी को ही देश के लिए कुर्बानी देना होता है। क्या बॉलीवुड सेलेब्स का कोई कर्तव्य नहीं है अपने देश के लिए।पोस्ट पर एक यूजर ने भड़कते हुए लिखा है, उनके पास देश के लिए करने के लिए कुछ नहीं है। उन्हें सिर्फ खुद से फर्क पड़ता है। वहीं कई यूजर उन्हें गद्दार कह रहे हैं।

मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी ट्रोलिंग पर दिया करारा जवाबःबोलीं- झूठी बातें फैलाने वालों पर दया आती है

नई दिल्ली। मौनी रॉय जल्द ही फिल्म द भूतनी में नजर आएंगी। हालांकि, इन दिनों वह अपने लुक को लेकर ट्रोलिंग का शिकार हो रही हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का दावा है कि एक्ट्रेस ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है और उनका बोटॉक्स ट्रीटमेंट खराब हो गया है। अब इस पूरे मामले में मौनी ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें उन लोगों पर दया आती है जो ऑनलाइन नेगेटिविटी फैलाते हैं। जूम के साथ बातचीत में मौनी से पूछा गया कि एक फीमेल एक्टर को खास तौर पर उनके लुक और फैशन को लेकर किस तरह की आलोचना का सामना करना पड़ता है। इसके जवाब में मौनी ने कहा, शुरुआत में जब मैंने वो कमेंट्स पढ़े थे और अब भी कभी-कभी जब मैं वो एआई वीडियो देखती हूं, तो मुझे अचानक एक अजीब सी फीलिंग होती है। क्रिंज महसूस होता है। ऐसा लगता है जैसे इसे झेल नहीं पा रही हूं। और फिर यह महसूस होता है कि वह मेरी ही शक्ल है, तो और भी अजीब लगता है। सोचिए, अगर किसी और को ऐसे देखे तो क्या महसूस होगा। जब मेरा चेहरा किसी और के शरीर पर फिट किया जाता है, तो वो अनुभव बहुत घिनौना लगता है।मैं सोचने में मजबूर हो जाती हूं कि आखिर लोग ऐसा क्यों करते हैं। इस तरह की चीजें करके वे क्या हासिल करना चाहते हैं? उनका उद्देश्य क्या है? क्योंकि ऐसा करके तो वे बस लोगों की नेगेटिवि प्रतिक्रियाएं और बद्दुआएं ही इकट्ठा कर रहे हैं। ऐसे काम करने वाले के लिए कोई भी अच्छी दुआ नहीं करेगा। मौनी ने कहा, 'शुरुआत में जब मैं इंस्टाग्राम पर आई और मुझे बहुत नफरत झेलनी पड़ी, तो मैं वाकई में उन लोगों की प्रोफाइल पर जाकर उन्हें ब्लॉक करने की कोशिश करती थी। लेकिन अब मुझे ऐसे लोगों पर दया आती है। मुझे लगता है कि उनके लिए प्रार्थना करनी चाहिए। ये लोग झूठे हैं, जो खुद को स्क्रीन के पीछे छिपाकर रखते हैं और इस तरह की बातें लिखते हैं। 'मैं अपने फैंस से मिलने वाले प्यार को कभी नकार नहीं सकती। लेकिन मुझे सच में लगता है कि इंटरनेट खासकर सोशल मीडिया एक बहुत ही नकारात्मक जगह बनता जा रहा है। लोग सिर्फ लाइक और अटेंशन के लिए दूसरों के बारे में बकवास और भद्दी बातें लिखते हैं। हालांकि मुझे समझ आ गया है कि उनके ऐसा करने से न तो मुझ पर और न ही मेरे काम पर कोई असर पड़ता है। इसलिए मैंने इन्हें नजरअंदाज करना शुरू कर दिया।फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मौनी रॉय संजय दत्त के साथ पहुंची थीं। इवेंट की तस्वीरें सामने आने के बाद मौनी को उनके बदले या कहें तो बिगड़े हुए लुक के चलते जमकर ट्रोल किया जा रहा था। ट्रोलर्स लगातार सर्जरी बिगड़ने की बात कहते हुए उन्हें ट्रोल करने लगे।

संजय दत्त ने माना- इंडस्ट्री का हो चुका है बंटवाराःभावुक होकर बोले- दुख होता है कि इंडस्ट्री बंट चुकी है, ऐसा कभी देखा नहीं था

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में

कई बड़ी फिल्में भी ज्यादा हिट नहीं हो रही हैं। बड़े स्टार्स की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर रही हैं और कई फिल्में चंद दिनों में ही थिएटर से उतर रही हैं। इस मुद्दे पर अब संजय दत्त ने भी माना है कि फिल्म इंडस्ट्री बंट चुकी है। इससे उबरने के लिए संजय दत्त ने इंडस्ट्री से एकजुट रहने की विनती की है। हाल ही में अपकमिंग फिल्म द भूतनी के प्रमोशनल इवेंट में संजय दत्त ने कहा है, दुख होता है कि अपनी इंडस्ट्री बंट चुकी है, जो कभी देखा नहीं था। हम लोग एक फैमिली थे और हमेशा रहेंगे, आगे भी चल कर। थोड़ा भटक गए हैं। मैं ये कहना चाहता हूं हर पिक्चर इंपॉर्टेंट होती है, इस इंडस्ट्री के लिए। हर पिक्चर को वो मौका देना चाहिए, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर, प्रमोटर सबको हर किसी के लिए बराबर होना चाहिए।आगे उन्होंने कहा, भूतनी को इतना जोर नहीं दिया जा रहा है, लेकिन मुझे पता है कि पिक्चर बहुत आगे निकलेगी। मैं विनती करता हूं कि फिल्म इंडस्ट्री एक साथ खड़ी हो और एक दूसरे की मदद करे। जिससे फिल्म इंडस्ट्री तरक्की कर सके। मैं सिर्फ अपनी बात नहीं कर रहा हूं। पूरी अपनी कम्युनिटी की बात कर रहा हूं, पूरी इंडस्ट्री की बात कर रहा हूं, आई लव माय इंडस्ट्री। बताते चलें कि मंगलवार को मुंबई में फिल्म द भूतनी का प्रमोशनल इवेंट रखा गया था। इस दौरान फिल्म की पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। इवेंट में संजय दत्त ने ओपन जीप से शानदार एंट्री ली।फिल्म द भूतनी एक हॉरर ड्रामा फिल्म है, जिसमें संजय दत्त, मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह लीड रोल में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसका निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है।

सलमान से शादी पर अमीषा पटेल का रिएक्शन,बोलीं- वैसे तो मैं उनकी दोस्त हूं, शादी के लिए पहले देखूंगी वो सुधरे हैं या नहीं

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने हाल ही में सलमान

खान के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि मैंने अपने सामने बहुत सारे रिश्ते देखे है। मैं किसी को जज नहीं कर सकती। लेकिन हां, मैं नहीं चाहती की सलमान खान कभी भी शादी करें। फिल्मीमंत्रा से बातचीत में अमीषा पटेल ने फिल्म इंडस्ट्री में शादी और तलाक को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने आसपास हर तरह के रिश्ते देखे हैं। मैं संजू जैसे रिश्ते भी देखे और फिर कोई ऋतिक जैसा भी है, जिनका तलाक हो चुका है। लेकिन वह और सुजैन के साथ मिलकर आज भी बच्चों की परवरिश कर रहे हैं। इतना ही नहीं दोनों बेहद अच्छे दोस्त भी हैं। तो मैं कौन होती हूं किसी को जज करने वाली?'अमीषा पटेल ने सलमान खान के बारे में कहा, सलमान खान काफी कूल इंसान हैं। सच कहूं तो मैं नहीं चाहती कि वो कभी भी शादी करें। वो बहुत कूल हैं। लोगों से प्यार करने वाले और ख्याल रखने वाले इंसान हैं और सभी के साथ अच्छे हैं।सलमान खान के साथ शादी करने पर अमीषा पटेल ने कहा, 'मुझे सलमान का पूरा इंटरव्यू लेना पड़ेगा कि आप सुधरे हो या नहीं। वो एक दोस्त के रूप में इतने प्यारे हैं कि मैंने उन्हें कभी उस नजर से देखा ही नहीं, क्योंकि वो हमेशा मेरे लिए एक अच्छे दोस्त रहे हैं। बहुत शरारती दोस्त। वो मुझ पर बहुत सारी शरारतें करते हैं और मुझे रुला भी देते हैं। उन्होंने मेरा नाम 'मीना कुमारी' रख दिया है, क्योंकि मैं उनके साथ बार-बार रो देती हूं। तो हमारा रिश्ता ऐसा है। मैं खुद को उस तरह से देख ही नहीं सकती।

पाकिस्तान ने भारतीय गानों पर लगाई पूरी तरह रोकःकलाकारों पर बैन के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगा दिया है। उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी ब्लॉक कर दिया गया है। इसके साथ ही भारत में 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इस कार्रवाई से नाराज होकर अब पाकिस्तान ने भी भारतीय गानों पर रोक लगा दी है। पाकिस्तान ने गुरुवार, 1 मई को अपने एफएम रेडियो स्टेशनों पर भारतीय गानों का प्रसारण रोक दिया है। इस बात की जानकारी खुद पाकिस्तान ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन के महासचिव शकील मसूद ने दी। उन्होंने कहा, 'पीबीए' ने देशभर में पाकिस्तानी एफएम रेडियो स्टेशनों पर भारतीय गानों के प्रसारण को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने पाकिस्तान ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन के फैसले की सराहना की है।'पीबीए' को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा, 'पीबीए' का यह देशभक्ति से प्रेरित कदम बेहद सराहनीय है।

'पाकिस्तानी ड्रामा 'शेर' ने चुराया रणवीर-दीपिका की फिल्म का सीन?सोशल मीडिया पर यूजर्स ने किया ट्रोल, बोले- लो बजट वाले राम और लीला

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद न सिर्फ भारत बल्कि दुनियाभर में इस घटना को लेकर गुस्सा है। इस बीच एक नया पाकिस्तानी ड्रामा 'शेर' रिलीज से पहले ही चर्चा में आ गया है। सोशल मीडिया यूजर्स का दावा है कि इस शो में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' के एक सीन की हूबहू नकल की गई है। पाकिस्तानी एक्टर्स दानिश तैमूर और सारा खान के नए ड्रामा 'शेर' का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। इसमें दोनों कलाकार बंदूकें थामे एक-दूसरे की ओर निशाना साधे दिखाई दे रहे हैं, जिससे कहानी में रोमांच और टकराव दोनों का अंदाजा लगाया जा सकता है।टीजर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स के रिएक्शन सामने आने लगे। उनका मानना है कि इस सीन की झलक बॉलीवुड फिल्म 'राम लीला' से मिलती-जुलती है, जिसमें रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने मुख्य भूमिका निभाई थी। ड्रामा की कहानी भी प्यार और दुश्मनी के इर्द-गिर्द घूमती दिख रही है।

पलक तिवारी के भाई संग मस्ती करते दिखे इब्राहिम,सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल, फैंस बोले- दोनों ने अपना रिश्ता किया कंफर्म!

नई दिल्ली। पलक तिवारी की फिल्म द भूतनी आज रिलीज हो गई है। हाल ही में फिल्म की स्क्रीनिंग में न सिर्फ स्टार कास्ट शामिल हुई, बल्कि पलक के रूमर्ड बॉयफ्रेंड इब्राहिम अली खान भी नजर आए। इब्राहिम और पलक ने इस दौरान एक-दूसरे को गले लगाया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसके अलावा, इब्राहिम को पलक के सौतेले भाई के साथ मस्ती करते हुए भी देखा गया।

इसके बाद से ही फैंस का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते को अब कंफर्म कर दिया है। दरअसल, फिल्म द भूतनी का 30 अप्रैल को स्क्रीनिंग रखी गई थी। इसमें पलक तिवारी की मां श्वेता तिवारी और उनके छोटे भाई रेयांश भी पहुंचे थे। इस दौरान रेयांश के साथ इब्राहिम अली खान काफी मस्ती करते नजर आए।जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो फैंस भी काफी खुश हो गए। एक के बाद यूजर्स ने इस वीडियो पर अपना रिएक्शन देना शुरू कर दिया।

एक्ट्रेस को भांजी कहता था पुजारी, पहले बहलाया फिर अबॉर्शन करवाया और बेदर्दी से ली जान

कोयंबटूर। ये कहानी है तमिलनाडु के कोयंबटूर की रहने वाली टीवी एक्ट्रेस कुरुगंती अप्सरा की, जिनकी हत्या की कहानी दिल दहलाने वाली है। हत्या भी उन्होंने की जिनके बारे में कभी कोई सोच भी नहीं सकता। अप्सरा के पति ने आत्महत्या कर ली थी और उसके बाद वो अपने लिए नई जिंदगी चाहती थीं। इसके लिए प्लान भी कर लिया औ? दोस्तों के साथ वो कोयंबटूर के लिए निकलने वाली थीं। इसी प्लान के तहत वो घर से भागीं, लेकिन न तो दोस्तों के साथ कोयंबटूर पहुंचीं और न ही वापस घर लौटीं। लंबे समय बाद उनकी बॉडी एक सेप्टिक टैंक में सड़ी-गली हालत में मिली। ऐसा लग रहा था जैसे पत्थर से किसी ने चेहरे को कुचल डाला हो, हाल ही में सौरभ की हत्या को जिस तरह से उनकी पत्नी मुस्कान और उसके बॉयफ्रेंड ने अंजाम दिया था, ये उससे भी अधिक क्रूर और वीभत्स था। क्योंकि जब सारा सच सामने आया तो सुनने वाला हर कोई शर्मशार भी था।दरअसल जब कुरुगंती अप्सरा कोयंबटूर के लिए घर से निकलीं तो पड़ोस में रहने वाले अयागरी साई कृष्ण (अयागरी हैदराबाद के सरूरनगर की बंगारू मियासम्मा मंदिर के पुजारी) से मदद मांगी। वो चूंकि मंदिर अक्सर जाती थीं तो उन्हें पहचानती भी थीं। कहते हैं एक्ट्रेस की मां पुजारी को अपने भाई की तरह मानती थीं। अप्सरा मां को बताकर निकली थीं और मां ने उनसे कहा था कि जब वो बस में बैठ जाए तो उन्हें बता दे।उनका फोन नहीं आया और फिर शुरु हुई छानबीन। अगली सुबह मां ने उन्हें कॉल किया तो उनका फोन

बंद था। उन्हें चिंता हुई तो वो पुजारी के पास पहुंचीं। मां को पुजारी ने बताया कि उन्होंने देर रात कुरुगंती को सहेलियों के पास छोड़ दिया था। जब उन्होंने ये बताया कि वो बस नहीं बल्कि कार से निकली थीं तब घरवाले परेशान हो उठे।इसके बाद कुरुगंती की मां अरुणा, पुजारी के साथ मिलकर ही बेटी की तलाश करने लगीं लेकिन उन्हें कुछ पता नहीं लगा। आखिरकार 5 जून 2023 को उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाने का फैसला मां ने किया। पुजारी ने भी मदद की और उनके साथ राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन पहुंचे, क्योंकि वो ही आखिरी शख्स थे, जिन्होंने अप्सरा को आखिरी बार देखा था। उनके बयान के आधार पर मामला दर्ज हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना दी कि वो उन्हें भांजी मानते थे और 3 जून की रात साढ़े 10 बजे उन्हें लेकर निकले और उन्हें शमशाबाद में उनकी सहेलियों के पास ड्रॉप कर दिया और इसके बाद ही उनका फोन बंद है।पुलिस ने जांच शुरू की और अप्यरा के दोस्तों से पूछताछ की तो उन्हें पता लगा कि वो शमशाबाद आई ही नहीं थीं। अब पुलिस के निशाने पर पहला शख्स पुजारी थी और फिर सरूरनगर से शमशाबाद की 21 किलोमीटर के रास्ते के सभी सीसीटीवी फुटेज को चेक किया गया। उन्हें पता लग गया कि पुजारी ने कुरुगंती को पिक किया लेकिन दोस्तों के पास उन्हें ड्रॉप नहीं किया।पुलिस ने सख्ती की और पुजारी ने सारा गुनाह कुबूल लिया। उसने बताया कि रास्ते में उसे नींद लगने लगी तो उसने उसका सिर गाड़ी के डैशबोर्ड पर पटका और जब वो चीखने लगी तो कार में ही रखे एक भारी पत्थर से उनका फेस तब तक कुचलता रहा जब तक उसकी जान नहीं चली गई। और ये सब अचानक नहीं हुआ, क्योंकि इसकी साजिश उसने काफी पहले से कर रखी थी। जिस दिन पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करी उसी दिन पुजारी ने अपने घर और मंदिर के पास बने सरकारी मंडल रेवेन्यू ऑफिस के पास मौजूद सैप्टिक टैंक में लाश फेंक दी। सफाई के बहाने उस टैंक में 2 ट्रक भरकर लाल मिट्टी डलवा दी और भी खुद ही सड़न की शिकायत कर उस सैप्टिक टैंक को सीमेंट से सील भी करवा दिया।

मधुरिमा तुली जल्द ही जॉन की 'तेहरान' में नजर आएंगी

नई दिल्ली। पूछने पर की आप 'तेहरान' में नजर आने वाली हैं। इस प्रोजेक्ट से आप कैसे जुड़ीं? तो उन्होंने बताया 'तेहरान' में मैं जॉन अब्राहम जी की पत्नी का किरदार निभा रही हूं। यह एक बहुत ही खूबसूरत रोल है, जो परिवार की तरह दिल और आत्मा है। मुझे इस फिल्म की शूटिंग के दौरान सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। फिल्म में मानुषी छिल्लर और नीरू बाजवा भी हैं। इसे मैडॉक फिल्म्स प्रोड्यूस कर रही है और पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा। अचानक ही मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया। फिल्म की शूटिंग पहले से चल रही थी और मुझे लास्ट मिनट पर कॉल आया। पहले मुझसे मेरी डेट्स पूछी गईं और कुछ सीन पढ़ने के लिए दिए गए। उसके बाद कुछ समय तक कोई कॉल नहीं आया, लेकिन लगभग दो हफ्ते बाद मुझे बताया गया कि मुझे इस फिल्म के लिए फाइनल कर लिया गया है। वह पल मेरे लिए बहुत खुशी भरा था।सेट पर पहुंचने के बाद ही मेरी सबसे पहली बार मुलाकात हुई। उससे पहले मैं किसी से नहीं मिली थी। बाद में मुझे पता चला कि टीम को 'बेबी' में मेरा किरदार बहुत पसंद आया था और उसी के आधार पर उन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए चुना। फिल्म का शूट दिल्ली में हुआ, जो करीब 5-6 दिनों तक चला। यह ज्यादा लंबा शूट नहीं था। मैंने मजाक में उनसे यह भी कहा था कि मेरा रोल थोड़ा बढ़ा दीजिए, क्योंकि मुझे शूटिंग में बहुत मजा आ रहा था। लेकिन जो किरदार था, मैंने वही निभाया।

राशिफल

मेष-ः रुके काम को दोबारा शुरू करने की कोशिश सफल रहेगी। आप तनावमुक्त होकर अपनी दिनचर्या पर ध्यान दे पाएंगे। आपको किसी पार्टी में जाने का मौका मिलेगा और प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

वृष-ःआपके निजी काम समय पर पूरे होते जाएंगे। दिन के दूसरे हिस्से में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन आप अपने आत्मविश्वास और काबिलियत से उनका हल आसानी से निकाल लेंगे। किसी मनोरंजन की जगह पर जाने का भी कार्यक्रम बनेगा।

मिथुन-ःआज आप कई तरह के कामों में व्यस्त रहेंगे। इस समय की गई मेहनत का अच्छा फल आपको जल्दी ही मिलेगा। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से जुड़े कामों में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। कोई मजेदार कार्यक्रम भी बनेगा।

कर्क-ःघर के किसी सदस्य के भविष्य के लिए की गई आपकी मेहनत और लगन का आज अचानक फायदा मिलने वाला है। रहस्यमयी विद्याओं में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपकी तरक्की के लिए भी कुछ नए रास्ते खुलने वाले हैं।

सिंह-ः आप अपने सकारात्मक नजरिए और संतुलित सोच के साथ कामों को ठीक करते जाएं। धीरे-धीरे हालात आपके पक्ष में होते जाएंगे। आपकी भावुकता की जगह समझदारी भरा रवैया आपकी तरक्की में मदद करेगा।

कन्या-ःआज आप रुके हुए किसी मामले या काम को बड़ी कुशलता और शांति से निपटाने में कामयाब रहेंगे। बच्चे आपकी बात मानेंगे। युवाओं का इंटरव्यू में शानदार प्रदर्शन रहेगा। समाज और सामाजिक कामों में भी आपका योगदान रहेगा।

तुला-ःव्यवस्थित माहौल रहेगा, लेकिन दूसरों से सलाह लेने के बजाय अपने मन की सुनें और उस पर अमल करें। इससे आप बेहतरीन तरीके से अपने कामों को पूरा कर पाएंगे। किसी पॉलिसी में पैसा लगाने की सोच रहे हैं तो तुरंत फैसला लें।

वृश्चिक-ःआज आपको अपनी मेहनत का अच्छा फल मिलने वाला है, जिससे आप बहुत सुकून और खुशी महसूस करेंगे। कुछ समय से आप अपने अंदर अद्भुत बदलाव भी महसूस कर रहे होंगे। अगर आज कोई मीटिंग तय है, तो पूरे आत्मविश्वास के साथ जाएं।

धनु-ःघर में करीबी रिश्तेदारों के आने से खुशनुमा माहौल रहेगा। समाज में भी आपकी योग्यता और काबिलियत की तारीफ होगी। इस समय बचत जैसे कामों में भी फायदेमंद स्थिति बन रही है। धार्मिक कार्यक्रम भी हो सकता है।

मकर-ःसमझदारी से काम लें और सिर्फ अपने बारे में सोचें और अपने लिए ही काम करें। कोई भी काम करने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोच-विचार ज़रूर कर लें। थोड़ी सी सावधानी बरतने से काफी चीजें अपने आप ही ठीक हो जाएंगी।

कुंभ-ःआज किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से कोई झगड़े वाला मामला सुलझाने का अच्छा समय है। आप घर या व्यापार से जुड़ी सभी जिम्मेदारियों को बड़ी गंभीरता और लगन से निभाएंगे। विद्यार्थी और युवा वर्ग अपनी पढ़ाई और करियर को लेकर जागरूक रहेंगे।

मीन-ःकिसी भी मुश्किल हालात में आप अपनी योग्यता और काम करने के तरीके से हल निकाल ही लेंगे। महिलाएं खासकर अपने सभी कामों को अच्छे से पूरा कर पाएंगी। सफल होने के लिए थोड़ा स्वार्थी होना भी जरूरी है।

अंपायर से भिड़ने के बाद शुभमन गिल ने अभिषेक शर्मा को मारी 'लात', कैमरे में कैद हुई घटना

नई दिल्ली। अहमदाबादः गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल बीते

शुक्रवार को सनराइज़र्स हैदराबाद के खिलाफ काफी ज्यादा चर्चा में रहे। उन्होंने पहले अपने बल्ले से पहले गरदा उड़ाया। गिल ने 38 गेंदों पर 76 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 2 छक्के शामिल थे। फिर उसके बाद वह एक नहीं बल्कि दो-दो बार अंपायर से भिड़े। इतना ही नहीं बल्कि इसके बाद अब उनकी एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा को लात मारते हुए नजर आ रहे हैं। आइये, आपको इस घटना के बारे में विस्तार से बताते हैं।दरअसल, सनराइज़र्स हैदराबाद की पारी के 14वें ओवर में जमकर बवाल हुआ था। अभिषेक के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील हुई थी, जिसको अंपायर ने नॉट आउट करार दिया था। इसके बाद गुजरात ने डीआरएस लिया, बॉल ट्रेकिंग में देखा जा सकता था कि गेंद स्टंप्स पर लग रही है। लेकिन उसका इम्पैक्ट अंपायर्स कॉल था। लेकिन बॉल ट्रेकिंग के दौरान गेंद कहां पिच हो रही है यह नहीं दिखाया गया।इसके बाद बवाल हो गया।गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल अंपायर से भिड़ गए। हालांकि, उनको फिर हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ने शांत करवाया। इसके बाद जब अभिषेक शर्मा नीचे मैदान पर बैठ हुए थे और फीजियो उनको देख रहे थे तो उनके पास शुभमन गिल आए और उन्होंने मजाकिया अंदाज में अभिषेक को लात मारी। बता दें कि दोनों की बॉन्डिंग काफी अच्छी है। दोनों काफी अच्छे दोस्त हैं।आईपीएल 2025 के 51वें मैच में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रन से धूल चटाई। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग की थी। ऐसे में जीटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 225 रन का टारगेट हैदराबाद को दिया था। लेकिन गुजरात ने उनको 186 रन पर ही रोक दिया। इस जीत के साथ टाइटंस के अब 14 पॉइंट्स हो गए हैं।

अनुष्का शर्मा के बर्थडे पर विराट कोहली ने अवनीत कौर की फोटो लाइक की, लोग काट रहे बवाल

नई दिल्ली। विराट कोहली के सोशल मीडिया पर एक गतिविधि

ने अचानक हलचल मचा दी। यह हलचल तब मची जब फैंस ने देखा कि उन्होंने अभिनेत्री अवनीत कौर के एक फैन पेज की पोस्ट को लाइक किया था। इस हरकत ने तुरंत लोगों का ध्यान खींचा और कई तरह की प्रतिक्रियाएं आईं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने मजाक करना शुरू कर दिया और उनकी पत्नी, अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को अपनी टिप्पणियों में घसीटने लगे। हैरानी की बात यह थी कि ये सब अनुष्का शर्मा के बर्थडे पर हुआ। विराट ने पहले तो चुप्पी साधे रखी, लेकिन बाद में, जब उनके पोस्ट को लाइक करने के स्क्रीनशॉट एक्स और इंस्टाग्राम पर वायरल होने लगे, तो क्रिकेटर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज के माध्यम से इस स्थिति पर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा कि एल्गोरिदम की वजह से ऐसा हुआ। कोहली ने हाल ही में अनुष्का शर्मा का जन्मदिन मनाया। वे दोनों 2017 में शादी के बंधन में बंधे थे। उनका एक बेटा भी है जिसका नाम अकाय है।विराट कोहली के एक सोशल मीडिया पोस्ट को लाइक करने से इंटरनेट पर खूब चर्चा हुई। दरअसल, उन्होंने अभिनेत्री अवनीत कौर के एक फैन पेज की पोस्ट को लाइक कर दिया था। लोगों ने इस पर तरह-तरह की बातें कीं और अनुष्का शर्मा का नाम भी इसमें घसीटा गया। विराट कोहली ने इस मामले पर सफाई दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, "मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरे फीड को साफ करते समय, ऐसा लगता है कि एल्गोरिदम ने गलती से एक इंटरैक्शन दर्ज कर लिया। इसके पीछे बिल्कुल भी कोई इरादा नहीं था। मेरा अनुरोध है कि कोई अनावश्यक धारणा न बनाई जाए। आपकी समझ के लिए धन्यवाद।"इसके बाद, उन्होंने उस पोस्ट से लाइक हटा दिया।विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने 2017 में शादी की थी। उनका एक बेटा है जिसका नाम अकाय है। वे अभी लंदन में रह रहे हैं और अपने बच्चों, वामिका और अकाय को लाइमलाइट से दूर रखना चाहते हैं। विराट कोहली अभी आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल रहे हैं। उनकी टीम ने इस साल अच्छा प्रदर्शन किया है और 10 में से 7 मैच जीते हैं।

देसी अंदाज में बूफर कंधे पर रखकर धौंस जमाते दिखा विराट कोहली का खिलाड़ी

नई दिल्लीः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल 2025 अब तक किसी सुनहरे सपने से कम नहीं रहा है। टीम ने अब तक

11 मैच खेले हैं और 14 अंक हासिल की हैं। प्लेऑफ में आरसीबी की जगह लगभग पक्की हो गई है। वह पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं आरसीबी का आज यानी 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच भी है अगर आरसीबी जीतती है तो वह 16 अंक के साथ अंक तालिका में टॉप पर आ जाएगी।

मैच जीतकर भी फंसे श्रेयस अय्यर... टीम की एक गलती के लिए लाखों की सजा, बीसीसीआई ने किया ऐलान

चेन्नई। आईपीएल 2025 के हाईवोल्टज मैच में पंजाब किंग्स की टीम चेन्नई सुपर किंग्स को उसी के घर में हराने में कामयाब रही। इस मैच को पंजाब की टीम ने 4 विकेट से अपने नाम किया। पंजाब की ओर से उनके स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने एक हैट्रिक ली। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी 72 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। हालांकि इसके बावजूद भी अय्यर पर बीसीसीआई ने उनकी एक बड़ी गलती के लिए जुर्माना लगाया है।पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर स्लो ओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया गया है। यह पंजाब किंग्स की इस सीजन में पहली गलती थी। इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा। मैच में प्रभसिमरन सिंह का अर्धशतक और युजवेंद्र चहल की हैट्रिक भी देखने लायक थी। पंजाब ने सीएसके को

चार विकेट से हराया और उसे प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। अय्यर ने मैच के बाद कहा कि उन्हें रन चेज करना पसंद है।चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम में यह मुकाबला हुआ। श्रेयस अय्यर पर यह जुर्माना आईपीएल के नियमों के अनुसार लगा है। आईपीएल के नियम 2.2 के अनुसार, अगर कोई टीम तय समय में ओवर पूरे नहीं करती है, तो उस टीम के कप्तान पर जुर्माना लगाया जाता है। मैच जीतने के बाद अय्यर ने कहा कि उन्हें बड़े स्कोर का पीछा करना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे किसी भी मैदान पर चेज करना पसंद है। मुझे लगता है कि जब बोर्ड पर एक बड़ा टोटल होता है और आपको टीम के लिए चार्ज लेने और मोमेंटम बनाने की जरूरत होती है ताकि बाकी बल्लेबाज आएं और फुल थ्रॉटल जाएं, तो मैं अच्छा महसूस करता हूं।श्रेयस अय्यर ने अपने घर में खराब प्रदर्शन के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते हैं। चेज के बारे में बात करते हुए अय्यर ने कहा कि टीम ने कोच रिकी पोंटिंग के साथ तीव्रता बढ़ाने और सीएसके के डेथ बॉलर के खिलाफ कोई मौका नहीं छोड़ने के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, 'इसलिए दृष्टिकोण यह था कि पावर हिटर के नीचे आने और खुद का समर्थन करने के साथ गेंदबाजों पर आक्रमण किया जाए। जब मैं अंदर गया, तो मैंने कहा कि मुझे यह देखने के लिए कुछ गेंदें खेलने की जरूरत है कि विकेट कैसा खेल रहा है। जब मैंने दस गेंदें खेलीं, तो मैंने जाना शुरू कर दिया।

साई सुदर्शन के नाम दर्ज हुआ बड़ा कीर्तिमान, दिग्गज सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़कर किया यह कारनामा

नई दिल्लीः इंडियन प्रीमियर लीग

2025 का 51वां मैच गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। इस मैच को मेजबान टीम गुजरात टाइटंस ने 38 रन से अपने नाम कर लिया। जीटी के युवा ओपनर साई सुदर्शन इस सीजन प्रचंड फॉर्म में चल रहे हैं। वह लगातार रन बना रहे हैं। हर मैच में उनका बल्ला गरज रहा है। ऐसे में हैदराबाद के खिलाफ भी हमको साई का जादू देखने को मिला। सुदर्शन ने 9 चौकों की मदद से 23 गेंद में 48 रन ठोके।इसी के साथ उन्होंने इस सीजन खेले गए 10 मैचों में 504 रन भी बना लिए हैं। उनके इस वक्त आईपीएल के 18वें सीजन में सबसे ज्यादा रन हैं। वहीं हैदराबाद के खिलाफ साई ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है और क्रिकेट के भगवान के नाम से मशहूर सचिन तेंदुलकर को भी इस लिस्ट में पीछे छोड़ दिया है। 23 साल के साई सुदर्शन ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़कर एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया है। वह टी20 क्रिकेट में 2000 रन बनाने वाले सबसे तेज भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। सुदर्शन ने यह कारनामा 54 पारियों में किया है जबकि सचिन ने टी20 में 2000 रन 59 पारी खेलकर पूरे किए थे। सुदर्शन टी20 फॉर्मेट में सबसे कम पारियों में 2000 रन बनाने वाले दूसरे प्लेयर बन गए हैं। उनसे ऊपर सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श हैं, जिन्होंने 53 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। बता दें कि साई भारतीय टीम के लिए भी डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए 3 वनडे और 1 टी20 मैच भी खेला है। टी20 में सबसे तेज 2000 रन पूरे करने वाले खिलाड़ी 53 शॉन मार्श, 54 साई सुदर्शन, 58 ब्रैड हॉज /मार्कस ट्रेस्कोथिक/मुहम्मद वसीम,59 सचिन तेंदुलकर/डार्सी शॉर्ट

जो हिंदुओं के साथ बैठने से... शाहिद अफरीदी से भिड़ गया पाकिस्तान का खिलाड़ी, सरेआम खोल दी पोल

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए

आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के बयानों का सिलसिला जारी है। अफरीदी, जो किसी पद पर नहीं हैं, फिर भी लगातार कुछ न कुछ बोल रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तानी आर्मी की वर्दी पहनकर अटारी-बाघा बॉर्डर का दौरा भी किया। इस बीच, एक टीवी कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय सेना को 'नालायक निकम्मा' कहा। इस बयान के बाद, भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए अफरीदी को नसीहत दी कि वे अपने देश की तरक्की पर ध्यान दें। अफरीदी ने इसके जवाब में 'फैंटास्टिक टी' वाला कमेंट किया, जिसके बाद एक पाकिस्तानी खिलाड़ी ने ही अफरीदी का सोशल मीडिया पर मजाक बनाया है।हाल ही में, अफरीदी पाकिस्तानी आर्मी की वर्दी पहनकर अटारी-बाघा बॉर्डर पर दिखाई दिए थे। इसके बाद, उन्होंने एक टीवी कार्यक्रम में भारतीय सेना के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने भारतीय सेना को 'नालायक निकम्मा' कह दिया। अफरीदी के इस बयान पर भारत के पूर्व ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। धवन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कारगिल में भी हराया था। ऑलरेडी इतना गिरे हुए हो और कितना गिरोगे। बेवजह कमेंट पास करने से अच्छा है अपने देश की तरक्की में दिमाग लगाओ। हमें हमारी भारतीय सेना पर बहुत गर्व है। भारत माता की जय! जय हिंद!

धागे से लटकते दाढ़ी के सफेद बालों के पीछे हैं 4 कारण, 5वें नंबर पर डॉ. प्रीती ने बता गई बाल काले करने की ड्रिक

नई दिल्ली। क्या आप अपनी दाढ़ी के बालों के सफेद होने से परेशान हैं? अगर हां और उन्हें काला करने के

लिए आप तरह-तरह के हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं तो रुक जाएं। पहले डॉक्टर प्रीती माहिरे के बताए उन 4 कारणों के बारे में जानें, जो दाढ़ी के सफेद होने का कारण हैं। साथ ही डॉक्टर ने एक असरदार ड्रिंक भी बताई है जो दाढ़ी को काला करने में मदद करेगी।सिर के सफेद होते बालों से तो हर कोई परेशान था ही, लेकिन अब लड़कों के दाढ़ी के बाल भी सफेद होने लगे हैं। जी हां, कुछ लड़कों ने इन्हें फैशन का एक ट्रेंड बना दिया है तो कोई इनसे परशान होकर हेयर कलर का इस्तेमाल करने लगे हैं। कोई भी नुस्खा या डाई का इस्तेमाल करने से पहले हमें समस्या के मूल कारण को जानना चाहिए। क्या आप जानते हैं आपकी दाढ़ी के बाल काले क्यों हो रहे हैं? नहीं न? क्योंकि हम तुरंत इलाज करने के चक्कर में भूल जाते हैं कि अगर सफेद बाल या बियर्ड की समस्या के कारण को जान लिया जाए तो उन्हें ठीक करने में मदद मिल सकती है। इस बारे में क्लीनिकल कोस्मेटोलॉजिस्ट और ट्रीरोवोजिल्च डॉक्टर प्रीति माहिरे का कहना है, कि दाढ़ी का सफेद होना या दाढ़ी के बालों का समय से पहले सफेद होना, मुख्य रूप से हेयर फॉलिकल्स में मेलेनिन के प्रोडक्शन में कमी आने के कारण होता है। इसी के साथ डॉक्टर ने 4 और कारण बताए हैं।बालों के जल्दी सफेद होने का कारण जेनेटिक्स भी सकते हैं। यानी कि अगर आपके माता-पिता या दादा-दादी को बाल जल्दी सफेद होने की समस्या थी या है, तो फिर आपके बाल भी सफेद होने की दिक्कत बढ़ जाती है। साथ ही जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, आपके शरीर में मेलेनिन प्रोडक्शन और वितरण कम हो सकता है, जिससे आपके बाल सफेद या भूरे हो सकते हैं।इसमें पहला फैक्टर स्ट्रेस आता है, जिसके बारे में डॉक्टर ने बताया कि क्रोनिक स्ट्रेस बालों के रोम में स्टेम कोशिकाओं की कमी का कारण बन सकता है, जिससे संभावित रूप से बालों के सफेद होने का प्रोसेस तेज हो सकता है।धूम्रपान- धूम्रपान ब्लड वेसेल्स में जकड़न पैदा कर देता है, जिससे बालों हेयर फॉलिकल्स में ब्लड फ्लो कम हो सकता है और संभावित रूप से उन्हें नुकसान पहुंच सकता है और बियर्ड सफेद हो सकती है। डाइट- खराब पोषण, विशेष रूप से विटामिन और खनिजों की कमी, बालों के स्वास्थ्य और पिगमेंटेशन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।बाकी कारणों के अलावा कुछ मेडिकल कंडीशन भी आपके दाढ़ी के बाल सफेद होने का कारण बन सकती हैं। ऑटोइम्यून बीमारियां बालों के रोम में पिगमेंट पैदा करने वाली कोशिकाओं पर हमला कर सकती हैं, जिससे समय से पहले बाल सफेद होने लगते हैं। इन्हीं में से एक थायराइड की समस्या है, जो भी बालों में बदलाव ला सकती हैं और उन्हें सफेद कर सकती है। बियर्ड वाइट होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे एनवायरनमेंट डैमेज और पोषण। डॉक्टर ने बताया कि सूर्य की यूवी किरणों या हार्ड केमिकल के संपर्क में आने से बाल खराब हो सकते हैं और संभावित रूप से वाइट हो सकते हैं। साथ ही बी12, फोलेट और आयरन जैसे कुछ विटामिन और खनिजों की कमी से भी बालों की रंगत और स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।डॉक्टर ने बताया कि आप आंवला का जूस पिएं। आंवला विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो समय से पहले बालों को सफेद होने से रोकने और हेल्दी बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। आपको इसे रोज सुबह पीना शुरू करना है और असर आपको खुद ब खुद देखने को मिल जाएगा।

खुद पीडियाट्रिशियन ने कहा 'ये 5 काम कर लोगे, तो बच्चे की हाइट जरूर बढ़ेगी वरना बौना ही रह जाएगा

नई दिल्ली। अक्सर मां-बाप अपने बच्चे की सेहत की चिंता करते हैं और इसमें उन्हें बच्चे की

हाइट को लेकर भी काफी स्ट्रेस रहता है। कुछ मां-बाप को यह डर सताता है कि उनके बच्चे की हाइड बढ़ेगी या फिर उसका कद छोटा ही रह जाएगा। वैसे तो हाइट जींस पर निर्भर करती है लेकिन खानपान और जीवनशैली का भी इस पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जी हां, पीडियाट्रिशियन डॉक्टर रवि मलिक का भी कुछ ऐसा ही कहना है कि बच?चे जो खाते हैं और जिस तरह का लाइफस्टाइल जीते हैं, उसका असर बच?चे की हाइट पर भी पड़ता है। इसके साथ ही डॉक्टर रवि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर के ऐसी पांच चीजों के बारे में बताया है जो बच?चों की हाइट को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। बच?चों का कद लंबा करने के लिए डॉक्टर रवि उन्हें संतुलित आहार लेने की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि बच्चे के खाने में प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स जैसे कि आयरन, जिंक और कैल्शियम होना चाहिए। बच्चे को जंक फूड बिलकुल नहीं देना है। ये उसकी डेवलपमेंट को खराब कर सकता है।डॉक्टर रवि ने हाइट बढ़ाने के लिए अच्छी और गहरी नींद की भी सलाह दी है। उन्होंने बताया कि गहरी नींद के दौरान बच्चे के शरीर में ग्रोथ हार्मोन बढ़ता है जिससे न केवल हाइट बढ़ती है बल्कि उसकी हड्डियां और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। पेरेंट्स इस बात का ध्यान रखें कि उनका बच्चा पर्याप्त नींद ले रहा है या नहीं। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे की ग्रोथ अच्छे से हो और उसकी हाइट बढ़े, तो इसके लिए आपको बच्चे को घर से बाहर निकलकर खेलने देना चाहिए। बच्चा भाग रहा है, जॉगिंग कर रहा है या स्किपिंग कर रहा है, साइक्लिंग कर रहा है या कोई भी आउटडोर स्पोर्ट्स उसे करना चाहिए। इससे उसे स्वस्थ रहने और हाइट को बढ़ाने में मदद मिलती है।बच्चे को घर से बाहर निकलकर खेलने के लिए स्क्रीन टाइम भी कम करना पड़ेगा। जब बच्चा दिनभर टीवी या मोबाइल से ही चिपका रहेगा, तब उसे बाहर खेलने जाने का मन ही नहीं करेगा इसलिए पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वो बच्चे को स्क्रीन से ज्यादा से ज्यादा दूर रखें।इसके अलावा डॉक्टर ने बच्चे के पोस्चर पर ध्यान देने के लिए भी कहा है। डॉक्टर ने बताया कि अगर बच्चा देर तक झुक कर बैठता है, तो उसकी स्पाइन का कर्व असामान्य हो सकता है और इसका असर हाइट पर भी पड़ सकता है। अगर बच्चे की हाइट ठीक से नहीं बढ़ रही है, तो आप एक बार उसे पीडियाट्रिशियन को दिखाएं, हो सकता है कि उसे हाइपोथायराइड हो या ग्रोथ हार्मोन की कमी हो।

बढ़ती उम्र के साथ खानपान का ध्यान रखना ज़रूरी है, इसलिए अगर साठ के हो गए हैं तो इस तरह खानपान बेहतर कर सकते हैं

नई दिल्ली। आपका खानपान आपकी उम्र के अनुकूल होना चाहिए। अगर आप साठ बरस के हैं तो आपके लिए क्या खाना अच्छा है और क्या नहीं, इस लेख में जानिए। बढ़ती उम्र के साथ शरीर की ज़रूरतें भी बदलती हैं। ख़ासकर 60 वर्ष की उम्र के बाद। मन मीठे और तले जैसे तरह-तरह के व्यंजनों की तरफ आकर्षित होता है। परंतु उम्र के इस पड़ाव में आपका भोजन ऐसा होना चाहिए जो शरीर को ऊर्जा दे, पाचन को सहज बनाए और दिनभर ऊर्जावान और हल्का महसूस कराए। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहे, इसके लिए यह ज़रूरी है कि आप अपने खानपान का ध्यान विशेष रूप से रखें। पौष्टिक खानपान शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ आपको मानसिक रूप से प्रसन्न और ऊर्जावान बनाए भी रखेगा। 60 की उम्र के बाद शरीर की पाचनशक्ति धीरे-धीरे कम होने लगती है। इस अवस्था में तले-भुने और भारी खाद्य पदार्थ, जैसे- समोसा, कचौरी, चकली, भुजिया आदि पचाना मुश्किल हो जाता है। यह भोजन सिर्फ़ पेट पर भारी नहीं पड़ता, बल्कि गैस, एसिडिटी और थकान का कारण भी बनता है। जब शरीर में लगातार भारीपन रहता है तो नींद, मनोदशा और ऊर्जा का स्तर भी प्रभावित होता है। अक्सर देखा गया है कि बुज़ुर्गों को हर बार चाय के साथ कुछ कुरकुरा या तला हुआ खाने की इच्छा होती है, लेकिन यह आदत धीरे-धीरे नुक़सानदेह बन सकती है। बेहतर विकल्प... तेलयुक्त खाने की जगह भुने हुए मखाने, मूंग दाल चीला, ढोकला या जीरा-हींग से तड़की हुई हल्की सब्ज़ियां खा सकते हैं। ये ना सिर्फ़ स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि शरीर को हल्का और संतुलित भी रखते हैं। उम्र के इस पड़ाव में मीठा और मैदे से बनी चीज़ें धीमा ज़हर साबित हो सकती हैं। बिस्किट, केक, मैदे के टोस्ट, मिल्क केक, हलवा या पेड़ा जैसी मिठाइयां देखने में तो लज़ीज़ लगती हैं, लेकिन इनमें पोषण नहीं होता। ये रक्त शर्करा को तेज़ी से बढ़ाती हैं, कब्ज़ को जन्म देती हैं और लंबे समय में मधुमेह, जोड़ों का दर्द और थकान की वजह बन सकती हैं। भोजन के बाद मीठा खाना अच्छा लगता है, लेकिन अब ये आदत नुक़सानदेह हो सकती है। इस आदत को पूरी तरह खत्म किए बिना भी हम बेहतर विकल्प दे सकते हैं। बेहतर विकल्प... मीठे के लिए गुड़-तिल से बने लड्डू, रागी लड्डू, 1-2 खजूर या भोजन के बाद आधा चम्मच गुलकंद ले सकते हैं। मैदे की जगह, मौसम के अनुसार मिलेट्स (जैसे- बाजरा, जौ आदि) की रोटी, सब्ज़ियों के साथ बेसन का टोस्ट और घी वाला पोहा भी बेहतर विकल्प हैं।रोज़ भोजन में चटपटा अचार, ठंडी चीज़ें व पैक्ड ड्रिंक्स शामिल होना आम हो गया है। लेकिन यह आपके शरीर में जलन, उच्च रक्तचाप और वात जैसी समस्याएं बढ़ा सकती हैं।

आंखों के नीचे जम गए हैं काले घेरे तो आजमाएं है 1 सफेद क्रीम नेचुरल भी है और इफेक्टिव भी

नई दिल्ली। अगर कई क्रीम लगाने

के बाद भी आपके आंखों के नीचे के काले घेरे हल्क नहीं हो रहे हैं, तो हमारा आज का नुस्खा खास आपके लिए है। आज हम आपको सिर्फ 2 चीजों से तैयार एक ऐसी सफेद क्रीम बनाने का तरीका बताने वाले हैं, जिसे लगाने के बाद आपके काले घेरे भी कम होंगे और आंखें खूबसूरत भी होंगी।आंखों के नीचे काले घेरे एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। ये न सिर्फ हमारी सुंदरता को कम करने का काम करते हैं, बल्कि खराब सेहत, थकान और अस्वस्थ जीवनशैली का भी दर्शाते हैं। वैसे तो आपको बाजार में कई तरह की क्रीम और अन्य ट्रीटमेंट मिल जाएंगे, लेकिन नेचुरल रेमेडीज आपकी मदद कर सकती हैं और स्किन को सॉफ्ट भी बना सकती हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में हैं जो घरेलू नुस्खों को महत्व देते हैं, जो हमारा आज का लेख खास आपके लिए है। जी हां, आज हम आपको इस लेख में सिर्फ 2 चीजों से तैयार एक ऐसी नेचुरल अंडर आई क्रीम बनाने का तरीका बताने वाले हैं, जिसका इस्तेमाल करके धीरे-धीरे आपकी आंखों के नीचे जमे काले घेरे हल्के हो जाएंगे। लेकिन आइए उससे पहले हम डार्क सर्कल्स होने के कारणों के बारे में जानें।जब हम पर्याप्त नहीं नहीं लेते हैं तो ब्लड वेसेल्स फैल जाती हैं जिससे आंखों के नीचे की त्वचा नीली व काली दिखाई देने लगती है। कुछ लोगों का ज्यादा स्ट्रेस लेना भी डार्क सर्कल्स होने का कारण बन सकता है। उम्र बढ़ना भी इसका कारण हो सकता है, जब हमारे पोषण में कमी आ जाती है और शरीर कमजोर होने लगता है। डिहाइड्रेशन की वजह से भी त्वचा सुस्त और बेजान दिखती है, जिससे काले घेरे ज्यादा साफ दिखने लगते हैं। शरीर में आयरन की कमी से भी काले घेरे हो सकते हैं। अंडर आई क्रीम बनाने का तरीका बहुत ही आसान है, इसके लिए आपको सिर्फ दो चीजों की जरूरत है और वो है एलोवेरा जेल 1/2 चम्मच, विटामिन ई कैप्सूल- 2 आप चाहें तो दोनों की मात्रा को बढ़ातक ज्यादा क्रीम बनाकर स्टोर कर सकते हैं, ताकि लंबे समय तक इस्तेमाल किया जा सके।

पानीपत में पहलवान योगेश्वर दत्त की पत्नी का एक्सीडेंट,फॉर्च्यूनर बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराइ, 7 साल का बेटा साथ था

नई दिल्ली। हरियाणा के मशहूर पहलवान व भाजपा नेता योगेश्वर दत्त की पत्नी-बेटे की कार का पानीपत में एक्सीडेंट हो गया। उनकी कार बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा

गई। हालांकि गाड़ी की पेड़ से टक्कर होते ही कार के एयरबैग खुल गए। जिससे दत्त की पत्नी शीतल शर्मा और 7 साल के बेटे की जान बच गई।योगेश्वर दत्त सोनीपत के गोहाना में रहने वाले हैं। गुरुवार को सुबह 11 बजे उनकी पत्नी शीतल शर्मा बेटे आदित्य के साथ फॉर्च्यूनर में गोहाना से पानीपत की ओर जा रहीं थी। कार शीतल खुद चला रहीं थीं। उनके साथ बेटा भी बैठा हुआ था।उनकी फॉर्च्यूनर गाड़ी जब इसराना थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव के पास पहुंची तो अचानक गाड़ी बेकाबू हो गई। शीतल ने गाड़ी काबू कंट्रोल करने की कोशिश की लेकिन वह सड़क के किनारे पेड़ से जा टकराई। जिससे गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि एयरबैग खुलने से दोनों की जान बच गई।शाहपुर से इसराना जाते वक्त जहां ये एक्सीडेंट हुआ, वहां बीच सड़क पर कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। इस वजह से इस रोड के एक ही हिस्से पर दोनों तरफ का ट्रैफिक चल रहा था।जैसे ही पत्नी और बेटे के साथ हादसा हुआ तो योगेश्वर दत्त के पास उनके जानने वाले के कॉल्स जाने लगे। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी। जिसमें योगेश्वर दत्त ने लिखा- आप सभी की दुआओं और भगवान की कृपा से मेरी धर्मपत्नी और बेटा बिल्कुल ठीक हैं।इस बारे में इसराना थाना के एसएचओ महिपाल ने कहा कि पुलिस को इस बारे में कोई सूचना नहीं मिली है। अस्पताल की तरफ से भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। मौके से भी पुलिस को किसी किस्म की सूचना नहीं आई। वह अपने स्तर पर मामले की जांच करेंगे। हादसे के बाद स्थानीय लोग और राहगीर इकट्ठा हो गए। उन्होंने तुरंत शीतल और बेटे को बाहर निकाला। जिसके बाद उन्हें पानीपत के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस भी हादसे की जांच में जुट गई है। पहलवान दत्त ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनकी पत्नी और बेटा ठीक हैं।

शरीर पीला पड़ने के अलावा भी मिलते हैं खून की कमी के संकेत, 5 लक्षणों को कभी ना मानें हल्का

नई दिल्ली। बच्चा-बच्चा जानता है कि खून शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसकी कमी से शरीर पीला पड़ने लगता है। लेकिन इसके अलावा भी कई लक्षण दिख सकते हैं, जो बीमारी को जल्द पकड़ने में मदद करेंगे। इन संकेतों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है।शरीर के महत्वपूर्ण तरल पदार्थ को खून कहते हैं। यह पूरे शरीर में पोषण और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। इसकी कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है और इस स्थिति को एनीमिया कहा जाता है। एनीमिया की समस्या हल्के में नहीं लेनी चाहिए। इससे कई सारी समस्याएं हो सकती हैं, जिन्हें लक्षण भी माना जाता है। अक्सर लोगों को लगता सिर्फ एक ही लक्षण के बारे में ज्यादा पता होता है। जैसे ही शरीर का रंग पीला लगने लगता है तो मान लिया जाता है कि बॉडी में खून का लेवल कम हो रहा है। आंखें और नाखून का रंग भी पीला हो सकता है। लेकिन इस बीमारी

का यह अकेला लक्षण नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एनीमिया के 5 लक्षण के बारे में बताया है, जिनके बारे में लोगों को कम जानकारी है। इन संकेतों पर नजर रखकर जल्दी इलाज मिल सकता है और स्थिति को गंभीर होने से रोका जा सकता है. एनीमिया कई कारणों से हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक डाइट में आयरन व फोलेट जैसे पोषण की कमी, पोषण का अवशोषण ना होना, इंफेक्शन, इंफ्लामेशन, क्रॉनिक डिजीज, ब्लड डिसऑर्डर, गायनेकोलॉजिकल या ऑब्स्टेट्रिक कंडीशन की वजह से ऐसा होता है। आयरन से भरपूर फूड यह मिनरल शाकाहारी और मांसाहारी दोनों चीजों में होता है। सब्जियों में पालक, मटर, ब्रोकली, शकरकंद, कोलार्ड, केल आदि खा सकते हैं। मीट में चिकन, जानवरों की कलेजी, क्लैम, टूना, सार्डिन मछली, ऑयस्टर का सेवन कर सकते हैं। डिस्क्लेमरः लेख में दिए गए नुस्खे सामान्य जानकारी के लिए है। एनबीटी इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

बीसीसीआई को वॉर्निंग, वैभव सूर्यवंशी को सचिन जैसा बनाओ कहीं हो ना जाए पृथ्वी शॉ जैसा हाल

नई दिल्लीः 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया को दिखा दिया कि अगर आपके पास हुनर है, तो आपको कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक बनाकर सबको चौंका दिया। वैभव सूर्यवंशी का खेल देखकर हर कोई हैरान था और दुनियाभर के दिग्गज उनकी बल्लेबाजी पर बयान दे रहे हैं। इसी बीच पूर्व भारतीय कोच ग्रेग चैपल ने बीसीसीआई को वैभव को लेकर चेतावनी दी है। ग्रेग चैपल ने सचिन तेंदुलकर, विनोद कांबली और पृथ्वी शॉ का उदाहरण देते हुए कहा है कि वैभव को सही तरीके से संभालना होगा। नहीं तो, उनका करियर भी बर्बाद हो सकता है। चैपल ने कहा कि प्रतिभा को सही मार्गदर्शन और सुरक्षा मिलनी चाहिए। उसे सिर्फ मार्केटिंग के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। हर पीढ़ी में, घरेलू क्रिकेट में कोई न कोई खिलाड़ी चमकता है। आजकल, आईपीएल में खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिलता है। जहां वे अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। वैभव ने भी आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक बनाया है। इतनी कम उम्र में, उन्होंने रिकॉर्ड बना दिया है।ग्रेग चैपल ने अपने कॉलम में लिखते हुए बीसीसीआई को चेतावनी दी है कि वैभव को लेकर सावधान रहें। भारत ने सचिन तेंदुलकर जैसे महान खिलाड़ी को देखा है। लेकिन, विनोद कांबली और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ियों को भी देखा है। जो अपनी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नहीं कर पाए। चैपल ने लिखा, 'सचिन तेंदुलकर एक किशोर के रूप में इसलिए सफल हुए क्योंकि उनके पास प्रतिभा के साथ-साथ एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम था। उनका स्वभाव शांत था। उनके कोच समझदार थे।

हम जानते हैं तुम क्या कर रहे हो, अंजाम भुगतोगे,हूती लड़ाकों का सपोर्ट करने पर ईरान को अमेरिका की धमकी

नई दिल्ली। अमेरिका की यह चेतावनी ऐसे वक्त पर आई है जब उसने हाल ही में उत्तरी यमन पर के पोर्ट रास ईसा पर हुई। युएस सेंट्रल कमांड ने इस स्ट्राइक की पुष्टि की थी, हालांकि उसने मरने वालों

कंट्रोल रखने वाले हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य हमले तेज कर दिए हैं। मार्च से अब तक अमेरिकी सेना ने हूती लड़ाकों के कंट्रोल वाली 1000 से ज्यादा जगहों को निशाना बनाया है। दूसरी तरफ हूती विद्रोहियों ने फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता का हवाला देते हुए रेड सी में कई शिपिंग जहाजों को निशाना बनाया है।ईरान लगातार इस बात से इनकार करता रहा है कि वो हूती विद्रोहियों का सपोर्ट करता है। ईरान का कहना है कि हूती लड़ाके स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारी कई बार यह बात कह चुके हैं कि ईरानी सेना हूती लड़ाकों को जरूरी सैन्य सहायता और स्ट्रैटेजिक सपोर्ट देती है।डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार 15 मार्च को अमेरिकी सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों पर एयरस्ट्राइक की थी। हमले में 31 लोगों की मौत हुई। इनमें हूती विद्रोहियों के साथ महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। जबकि, 101 लोग घायल हुए। इस स्ट्राइक के बारे में ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा था- हूती आतंकियों, तुम्हारा वक्त पूरा हो गया है। अमेरिका तुम पर आसमान से ऐसी तबाही बरसाएगा, जो पहले कभी नहीं देखी होगी। इसके बाद से ही अमेरिका लगातार यमन में हूती विद्रोहियों पर हमले कर रहा है। 10 दिन पहले की गई एयर स्ट्राइक में 74 लोगों की मौत हुई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। ये एयर स्ट्राइक एक तेल का सही आंकड़ा नहीं बताया। हूती वो हैं साल 2014 में यमन में गृह युद्ध शुरू हुआ। इसकी जड़ शिया-सुन्नी विवाद है। कार्नेजी मिडिल ईस्ट सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों समुदायों में हमेशा से विवाद था जो 2011 में अरब क्रांति की शुरुआत से गृह युद्ध में बदल गया। 2014 में शिया विद्रोहियों ने सुन्नी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इस सरकार का नेतृत्व राष्ट्रपति अब्दरब्बू मंसूर हादी कर रहे थे। हादी ने अरब क्रांति के बाद लंबे समय से सत्ता पर काबिज पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह से फरवरी 2012 में सत्ता छीनी थी। हादी देश में बदलाव के बीच स्थिरता लाने के लिए जूझ रहे थे। उसी समय सेना दो फाड़ हो गई और अलगाववादी हूती दक्षिण में लामबंद हो गए। अरब देशों में दबदबा बनाने की होड़ में ईरान और सऊदी अरब भी इस गृह युद्ध में कूद पड़े। एक तरफ हूती विद्रोहियों को शिया बहुल देश ईरान का समर्थन मिला। तो सरकार को सुन्नी बहुल देश सऊदी अरब का। देखते ही देखते हूती के नाम से मशहूर विद्रोहियों ने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। 2015 में हालात ये हो गए थे कि विद्रोहियों ने पूरी सरकार को निर्वासन में जाने पर मजबूर कर दिया था। ईरान से मिल रहे समर्थन की बदौलत हूती विद्रोही एक ट्रेंड लड़ाका दल में बदल चुके हैं। हूती विद्रोहियों के पास आधुनिक हथियार और यहां तक कि अपने हेलिकॉप्टर भी हैं।

चीन की मदद से पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने रची पहलगाम की साजिश, पाक सेना के एक्स आर्मी ऑफिसर का खुलासा

इस्लामाबाद। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। दोनों देशों की

बयानबाजियों और तैयारियों को देखते हुए रक्षा विशेषज्ञ इलाके में कभी भी नया युद्ध शुरू होने का खतरा बता रहे हैं। भारत ने पहलगाम हमले का आरोप पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों पर लगाया है, जबकि इस्लामाबाद ने इसमें अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने तो खुद को पाक साफ दिखाने के तटस्थ जांच की मांग भी कर दी है और सहयोग की बात भी कही है, लेकिन इन सबके बीच पाकिस्तानी सेना के एक पूर्व अधिकारी ने हैरान करने वाला दावा किया है।पूर्व सैन्य अधिकारी मेजर (रि.) आदिल रजा ने इंडिया टुडे के साथ बातचीत में कहा कि पहलगाम हमले की साजिश पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने रची थी। आदिल रजा ने कहा कि जनरल मुनीर की निजी ख्वाहिश 10 साल तक पाकिस्तान पर राज करने की है। ये सब उसी योजना का हिस्सा है। पूर्व पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी ने साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान ने यह अकेले नहीं किया है। इसके लिए चीन ने उसे तैयार किया है।आदिल रजा ने कहा कि चीन को पहलगाम हमले से जोड़ने वाला कोई सीधा कनेक्शन भले नहीं है, लेकिन यह बात साफ है कि भारत के कमजोर होने से चीन को लाभ होता है। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव शमशाद अहमद खान के एक हालिया इंटरव्यू में दिए बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'चीनी कभी भी खुद से नहीं लड़ते हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- उम्मीद है भारत पाकिस्तान के साथ क्षेत्रीय संघर्ष से बचेगा

नई दिल्ली।अमेरिका के

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर गुरुवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत पाकिस्तान को जवाब देते हुए किसी बड़े क्षेत्रीय संघर्ष से बचेगा। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान से अपील की कि वह भारत के साथ मिलकर इस हमले में शामिल आतंकियों की तलाश और कार्रवाई में सहयोग करे।वेंस ने फॉक्स न्यूज के एक पॉड कास्ट इंटरव्यू में कहा, 'हमारी उम्मीद है कि भारत इस आतंकी हमले का ऐसा जवाब दे जो किसी बड़े क्षेत्रीय टकराव की वजह न बने। और हमें उम्मीद है कि अगर पाकिस्तान किसी भी तरह से जिम्मेदार है, तो वह भारत के साथ मिलकर उन आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा जो कभी-कभी उनकी जमीन से ऑपरेट करते हैं। जब ये हमला हुआ, उस वक्त वेंस अपने परिवार के साथ भारत दौरे पर थे। पिछले महीने उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके इस हमले की कड़ी निंदा की थी और मारे गए लोगों के लिए गहरी संवेदना जताई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी दी कि वेंस ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और आतंकवाद के खिलाफ इस साझा लड़ाई में हर तरह की मदद देने को तैयार है।

मजदूर दिवस पर अमेरिका समेत कई देशों में ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन हुए

नई दिल्ली। 1 मई 2025 यानी

मजदूर दिवस पर अमेरिका और दुनिया के कई हिस्सों में हजारों लोगों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन '50501 मूवमेंट' के नाम से हुआ, जिसका मतलब है- 50 राज्य, 50 विरोध, 1 आंदोलन। अमेरिका में 1,100 से ज्यादा जगहों पर लोग सड़कों पर उतरे। लोगों ने कहा कि ट्रम्प सरकार मजदूरों के हक, सरकारी कर्मचारियों और समानता की कोशिशों को कमजोर कर रही है। न्यूयॉर्क, लॉस एंजिलिस, शिकागो, फिलाडेल्फिया और वॉशिंगटन डीसी जैसे शहरों में लोग पोस्टर लेकर सड़कों पर निकले, नारे लगाए, ढोल बजाए और झंडे लहराए। लोगों ने कहा कि ट्रम्प की नीतियों से मजदूरों और आम लोगों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने एकजुट होकर सरकार की नीतियों का विरोध किया। शिकागो में प्रदर्शन कर रहे लोग 'नो जस्टिस, नो पीस' (न्याय नहीं तो शांति नहीं) चिल्ला रहे थे। फिलाडेल्फिया में सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने सिटी हॉल के बाहर बड़ी भीड़ को संबोधित किया। कुछ लोग सड़कों पर बैठ गए और पोस्टर उठाए जिन पर लिखा था, 'बिलियनेयर नहीं, वर्कर जरूरी हैं।' बाद में पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया।

रूहअफजा की शिकायत- रामदेव ने यू-ट्यूब से वीडियो नहीं हटाया,पतंजलि चैनल के सब्सक्राइबर देख सकेंगे, रामदेव हाईकोर्ट से बोले- 24 घंटे में हटा लेंगे

नई दिल्ली। योग गुरु रामदेव के शरबत जिहाद मामले पर शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। हमदर्द ने दिल्ली हाईकोर्ट

को बताया कि रूह अफजा के खिलाफ रामदेव का वीडियो यूट्यूब से हटाया नहीं गया है, बल्कि उसे प्राइवेट किया गया है यानी कि यूट्यूब चैनल सब्सक्राइबर इसे अभी भी देख सकते हैं। रामदेव की तरफ से पेश वकील ने कहा कि कोर्ट की तरफ से दिए गए 24 घंटे के समय के भीतर वीडियो हटा दिया जाएगा। हालांकि, हमदर्द ने यह भी दलील दी कि वीडियो को आस्था चैनल पर भी दिखाया जा रहा है। इस मामले पर कोर्ट में अब 9 मई को सुनवाई होगी। इससे पहले गुरुवार को कोर्ट ने योगगुरु के दूसरे वीडियो पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं। वे अपनी ही दुनिया में जीते हैं। बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को हमदर्द कंपनी का नाम लिए बिना रूह अफजा को 'शरबत जिहाद' कहा था। इसके बाद विवाद बढ़ गया था। रामदेव ने दो वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे।बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है। बाबा रामदेव ने कहा था कि जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही शरबत जिहाद भी चल रहा है।इस बयान के खिलाफ रूह अफजा शरबत बनाने वाली कंपनी हमदर्द ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने दलीलें दीं। रोहतगी ने कहा कि यह धर्म के नाम पर हमला है।रोहतगी ने कहा कि रामदेव ने अपने बयान के जरिए धर्म के आधार पर हमदर्द कंपनी पर हमला किया है। उन्होंने शरबत जिहाद का नाम लिया। रामदेव का नाम मशहूर है, बिना किसी दूसरे प्रोडक्ट की बुराई के वे पतंजलि का सामान नहीं बेच सकते हैं। यह बयान बुराई करने से आगे निकल गया है, यह धार्मिक बंटवारा करता है। रामदेव का कमेंट हेट स्पीच की तरह ही है। रोहतगी ने भ्रामक विज्ञापनों के केस की याद दिलाई और कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को लोगों से माफी मांगने का आदेश दिया था।

जंग में सिर्फ 7 दिन टिकेगा पाकिस्तान, भारतीय सेना 3 गुना ताकतवर, 88फीसदी गोला-बारूद घर का बना

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ हाई-लेवल मीटिंग की है, जिसमें एनएसए अजित डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के मुखिया मौजूद रहे। मीटिंग में पीएम मोदी ने कहा, 'आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय सेना तय करे।उधर गृह मंत्री अमित शाह ने भी एनएसजी, बीएसएफ, सीआरपीएफ और एसएसबी के सीनियर अधिकारियों के साथ बैठक की है। रूसी मीडिया के बाद अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी कहा है कि भारत पाकिस्तान पर हमले की तैयारी में दिख रहा है।लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) रामेश्वर रॉय कहते हैं, 'कोई भी देश जंग का ऐलान करके जंग नहीं लड़ता है। किसी एक देश की कार्रवाई के बदले में दूसरी तरफ से जैसा रिएक्शन आता है, उसके हिसाब से तय होता है कि आगे का एक्शन कितना सख्त होगा।यानी अगर दोनों तरफ से कार्रवाई बढ़ती है तो कहा जाता है कि अब संघर्ष बढ़ रहा है। इस संघर्ष में जब आर्मी, एयरफोर्स और नेवी यानी सेना के तीनों अंग शामिल हो जाते हैं तो इसे फुल फ्लेज्ड वॉर यानी 'पूरी तरह से शुरू हो चुकी जंग' कहा जाता है। ग्लोबल फायर पावर इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत, पाकिस्तान से 3 करती है। जिस देश का स्कोर जितना ज्यादा होता है, उसकी ताकत उतनी

गुना ज्यादा ताकतवर है। 145 देशों की लिस्ट में अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत चौथे नंबर पर है, जबकि पाकिस्तान 12वें नंबर पर है। 2023 में पाकिस्तान 7वें स्थान पर था। 2024 में फिसलकर 9वें पर पहुंच गया और 2025 में टॉप 10 देशों की लिस्ट से बाहर हो गया। यानी भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे ताकतवर सेना है, जबकि पाकिस्तान 8 नंबर पीछे है। ग्लोबल फायर पावर इंडेक्स में 60 अलग-अलग पैरामीटर्स पर देशों की ताकत को परखा जाता है। किसी देश की ताकत उसके स्कोर पर निर्भर ही कम आंकी जाती है। भारत का स्कोर 0.1025 है, जबकि पाकिस्तान का स्कोर 0.1695 है।ले. जन. (रि.) रामेश्वर रॉय कहते हैं कि 1999 में हुई कारगिल की लड़ाई एक सीमित जंग यानी लिमिटेड वॉर थी। हमारे टारगेट्स तय थे कि हमें अपनी जमीन को वापस पाना है। लड़ाई में हमने अपने पॉइंट्स वापस पा लिए और जंग में जीत की घोषणा की। अभी ऐसा नहीं लग रहा कि जंग छिड़ जाएगी, लेकिन अगर दोनों तरफ से जवाबी कार्रवाई बढ़ी तो बात जंग तक पहुंच सकती है।ग्लोबल फायर पावर इंडेक्स के मुताबिक भारत के पास पाकिस्तान की तुलना में करीब 3 गुना ज्यादा बड़ा हथियारों का जखीरा है। भारत के पास मिसाइल अटैक, ड्रोन अटैक या समुद्री, जमीनी लड़ाई के लिए हथियारों का बड़ा जखीरा और हर तरह के युद्धपोत हैं।भारत के पास टी-90 भीष्म और अर्जुन जैसे ताकतवर टैंक हैं। हालांकि, स्वचालित आर्टिलरी यानी तोपों के मामले में पाकिस्तान के पास बढ़त है, लेकिन मोबाइल आर्टिलरी यानी एक जगह से दूसरी जगह ले जाई जा सकने वाली तोपें भारत के पास ज्यादा हैं। पाकिस्तान के मुकाबले भारत के पास 1.6 गुना ज्यादा तोपे हैं। भारत के पास रात में लड़ाई करने के लिए अपग्रेडेड हथियार हैं। वहीं डिजिटल वॉरफेयर के मामले में भारत कहीं आगे है।पाकिस्तान के मुकाबले इंडियन एयरफोर्स कहीं ज्यादा मजबूत है। राफेल और सुखोई जैसे भारतीय फाइटर जेट के आगे पाकिस्तानी एफ-16 जैसे जेट्स कमजोर हैं। भारत के पास हेरॉन, हारोप और हर्मीस जैसे इजराइली ड्रोन हैं, जो 450 किमी. से लेकर 1000 किमी. तक वार कर सकते हैं। भारत के पास अमेरिकी एमक्यू-9बी रीपर जैसे बड़े और सबसे ताकतवर ड्रोन हैं, जो आईएनएस विक्रांत युद्धपोत से समुद्र में उड़कर टारगेट पर हमला कर सकते हैं।

अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप,सुनामी की चेतावनी

नई दिल्ली। साउथ अमेरिकी देश अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया है। इसके चलते सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यह भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे आया है। भूकंप का केंद्र अर्जेंटीना के दक्षिणी राज्य उशुआइया से 222 किमी दूर समुद्र में ड्रेक पैसेज में था, जिसकी गहराई 10 किमी थी। युएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक उसी जगह 15 मिनट में लगातार 5.4, 5.7 और 5.6 तीव्रता के 3 आफ्टर शॉक भी आए। बता दें कि ड्रेक पैसेज दक्षिण अमेरिका के केप हॉर्न , चिली, अर्जेंटीना और अंटार्कटिका के दक्षिण शेटलैंड द्वीपों के बीच का समुद्री इलाका है। प्रशासन ने लोगों से ऊंची जगहों पर जाने के लिए कहा है। प्रभावित इलाकों में सुनामी की चेतावनी वाले सायरन बजना शुरू हो गए हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। एक दिन पहले भी अर्जेंटीना में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था।अर्जेंटीना के पड़ोसी देश चिली के तटीय इलाकों भी को अलर्ट पर रखा गया है। चेतावनी में कहा गया है कि लहरें चिली के प्यूर्टो विलियम्स तक पहुंच सकती हैं। चिली की नेशनल डिजास्टर सर्विस ने पूरे दक्षिणी तट को खाली कराने के लिए कहा है। इसके लिए लोकल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने कहा कि भूकंप से निपटने के लिए देश के पास सभी संसाधन मौजूद हैं।

चीन बोला- अमेरिका ने ट्रेड बातचीत शुरू करने के संदेश भेजे, हम प्रस्तावों का आकलन कर रहे

नई दिल्ली। चीन ने कहा है कि वह अमेरिका की तरफ से ट्रेड बातचीत लेकिन हर बार चीन की तरफ से इसे सिरे से खारिज किया गया है।

शुरू करने के प्रस्तावों का फिलहाल आकलन कर रहा है। ये बयान अमेरिका और चीन के बीच चल रहे तनाव के बीच टोन में बदलाव दिखाता है, जो भविष्य में बातचीत के रास्ते खोल सकता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, अमेरिका ने हाल ही में कई माध्यमों से चीन को संदेश भेजे हैं कि वह ट्रेड बातचीत शुरू करना चाहता है। चीन फिलहाल इन प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब बीजिंग अब तक अमेरिका के ट्रम्प सरकार की टैरिफ नीति पर सख्त और विरोधी रुख अपनाता रहा है। अब इस बयान से चीन के रुख में थोड़ी नरमी नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पिछले हफ्ते से बार-बार कह रहे हैं कि उनकी सरकार चीन के अधिकारियों से ट्रेड डील को लेकर बातचीत कर रही है, शुक्रवार को चीन ने दोबारा कहा कि किसी भी बातचीत की शुरुआत से पहले कुछ शर्तें पूरी होनी जरूरी हैं। वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'टैरिफ और ट्रेड वॉर की शुरुआत अमेरिका ने एकतरफा की थी। अगर उसे बातचीत करनी है तो उसे ईमानदारी दिखानी होगी। इसके तहत उसे अपनी गलतियों को स्वीकार करना होगा और टैरिफ बढ़ोतरी जैसे एकतरफा फैसले वापस लेने होंगे। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारी व्यापार दांव पर लगा हुआ है। ट्रम्प ने इस महीने की शुरुआत में चीन पर टैरिफ बढ़ाकर 145फ़ीसदी कर दिया, जिससे कई चीनी कंपनियों के लिए अमेरिका से व्यापार करना मुश्किल हो गया है। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर टैरिफ बढ़ाकर 125फ़ीसदी कर दिया है।

पोर्न एक्टर पर ब्रिटिश गे कपल की हत्या का आरोप:सिर काटकर फ्रीजर में रखा, बॉडीपार्ट्स सूटकेस में भरकर नदी में फेंका

नई दिल्ली। ब्रिटेन में एक पोर्न एक्टर उसका सिर फूट गया था। इसके बाद

पर आरोप है कि उसने एक गे कपल (समलैंगिक जोड़े) का सिर काट दिया और उनके टुकड़े कर दिए। इसके बाद कटे हुए सिरों को फ्रीजर में रख दिया और बाकी बॉडी पार्ट्स को सूटकेस में भरकर एक पुल से नीचे फेंक दिया। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 35 साल के कोलंबिया पोर्न एक्टर योस्टिन आंद्रेस मोस्क्वेरा पर आरोप है कि उसने 8 जुलाई, 2024 लंदन के शेफर्ड्स बुश इलाके के एक अपार्टमेंट में 71 साल के पॉल लॉन्गवर्थ और 62 साल के अल्बर्ट अल्फोंसो की हत्या कर दी। सरकारी वकील का दावा है कि मोस्क्वेरा को 10 जुलाई की रात लंदन से 160 किमी दूर ब्रिस्टल शहर के फेमस क्लिफ्टन सस्पेंशन ब्रिज पर एक बड़े लाल सूटकेस के साथ देखा गया था।आरोपी ने पहले लॉन्गवर्थ के सिर पर हथौड़े से कई हमले किए, जिससे अल्फोंसो के चेहरे और शरीर पर चाकू से कई हमले किए। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि मोस्क्वेरा ने हत्या के बाद डांस करते हुए खुद का एक वीडियो भी शूट किया था। मोस्क्वेरा को 10 जुलाई की रात एक साइकिल सवार ने ब्रिज पर सूटकेस के साथ देखा था। तब उसने कहा था कि उसमें ऑटो पार्ट्स हैं, लेकिन उसमें लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो के बॉडी पार्ट्स थे। आरोपी ने हत्या के बाद कपल के अकाउंट से 5,000 डॉलर (4 लाख रुपए) से अपने अकाउंट में ट्रांसफर करने और एटीएम से 1000 डॉलर (84 हजार रुपए) कैश निकालने की भी कोशिश की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोस्क्वेरा अक्सर ब्रिटिश जोड़े से मिलने जाता था और लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो भी आरोपी से मिलने उसके देश जाते थे। यह मुकदमा अभी भी कोर्ट में चल रहा है।

पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने से भारत पर क्या असर होगा?

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए चरमपंथी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ कुछ सख़्त क़दम उठाए.इस पर पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए कुछ फ़ैसले किए.इनमें से एक है पाकिस्तान का भारतीय विमान कंपनियों के लिए अपना एयरस्पेस बंद करना.इस फ़ैसले के मुताबिक़ भारतीय समयानुसार गुरुवार शाम छह बजे के बाद किसी भी भारतीय विमान को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से गुज़रने की इजाज़त नहीं थी.इस घोषणा ने गुरुवार को ही भारतीय विमान कंपनियों को हरकत में ला दिया था.ज़ाहिर है, जब पाकिस्तान ने ये घोषणा की होगी।

भारत या पाकिस्तान, अटारी चेक पोस्ट बंद होने से किसका ज़्यादा नुक़सान?

नई दिल्ली। सरकार के बयान में यह बताया गया कि उनके आकलन में पहलगाम हमले के तार 'सीमा पार' से जुड़े हैंइसके बाद पाकिस्तान सरकार ने भी बैठक की. उसने अपनी ओर से व्यापार पूरी तरह बंद करने की घोषणा की. साथ ही, यह भी कहा कि तीसरे देशों के माध्यम से भी भारत के साथ किसी क़िस्म का व्यापार नहीं होगा. दोनों देशों के बीच व्यापार की स्थिति क्या है? कौन किसे क्या बेच रहा है और किस तरीक़े से बेच रहा है? दोनों सरकारों के फ़ैसले से इसमें क्या फ़र्क़ पड़ेगा?इस चेक पोस्ट को 'अटारी लैंड पोर्ट' भी कहते हैं. यह भारत का सबसे पहला 'लैंड पोर्ट' है.यह अमृतसर से महज़ 28 किलोमीटर की दूरी पर है. यह पोर्ट ज़मीन के रास्ते पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के साथ व्यापार करने का भारत का एकमात्र ज़रिया हैसाल 2023-24 में अटारी से लगभग 3 हज़ार 886 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ।

पाकिस्तानी लौटाए जा रहे, सीमा हैदर को क्यों मिली छूट,बेटी बनी कवच

नई दिल्ली।'मैं पाकिस्तान की बेटी थी, लेकिन अब बहू भारत की हूं। मैं पाकिस्तान नहीं जाना चाहती, इसलिए मुझे यहीं रहने दिया जाए। मैं सचिन की शरण में हूं और इनकी अमानत हूं।पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों को वापस उनके देश भेजा जा रहा है। तब दो साल से भारत में रह रही सीमा हैदर ने इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर कर अपने लिए रियायत मांगी है। नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत आई पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर फिलहाल ग्रेटर नोएडा में रह रही है। प्रेमी सचिन मीणा से शादी करने के बाद वह सीमा सचिन मीणा बन चुकी है। पाकिस्तानियों को डिपोर्ट किए जाने के बाद से सवाल उठ रहे हैं कि सीमा हैदर का क्या होगा। क्या उसे भी सरकार पाकिस्तान भेजेगी। हालांकि सीमा के वकील एपी सिंह का दावा है कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों की जो लिस्ट बनी है, उसमें सीमा का नाम नहीं है। डेढ़ महीने पहले भारत में पैदा हुई सीमा की बेटी उसके लिए सुरक्षा कवच है। सोर्सेज की मानें तो ये लिस्ट अंतिम नहीं है। लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे लोगों की भी कैटेगरी बनेगी और फैसला लिया जाएगा कि कौन यहां रहेगा और कौन वापस जाएगा। दैनिक भास्कर ने एंटी टेरर स्क्वॉड के सोर्सेज से सीमा हैदर के केस का अपडेट लिया। साथ ही उसके वकील से भी समझने की कोशिश की कि पाकिस्तानियों को वापस भेजने के आदेश से वो बच कैसे गई। सीमा हैदर के वकील एपी सिंह ने हमें वे 3 कारण बताए, जिनकी वजह से सीमा हैदर को वापस पाकिस्तान नहीं भेजा गया।. सीमा यहां वीजा लेकर नहीं आई। वो जब आई तो उसकी जांच हुई और वो गिरफ्तार भी हुई। अब भी जांच चल रही है। उसके लिए सरकार और जांच एजेंसियों ने जो गाइडलाइन बनाई है, वो उसका पालन कर रही है। इसलिए पहलगाम हमले के बाद बनी उस लिस्ट में वो शामिल नहीं की गई, जिन्हें पाकिस्तान भेजा जाना था। दूसरा और सबसे अहम कवच उसका परिवार बना। उसके पति और ससुराल वाले सभी लोग भारतीय हैं। सबसे बड़ा कवच उसकी पांचवीं संतान यानी डेढ़ महीने पहले भारत में पैदा हुई उसकी बेटी है। हमारे कानून में सामान्य दशा में मां को बच्ची से अलग करने की प्रक्रिया नहीं है। वकील एपी सिंह का दावा है कि नेचुरलाइजेशन के नियम के आधार पर बच्ची जन्म के साथ भारतीय नागरिक है। हालांकि इन दावों को हम कन्फर्म नहीं करतें। बच्चे के जन्म के समय उसके माता-पिता भारतीय नागरिक हों,पेरेंट्स की शादी वैलिड होनी चाहिए,पेरेंट्स भारत में वैलिड वीजा या ऑफिशियल डॉक्यूमेंट के साथ आए हों,सीमा हैदर के केस में सचिन भारतीय नागरिक है, लेकिन एक शर्त पूरी नहीं हो रही। सीमा भारत में अवैध तरीके से दाखिल हुई थी और यही बच्चे की नागरिकता में रोड़ा बनेगी।एपी सिंह के मुताबिक, सीमा हैदर ने यहां के तौर-तरीके से शादी की और हिंदू धर्म अपनाया। वो अब खुद को सीमा हैदर नहीं, बल्कि सीमा सचिन मीणा कहती है।तो क्या सीमा अब पूरी तरह से सुरक्षित है। वो अब भारत में ही रहेगी? इसके जवाब में एडवोकेट एपी सिंह कहते हैं, 'देखिए मैं बस इतना जानता हूं कि सीमा ने भारत के धर्म और संस्कृति को अपना लिया है।एपी सिंह बताते हैं, 'सीमा भारत में रहते हुए सरकार और जांच एजेंसी की हर शर्त मान रही है। उसे रबूपुरा से बाहर जाने की इजाजत नहीं है। सीमा दो साल में अपने मोहल्ले ठकुरान से भी बाहर नहीं निकली।

ट्रम्प ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र का राजदूत बनाया,एन.एस.ए के पद से हटाया, विदेश मंत्री मार्को रूबियो को कार्यकारी एन.एस.ए बनाया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज ऐलान किया कि वह माइक वाल्ट्ज को अमेरिका का नया संयुक्त राष्ट्र राजदूत बना रहे हैं। माइक वाल्ट्ज अभी तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। इसके साथ ही ट्रम्प ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद की भी जिम्मेदारी दे दी है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, माइक वाल्ट्ज जल्दी ही

अपनी पोस्ट छोड़ने वाले थे। यह ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद पहला बड़ा बदलाव है। एक सूत्र ने बताया कि इस हफ्ते की शुरुआत में वाल्ट्ज को साफ कह दिया गया था कि अब उनका समय खत्म हो गया है। वाल्ट्ज को उस समय आलोचना का सामना करना पड़ा जब उन्होंने गलती से एक पत्रकार को उस चैट ग्रुप में जोड़ लिया, जिसमें सीक्रेट मिलिट्री प्लानिंग पर चर्चा हो रही थी। यह एक बड़ी राजनीतिक चूक थी और माना जा रहा है कि यह मुद्दा उनके संयुक्त राष्ट्र पद की पुष्टि के दौरान उठ सकता है। फ्लोरिडा से पूर्व सांसद वाल्ट्ज ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस छोड़ने वाले पहले सीनियर अफसर हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में चार एनएसए बदले थे। पहले सलाहकार जनरल मैकमास्टर सिर्फ 22 दिन ही पद पर रह पाए थे।रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने 15 मार्च को यमन में हूती विद्रोहियों पर हमले के प्लान को 2 घंटे पहले सिग्नल ऐप पर एक सीक्रेट ग्रुप चैट में शेयर किया था। इस ग्रुप को माइक वाल्ट्ज ने बनाया था। इसमें द अटलांटिक मैगजीन के मुख्य संपादक जैफ्री गोल्डबर्ग भी जुड़े हुए थे। साथ ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी शामिल थे। जेफ्री गोल्डबर्ग ने बताया कि उन्हें गलती से इस ग्रुप चैट में जोड़ दिया गया था। यह ग्रुप सिक्योर मैसेजिंग ऐप सिग्नल पर बनाया गया था। जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज ने बनाया था। गोल्डबर्ग ने लिखा कि 15 मार्च को सुबह 11:44 बजे हेगसेथ ने यमन पर होने वाले हमलों की जानकारी शेयर की थी। इसमें टारगेट्स और इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों के अलावा कौन-सा हमला कब और कहां किया जाना है, इसकी जानकारी भी थी।माइक वाल्ट्ज को चीन-ईरान का विरोधी और भारत समर्थक माना जाता है। वे चीन पर अमेरिका की निर्भरता कम करने से जुड़े कई विधेयकों का समर्थन कर चुके हैं। वॉल्ट्ज अमेरिकी सेना की स्पेशल यूनिट फोर्स में 'ग्रीन बेरे कमांडो' रह चुके हैं और तालिबान के साथ अफगानिस्तान में जंग भी लड़ चुके हैं। उन्होंने अफगानिस्तान से बाइडेन सरकार की सैन्य वापसी का कड़ा विरोध किया था। वे मिडिल ईस्ट और अफ्रीका में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।इंडिया कॉकस अमेरिकी सांसदों का एक ग्रुप है, जो भारत-अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करता है। इसका गठन 2004 में न्यूयॉर्क की तत्कालीन सीनेटर हिलेरी क्लिंटन (डेमोक्रेट्स) और विदेश मंत्री जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन) ने किया था। इंडिया कॉकस अमेरिकी संसद में भारत के मामलों पर चर्चा करने और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा मंच बन चुका है। इंडिया कॉकस में फिलहाल 40 मेंबर हैं। इंडिया कॉकस में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन दोनों पार्टियों के नेता शामिल होते हैं। इसके सदस्य नियमित रूप से भारतीय नेताओं से मिलते हैं और अमेरिकी सरकार को भारत से जुड़े मामलों में सलाह देते हैं। वॉल्ट्ज इंडिया कॉकस के को-चेयर हैं और भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखने के पक्ष में हैं। साल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी कांग्रेस के जॉइंट सेशन को संबोधित किया था। उनके इस भाषण की व्यवस्था में वॉल्ट्ज का बड़ा रोल था। उन्होंने ही हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी से मोदी को आमंत्रित करने की अपील की थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी, प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-डा. दीपक अरोरा
मो 0 न0 -919415608783
RNI No.UPHIN/2012/41154

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।